राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 248
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 21 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

नई दिल्ली से प्रकाशित

मुख्य अपडेट
पेज 3 नोएडा : होली के जश्न में छाया रंग, जब जमकर नाचे पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और डीएम सुहास एलवाई
पेज 5 होली पार्टी के चक्कर मे खजाना खुला छोड़ घर चलेगये डाकघर के प्रबन्धक व कर्मचारी
पेज 7 अविश्वास प्रस्ताव मसले को दोनों पक्ष संवैधानिक तरीके से निपटाये : पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट

4 राज्यों में सरकार गठन पर महामंथन

पीएम आवास पर हाईलेवल मीटिंग जारी, मणिपुर में बिरेन सिंह होंगे सीएम

नई दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में 4 राज्यों में जीत हासिल करने के बाद बीजेपी सरकार गठन की कवायद में लगी है। पीएम मोदी के आवास पर 4 राज्यों में सरकार गठन को लेकर पिछले 2 घंटे से बैठक चल रही है। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता मौजूद हैं।

रविवार को पार्टी ने मणिपुर में एन बिरेन सिंह को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने का ऐलान कर दिया है। यूपी में सीएम योगी का नाम पहले से ही तय है। योगी आदित्यनाथ 25 मार्च को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शपथ ग्रहण करेंगे। अभी गोवा और उत्तराखंड में सीएम के नाम पर सस्पेंस बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोमवार को गोवा और उत्तराखंड में सीएम के नाम का ऐलान हो सकता है।

मणिपुर में बीजेपी का भरोसा बीरेन सिंह

एन बिरेन सिंह दोबारा मणिपुर के मुख्यमंत्री बनेंगे। चुनाव नतीजे आने के 10 दिन बाद रविवार यानी 20 मार्च को भाजपा नेतृत्व ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। शनिवार को एन बीरेन पार्टी नेतृत्व से मिलने दिल्ली पहुंचे थे। यहां उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और अमित शाह से मुलाकात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पार्टी हाईकमान ने एन बीरेन सिंह के आलावा बिस्वजीत सिंह और युमनाम खेमचंद के नामों पर भी चर्चा की, लेकिन आखिर में पार्टी ने एन बीरेन सिंह पर भरोसा जताया।

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और किरेन रिजिजू पर्यवेक्षक के तौर पर रविवार को इंफाल पहुचें थे। जहां नवनिर्वाचित विधायकों संग बैठक की। बैठक में कार्यवाहक सीएम के नाम पर मुहर लगा दी गई। शनिवार को ष्टरूबनने के सवाल पर बीरेन सिंह ने कहा था कि उन्होंने कभी भी सीएम बनने के लिए चुनाव नहीं लड़ा। पार्टी जो भी फैसला लेगी, मुझे स्वीकार होगा।

अभी गोवा और उत्तराखंड में अगले ष्टरूके नाम पर सस्पेंस बरकरार है, लेकिन भाजपा सोमवार को इसका ऐलान कर सकती है। गृहमंत्री अमित शाह के घर शनिवार देर रात तक चली बैठक में गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड़ में अगले सीएम के नामों पर सहमति बन गई है।

उत्तराखंड में सोमवार को विधायक दल की बैठक में इसका ऐलान होगा। वहीं, गोवा में प्रमोद सावंत की ताजपोशी लगभग तय है।

अमित शाह के घर हुई बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मणिपुर के कार्यवाहक सीएम एन बीरेन सिंह और गोवा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के अलावा राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी एल संतोष भी मौजूद रहे।

उत्तराखंड में आज भाजपा विधायक दल की होगी बैठक

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव नतीजों के 10 दिन बाद अगला सीएम तय करने के लिए सोमवार को देहरादून में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। इसमें राजनाथ सिंह और विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी पर्यवेक्षक के तौर पर मौजूद रहेंगी। इस पर आखिरी फैसला केंद्रीय संसदीय बोर्ड करेगा।

प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि सोमवार को शाम में देहरादून में सभी विधायकों की बैठक बुलाई गई है। वही एक्टिंग सीएम पुष्कर धामी ने मीटिंग की पुष्टि करते हुए कहा कि मैं अब देहरादून के लिए निकल रहा हूं, सोमवार को बैठक होनी है।

माना जा रहा है कि 22 या 23 मार्च को उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। भाजपा इस समारोह को बड़े इवेंट के तौर पर बनाने की तैयारी कर रही है। शपथ समारोह देहरादून के परेड ग्राउंड में होगा।

गोवा में प्रमोद सावंत का सीएम बनना तय

गोवा के कार्यवाहक सीएम प्रमोद सावंत ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, प्रमोद सावंत का दोबारा सीएम बनना तय माना जा रहा है। इसके दो कारण हैं। पहला-प्रमोद साबंत के नेतृत्व में भाजपा ने गोवा में बड़ी जीत हासिल की है। दूसरा उन्हें जीते हुए 20 में से 17 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला संसदीय दल की बैठक में होगा।

अंबाला में हैंड ग्रेनेड-आईईडी मिलने से मचा हड़कंप

चंडीगढ़ हाइवे के पास झाड़ियों में मिले विस्फोटक को किया गया डिफ्यूज

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में एक बार फिर जिंदा बम मिलने से इलाके में सनसनी फ़ैल गई। ये हैंड ग्रेनेड अंबाला चंडीगढ़ हाईवे पर एमएम यूनिवर्सिटी के सामने खाली पड़े मैदान में झाड़ियों में पाए गए।

आस पास काम कर रहे मजदूरों ने इन बमों की सूचना पुलिस को दी तो आनन फानन में ही पुलिस अधिकारी और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया। छानबीन में यहां पर 3 जिंदा हैंड ग्रेनेड के साथ एक ढ्ढश्वष्ठ भी मिला है। बम डिफ्यूजल टीमों ने मौके पर पहुंच कर तीनों जिंदा हैंड ग्रेनेड को सावधानी पूर्वक डिफ्यूज किया।

एनआईए को दी गई सूचना

पुलिस इस जांच में जुटी है कि यह 3 जिंदा हैंड ग्रेनेड यहां पर कैसे पहुंचे। अंबाला एसपी जश्नदीप सिंह रंधावा ने बताया कि इस मामले की जांच हर एंगल से की जा रही है। एनआईए, सेंट्रल एजेंसियों को इस मामले की सूचना दी गई है।

उन्होंने कहा कि पूरी गहनता से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह बम और आईईडी यहां पर कहां से आए। उन्होंने कहा कि इस मामले में एक्सप्लोसिव एक्ट का मामला भी दर्ज किया गया है।

पुलिस को दूर से मिली सूचना

एसपी ने बताया कि कॉलेज के स्टाफ को यह बम कल शाम ही मिल गए थे। उन्होंने इस बात को भी माना इसके बारे में पुलिस को सूचना देर से मिली है। हाल ही में पंजाब में हुए चुनावों को लेकर भी उन्होंने इस मामले की जांच करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि बमों के साथ कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। जिनकी बारीकी से जांच से की जा रही है।

चीनी उत्पादन को एथेनॉल में बदलने की जरूरत : गडकरी

देश में हर साल आठ लाख करोड़ रुपए का पेट्रोल का आयात होता है

एजेंसी

नयी दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ ऊर्जा के लिए चीनी का उत्पादन कम करके एथेनॉल के उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है।

गडकरी ने रविवार को चीनी और एथेनॉल पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ ऊर्जा देश के खुशहाल भविष्य के लिए जरूरी है और इस दिशा में एथेनॉल अहम भूमिका निभाएगा इसलिए चीनी उत्पादन कम कर एथनॉल उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि देश में हर साल आठ लाख करोड रुपए का पेट्रोल का आयात होता है और अगले पांच साल में यह 25 लाख करोड़ रुपए के पार हो जाएगा। इससे न सिर्फ भारी खर्च होता है बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी नुकसानदायक हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने देश में फ्लेक्स इंजन बनाने के संबंध में टोयोटा और सुजुकी जैसे वाहन निर्माता कंपनियों से बात की है और उन्हें आश्वासन दिया गया है कि अगले छह माह में ये कंपनियां देश में फ्लेक्स इंजन वाले बाहर उतारेगी जिनमें जरूरत के हिसाब से पेट्रोल और एथेनॉल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस समय देश में 465 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हो रहा है जबकि देश की जरूरत 1500 करोड़ लीटर की है। इस बार अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की मांग इसलिए ज्यादा रही क्योंकि ब्राजील में सूखा पड़ा था। आने वाले समय में गन्ना उत्पादकों को अच्छी कीमत मिले इसके लिए एथेनॉल को बढ़ावा देने की जरूरत है।

शरद यादव ने एलजेडी का विलय आरजेडी में किया

तेजस्वी बोले- सभी समाजवादी एकजुट हो नफरत की राजनीति का खात्मा करें; नीतीश कुमार की कोई नीति नहीं

पटना। शरद यादव ने अपनी पार्टी (लोकतांत्रिक जनता दल) का विलय (राष्ट्रीय जनता दल) में रविवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कर दिया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि- शरद यादव ने जो निर्णय लिया है वह समय की मांग और जनता की मांग है। शरद जी लंबे समय से राजनीति करते रहे और सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई लड़ते रहे। अभी भी वे बिहार और देश की चिंता कर रहे हैं।

देश की संपत्ति बेची जा रही

तेजस्वी यादव ने कहा कि- पूरे देश में नफरत का वातावरण है। नफरत की राजनीति हो रही है। महंगाई चरम सीमा पर है।

देश की संपत्ति को बेचा जा रहा है। बड़ी-बड़ी संस्थाओं को पार्टी का सेल बनाया जा रहा है। महंगाई, किसान और बेरोजगारी को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं तो उन्हें कुचला जा रहा है। ऐसे समय में शरद यादव ने जो फैसला लिया है उससे हमारा हौसला बढ़ा है। आज देश में नफरत फैलाकर नए भारत की कल्पना की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब देर बहुत हो गई। सभी विपक्षी पार्टियों को मिलकर तैयारी करने की जरूरत है।

शरद यादव के समर्थकों से तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी पार्टी अब आप सब लोगों की पार्टी है। कार्यकर्ताओं से ही हमें ऊर्जा मिलती है। शरद यादव ने मेरे ऊपर काफी भरोसा जताया है। इस भरोसे को हम सबको मिलकर संभालना है।

ऐसा राजनीतिक सर्कस किसी ने इतिहास में नहीं देखा होगा

तेजस्वी ने कहा कि सभी समाजवादी लोगों को एकजुट हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में सरकार नहीं सर्कस चल रहा है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को क्या-क्या नहीं कहा। इतिहास में ऐसा पिक्चर किसी ने नहीं देखा होगा।

मुख्यमंत्री विशेष राज्य की मांग करते हैं और भाजपा के लोग कहते हैं विशेष राज्य के दर्जे की जरूरत ही नहीं है। आखिर नीतीश कुमार कैसी सरकार चला रहे हैं।

नीतीश के पास कोई नीति नहीं

तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव के समय 5-6 सीट पर मतगणना के समय इधर-उधर करके बिहार सरकार बना ली गई। कहा कि लालू प्रसाद यादव और शरद यादव ने मिलकर लंबा संघर्ष किया है। इनकी जीवनी लोगों को पढ़नी चाहिए। आज फिर से पुराने जनता दल का रूप हम लोगों के सामने आ रहा है। शरद यादव ने काफी निडरता दिखाई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास न तो कोई नीति है, न कोई सिद्धांत। वे कभी इधर रहते हैं कभी उधर रहते हैं।

बदायूं में ट्रैक्टर-बाइक भिड़ंत में दो की मौत

बदायूं। बदायूं के सहसवान कोतवाली इलाके में रविवार रात बाइक और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। इनमें किशोर भी शामिल है। जबकि किशोर की बड़ी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सहसवान-कछला मार्ग पर गांव बक्सर के पास का है। गांव कोतलनगला निवासी नीरज खेती किसानी करते हैं। उनकी खेती फिलहाल गांव का ही राजकुमार (26) पुत्र हरनंदन बतौर बटाईदार कर रहा है। रविवार रात नीरज के बेटे अभिनय (12) व बेटी निक्की (18) को किसी काम से सहसवान जाना था। ऐसे में राजकुमार दोनों को अपनी बाइक से सहसवान ले जा रहे थे। तभी रास्ते में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे के बाद राहगीरों ने आनन-फानन में सभी को सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने अभिनय और राजकुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि निक्की की हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे की खबर पर परिजनों समेत गांव के तमाम लोग कोतवाली जा पहुंचे।

प्रयागराज में टैक्सी और तेज रफ्तार कार की भिड़ंत में महिला समेत 3 की मौत, 4 घायल

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार को कार और टैक्सी की भिड़ंत में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घायलों को पास के स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जहां डॉक्टरों की टीम घायलों का इलाज कर रही है। यह घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के रेरुआ चौराहे के पास की है। नवाबगंज के मुनौवरपुर निवासी शीलू मिश्रा अपनी मां देवमती पत्नी दिलीप मिश्रा के साथ एक टैक्सी से प्रयागराज से घर लौटी रही थी। उसी टैक्सी में प्रतापगढ़ के श्याम नारायण मिश्रा सहित कुल सात लोग सवार थे। इस दौरान रेरूआ चौराहे के पास लखनऊ से आ रही तेज रफ्तार कार की टैक्सी से भिड़ंत हो गई। हादसे में शीलू मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हादसे में शीलू की मां देवमती (60 वर्ष) पत्नी दिलीप मिश्रा, टैक्सी चालक 36 वर्ष, श्याम नारायण मिश्रा 55 वर्ष पुत्र इन्द्रपाल, भारत गौतम पुत्र जगेसर निवासी मानिकपुर प्रतापगढ़, भारत की पत्नी राजपति, एक अन्य महिला रीता देवी घायल हो गए।

देश में कोरोना के 1,761 नये मामले, 127 की मौत

देश में कोरोना रोगियों की संख्या 26 हजार 240 रह गयी है

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस महामारी के मामलों में लगातार कमी आ रही है। इस बीच पिछले 24 घंटे 1,761 नये मामले सामने आए है और 127 मरीजों की मौत हुई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि कल सुबह सात बजे तक 181 करोड़ 21 लाख 11 हजार 675 कोविड टीके दिये जा चुके हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 761 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 26 हजार 240 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.06 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.41 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में तीन हजार 196 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 65 हजार 122 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 31 हजार 973 कोविड परीक्षण किए गये, इसके साथ ही अभी तक कुल 78 करोड़ 26 लाख 60 हजार 658 कोविड परीक्षण किए हैं।

पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से 127 मरीजों की मृत्यु हुई है और मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत पर बरकरार है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामले 314 घटकर 6975 हो गये। वहीं 915 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6452264 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 67315 हो गया है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 155 घटकर 5529 रह गए हैं। इस दौरान राज्य में 251 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7723005 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 143766 पर पहुंच गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले घटकर 2073 रह गये है। इस दौरान 153 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3902497 हो गई है। वहीं राज्य में दो और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 40035 हो गया है।

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में सक्रिय मामले 233 घटकर 1894 रह गए हैं और कोरोना मुक्त होने वालों की कुल संख्या 220014 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 675 हो गया है।

कोविड टीकाकरण में 181.21 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 181.21 करोड से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 181 करोड़ 21 लाख 11 हजार 675 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के एक हजार 761 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 26 हजार 240 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.06 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.41 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में तीन हजार 196 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 24 लाख 65 हजार 122 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में चार लाख 31 हजार 973 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 78 करोड़ 26 लाख 60 हजार 658 कोविड परीक्षण किए हैं।

कोरोना का डर

मेघालय में कोरोना के डर से अस्पताल नहीं गईं गर्भवती महिलाएं

877 शिशुओं और 61 माताओं की घर पर हुई मौत

शिलांग। मेघालय में कोविड-19 महामारी के दौरान संक्रमण के डर से अस्पतालों में प्रसव कराने से महिलाओं के इनकार के चलते 877 नवजात शिशुओं और 61 माताओं की मौत हो गई। संक्रमण फैलने के डर से गर्भवती महिलाओं ने अस्पतालों में भर्ती होने से इनकार कर दिया था। मेघालय सरकार ने यह जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को दी है।

मेघालय सरकार ने एनएचआरसी को सौंपी गई अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में इसका कारण बताया है। एनएचआरसी ने हाल ही में मेघालय में अधिक संख्या में नवजात शिशुओं और प्रसूताओं की मौत दर्ज की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि नवजात शिशुओं की मौत के कारणों की जांच से पता चला है कि ये मौतें चिकित्सकीय सुविधा के अभाव और देखभाल की कमी के कारण हुईं, क्योंकि गर्भवती महिलाओं ने कोरोना वायरस संक्रमण के डर से स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती होने से खुद ही इनकार किया था और कोविड-19 जांच कराने से भी मना कर दिया था।

स्वास्थ्य केंद्रों से दूर रहीं गर्भवती महिलाएं

रिपोर्ट के मुताबिक जिस समय ये मौतें हुईं, उस समय कोविड-19 और गैर-कोविड-19 मरीजों को अलग-अलग रखना जरूरी था। इसलिए बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए मरीजों की कोविड-19 जांच की जा रही थी।

गर्भवती महिलाएं भले ही स्वास्थ्य केंद्रों से दूर रहीं, लेकिन एएनएम और आशा कर्मचारी नियमित रूप से उनके घर में जा करके उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही थीं। साथ ही उनसे प्रसव के लिए अस्पताल आने की अपील कर रही थीं। राज्य सरकार ने कहा कि उसने मामले का संज्ञान लेते हुए %बचाव अभियान% शुरू किया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को ट्रैक किया गया और उनमें से किसी को भी घर पर प्रसव की इजाजत नहीं दी गई। साथ ही उन्हें नियत तारीख से कम से कम दो सप्ताह पहले अस्पतालों में भर्ती होने के लिए कहा गया। राज्य प्रशासन ने कहा कि महामारी के अलावा अनसुलझे सामाजिक-आर्थिक कारणों से भी मातृ व शिशु मृत्यु की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई।

शार्ट न्यूज

तेलंगाना में शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने पर झड़प, इलाके में धारा 144 लागू

हैदराबाद। तेलंगाना के निजामाबाद जिले के बोधन शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने को लेकर दो राजनीतिक गुटों के सदस्यों के बीच झड़प के बाद धारा 144 लागू कर दी गई है। स्थानीय भाजपा सांसद ने कहा कि बोधन शहर के अंबेडकर चौराहे पर छत्रपति शिवाजी की एक प्रतिमा लगाने की योजना थी, जिसकी सीमा महाराष्ट्र से लगती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम और टीआरएस कार्यकर्ताओं ने मूर्ति की स्थापना का विरोध करते हुए आपत्ति जताई और बीच में आने की कोशिश की। मामले ने हिंसक रूप ले लिया और एआईएमआईएम और टीआरएस समर्थकों ने बीजेपी और शिवसेना कार्यकर्ताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए निषेधाज्ञा(धारा 144) लागू की गई है। पुलिस हाथापाई में शामिल दोनों गुटों से बात कर मामले को सुलझाने की कोशिश कर रही है।

कश्मीर में पकड़े गए तीन तस्कर

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में रविवार को पुलिस ने तीन ड्रग तस्करों का भंडाफोड़ करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया और इसी के साथ उनके पास से नशीला पदार्थ भी जब्त किया है। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के मैदानपोरा लोलाब निवासी अब्दुल राशिद खान के पुत्र हिलाल राशिद खान को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पीएसए के तहत हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा, हिलाल राशिद खान नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ ही पुलिस स्टेशन लालबोरा कुपवाड़ा के अधिकार क्षेत्र में कुछ आपराधिक मामलों में भी संलिप्त पाया गया। उसके आपराधिक कार्यों की वजह से क्षेत्र की आम जनता में खौफ पैदा हुआ है। इस बीच, पुलिस ने कहा कि एक विशेष सूचना के आधार पर उनकी टीम ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट के साथ भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास बुम्हामा में नाकाबंदी की, जिसके बाद तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से 200 ग्राम चरस सहित नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इस पूरे मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने कहा कि आगे कुछ और तस्करों के पकड़े जाने की संभावना है। पुलिस ने ट्वीट किया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के कंडी निवासी हबीबुल्लाह राथर के पुत्र आशिक अहमद राथर और मराट गाम निवासी वसीम अहमद कबू को चरस और ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया जबकि मैदानपोरा लोलाब के एक अन्य तस्कर हिलाल राशिद खान को पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया।

कश्मीर : घायल पुलिसकर्मी की मौत

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा कस्बे में एक अज्ञात वाहन की टक्कर में हाल ही में गंभीर रुप से घायल एक पुलिसकर्मी की रविवार को मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पुलिसकर्मी की पहचान हंगा मावर निवासी खुर्शीद अहमद मलिक के रूप में हुई। उसे कश्मीर में जिला कुपवाड़ा के क्रालगुंड इलाके में 18 मार्च को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मर दी थी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। खुर्शीद को श्रीनगर के श्री महाराजा हरि सिंह (एसएमएचएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। एक अन्य घटना में बारामूला जिले के बटपोरा में एचटी तार की मरम्मत कर रहे बिजली विकास विभाग (पीडीडी) का एक मजदूर गंभीर रुप से घायल हो गया था। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां आज उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान कुंजर निवासी वसीम अहमद मीर के रूप में हुई है।

कर्नाटक में कोलार घंटाघर पर इस्लामिक झंडा की जगह फहराया तिरंगा ध्वज

कोलार। कर्नाटक के कोलार में स्थित घंटाघर पर 74 साल के इंतजार के बाद इस्लामिक झंडे की जगह तिरंगा ध्वज फहराया दिया गया है। जिला के अधिकारियों द्वारा इस्लामिक झंडे को हटाने और कड़ी सुरक्षा के बीच उनकी जगह राष्ट्रीय ध्वज को लगाए जाने के बाद शहर में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। कोई अप्रिय घटना हालांकि घटित नहीं हुई। कोलार के पुलिस अधीक्षक डी देवराजू स्थिति पर नजर रख रहे हैं। कोलार से लोकसभा सांसद एस. मुनिस्वामी काफी समय से घंटाघर पर इस्लामिक झंडे को हटाने और तिरंगा फहराए जाने की मांग कर रहे थे। उन्होंने शुक्रवार को घंटाघर पर तिरंगा फहराने से रोके जाने पर जिला अधिकारियों को चुनौती देते हुए धरना दिया था। श्री मुनिस्वामी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा था कि घंटाघर पर लहरा रहे इस्लामिक झंडा को हटाकर वहां पर तिरंगा ध्वज फहराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले सात दशक से ज्यादा समय पहले टावर को हरे रंग में रंगा गया था। अब इसे सफेद रंग में रंग दिया गया है। घंटाघर का निर्माण मुस्तफा साहब नामक एक व्यापारी ने 1930 में करवाया था।

कार खाई में गिरी, युवक की मौत, दो घायल

मंडी। हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के जोगिन्दरनगर में एक कार के खाई में गिरने से एक युवक की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार यह हादसा शनिवार की रात स्यूरी गांव में हुआ। कार में छह युवक घूमने आये हुए थे। घायलों को जोगिंदरनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां कांगड़ा के मयोट गांव निवासी लक्की (21) की मौत हो गई और अन्य दो को टांडा मेडिकल कॉलेज कॉलेज भेजा गया है।

राजस्थान में रविवार को कोरोना के 32 नये मामले सामने आए

जयपुर। राजस्थान में कोरोना के रविवार को 32 नये मामले सामने आए।चिकित्सा विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में इनमें 13 की वृद्धि हुई। नये मामलों में सर्वाधिक 18 नये मामले जयपुर जिले में सामने आए जबकि जोधपुर एवं बीकानेर में तीन-तीन, उदयपुर एवं अजमेर में दो-दो तथा बारां, भरतपुर, चुरू एवं टोंक में एक-एक नये मामले सामने आए। नये मामलों के बाद राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर अब तक 12 लाख 82 हजार 631 हो गई। प्रदेश में 93 मरीजों के और स्वस्थ होने से अब तक 12 लाख 72 हजार 668 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और सक्रिय मरीजों की संख्या भी गिरकर 412 पर आ गई। इनमें सर्वाधिक 183 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में है जबकि जोधपुर जिले में 54, उदयपुर में 29 एवं हनुमानगढ़ में 23 सक्रिय मरीज हैं तथा कई जिलों में इससे कम सक्रिय मरीज हैं जबकि बूंदी, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, झालावाड़, जैसलमेर, बाड़मेर, भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ में एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। प्रदेश में कोरोना से अब तक 9551 मौत हो चुकी है।

जयपुर रेल मंडल प्रबंधक ने किया किशनगढ़ रेलवे स्टेशन का दौरा

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के किशनगढ़ रेलवे स्टेशन का आज जयपुर रेल मंडल प्रबंधक नरेन्द्र कुमार ने दौरा किया। रेल मंडल प्रबंधक नरेन्द्रकुमार ने किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर निरीक्षण किया। उन्होंने वहां प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो पर अधिकारियों के साथ एस्केलेटर अथवा लिफ्ट लगाये जाने को लेकर स्थान का निरीक्षण कर आवश्यक चर्चा भी की। उन्होंने स्टेशन पर दिखी कमियों को लेकर अधिकारियों की क्लास भी लगाई। उल्लेखनीय है कि अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी अनेकों बार किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की मांग कर चुके है। हाल ही में अजमेर में उत्तरपश्चिमी रेलवे राजस्थान के महाप्रबंधक विजय शर्मा के समक्ष भी किशनगढ़ के लिए मांग रखी थी। माना जा रहा है कि चौधरी की मांग पर ही आज जयपुर डीआरएम का किशनगढ़ दौरा हुआ है। श्री चौधरी ने किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार क्रम में दिव्यांग, विकलांग, बीमार तथा बुजुर्गों के लिए एस्केलेटर अथवा लिफ्ट की पुरजोर मांग की थी। याद रहे अजमेर के किशनगढ़ का रेलवे स्टेशन जयपुर रेल मंडल के अधीन है।

8 से 16 सप्ताह के बीच दी जा सकती है कोविशील्ड वैक्सीन की दूसरी खुराक

नई दिल्ली। भारत में चल रहे टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह ने कोविड-19 टीके कोविशील्ड की दूसरी खुराक पहली खुराक के 8 से 16 सप्ताह के बीच देने की सिफारिश की है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। फिलहाल कोविशील्ड की दूसरी खुराक पहली खुराक के 12-16 सप्ताह के बीच दी जाती है।

टीकाकरण पर एनटीएजीआई ने अभी तक भारत बायोटेक के कोवैक्सीन की खुराक देने की अवधि

में कोई बदलाव का सुझाव नहीं दिया है, जिसकी दूसरी खुराक पहली खुराक के 28 दिन बाद दी जाती है। कोविशील्ड के बारे में सिफारिश को अभी तक राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम में लागू नहीं किया गया है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, %एनटीएजीआई की नवीनतम सिफारिश प्रोग्रामेटिक डेटा से प्राप्त हालिया वैश्विक वैज्ञानिक साक्ष्य पर आधारित है।%

सूत्र ने कहा, इसके अनुसार, जब कोविशील्ड की दूसरी खुराक आठ सप्ताह बाद दी जाती है तो उत्पन्न एंटीबॉडी प्रतिक्रिया लगभग 12 से 16 सप्ताह के अंतराल पर खुराक दिए जाने के समान होती है। सूत्र ने कहा कि कई देशों में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच इस निर्णय से शेष छह से सात करोड़ लोगों को कोविशील्ड की दूसरी खुराक मिल जाएगी।

सरकार ने 13 मई 2021 को एनटीएजीआई की सिफारिशों के आधार पर कोविशील्ड टीके की पहली और दूसरी खुराक के बीच के अंतर को 6-8 सप्ताह से बढ़ाकर 12-16 सप्ताह कर दिया था। एनटीएजीआई देश में टीके से रोकथाम योग्य बीमारियों के प्रभावी नियंत्रण के संबंध में टीकाकरण सेवाओं पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करता है।

रंग-उमंग के त्योहार में संकल्प लें प्राकृतिक रंग और जैविक कृषि का : आर के सिन्हा

रांची। पूर्व राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ भाजपा नेता आर.के.सिन्हा ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की समाप्ति वास्तव में भगवान का वरदान और अमूल्य उपहार है लेकिन हमें अपनी क्षमता को आंककर इस अवसर का सदुपयोग करना होगा। रांची रिवोल्ट जनमंच, मैदान बचाओ संघर्ष समिति एवं मोरहाबादी होली मिलन समिति के तत्वावधान में नॉर्थ मोराबादी में आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने सम्बोधन में श्री सिन्हा ने कहा कि, अब तेजी से समाज और राष्ट्र की उन्नति में जुटने का समय है और हम सभी को अपनी भूमिका का सटीक निर्वहन करना होगा। सिन्हा ने कहा कि कोविड काल में अपने बेहतर स्वास्थ्य का महत्व सभी जान चुके हैं और अच्छी सेहत और उत्कृष्ट अर्थव्यवस्था के लिये आज जैविक कृषि समय की जरुरत है। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक कृषि के तहत, ज्यादा-से-ज्यादा किसानों को जैविक खाद के प्रयोग एवं जैविक तकनीक से कृषि करनी चाहिये जिससे भूमि की उर्वरा क्षमता बनी रहे। साथ ही उन्नत किस्म की फसलें भी हो। इस समारोह में विशिष्ट अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा की वरिष्ठ नेता महुआ मांझी ने होली को सामाजिक सौहार्द बढ़ाने एवं समाज में समरसता लाने का त्योहार बताया। विशिष्ट अतिथि रांची के उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय ने जीवन के रंगों की तरह होली के सभी रंगो के जीवन में अच्छे प्रभाव पड़ने की बात कही।

पंजाब को 'खुद मुख्तियार' मुख्यमंत्री चाहिए, कठपुतली नहीं : जाखड़

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार के शनिवार को हुए मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण समारोह में पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल समेत वरिष्ठ नेताओं की अनुपस्थिति को लेकर कांग्रेस नेता सुनिल जाखड़ ने कहा है कि यह एक तरह से अच्छा ही है क्योंकि पंजाब को 'खुद मुख्तियार' मुख्यमंत्री चाहिए कठपुतली नहीं।

जाखड़ ने मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह की एक तस्वीर के साथ ट्वीट किया,ऐसा लगता है कि श्री भगवंत मान दिल्ली में राजनीतिक आकाओं की नापसंदगी की परवाह किये बिना उनकी परछाई से निकल आये हैं, जो पार्टी प्रमुख (अरविंद केजरीवाल) तो छोड़िये, दो राज-प्रतिनिधि (संभवत- राघव चड्ढा और मनीष सिसोदिया) की अनुपस्थिति समझा देता है। उन्होंने आगे लिखा है,यह अच्छा है, क्योंकि पंजाब को 'खुद मुख्तियार' मुख्यमंत्री चाहिए, रिमोट कंट्रोल से चलने वाला नहीं।

मान के दस सदस्यीय मंत्रिमंडल ने कल शपथ ली थी जिनमें डॉ. हरपाल सिंह चीमा और मीत हेयर जैसे विधायक शामिल हैं।

बीजेपी विधायक दल की बैठक में फैसला

मणिपुर: दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे एन बीरेन सिंह

नई दिल्ली। मणिपुर में नई सरकार के लिए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो गया है। रविवार को इंफाल में मणिपुर बीजेपी विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया है। शनिवार देर रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिल्ली स्थित बंगले पर बीजेपी नेताओं की एक बैठक हुई थी। इस बैठक में जेपी नड्डा के अलावा एन बीरेन सिंह भी शामिल हुए थे। इस बैठक के बाद से ही कयास लगाए जा रहे थे कि मणिपुर में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान जल्द हो

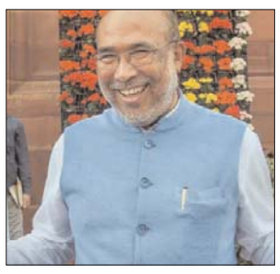

सकता है। बता दें कि 10 मार्च को मणिपुर विधानसभा के नतीजे घोषित होने के बाद से भाजपा अभी तक मुख्यमंत्री के नाम का एलान नहीं कर पाई थी। बीजेपी उग्रवाद प्रभावित मणिपुर के 60 सदस्यीय विधानसभा में 32 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी है।

बीजेपी 2017 में कांग्रेस की 28 सीटों की तुलना में सिर्फ 21 सीटें होने के बावजूद दो स्थानीय दलों- एनपीपी और एनपीएफ के साथ हाथ मिलाकर सरकार बनाने में सफल रही थी। हालांकि, इस बार, भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ा और बहुमत हासिल करने में कामयाब रही। भाजपा का चुनावी मुद्दा यह था कि पार्टी को दिया गया वोट अशांत राज्य में शांति लाएगा। मणिपुर में बीजेपी विधायक दल की बैठक में शामिल होने के लिए बीजेपी केंद्रीय पर्यवेक्षक निर्मला सीतारमण और किरेन रिजिजू और पार्टी नेता भूपेंद्र यादव इम्फाल पहुंचे हुए हैं। बीरेन सिंह को विधायक दल का नेता चुने जाने पर सीतारमण ने कहा कि ये बहुत ही अच्छा निर्णय है, ये सुनिश्चित करेगा कि मणिपुर में एक स्थिर और जिम्मेदार सरकार हो जो आगे निर्माण करेगी क्योंकि केंद्र पीएम मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष ध्यान देता है।

गोवा में प्रमोद सावंत की ताजपोशी लगभग तय, 24 मार्च को ले सकते हैं सीएम पद की शपथ

पणजी। भाजपा सूत्रों का कहना है कि प्रमोद सावंत को एक बार फिर गोवा की गद्दी मिल सकती है। माना जा रहा है सावंत को प्रादेशिक चुनाव में कांटे की टक्कर के बाद जीत का तोहफा मिल सकता है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि प्रमोद सावंत आगामी 24 मार्च को गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। भाजपा विधायक दल की बैठक सोमवार को निर्धारित की गई है।

गोवा के कार्यवाहक सीएम प्रमोद सावंत ने हालांकि यह खुलकर नहीं बताया कि वे ही सूबे के अगले मुख्यमंत्री होंगे।

लेकिन इतना जरूर कहा कि वो कल दिल्ली गए थे, भाजपा के पर्यवेक्षक कल (सोमवार) को यहां विधायक दल की

बैठक के लिए आएंगे। शपथ ग्रहण समारोह के बारे में भी फैसला कल शाम को लिया जाएगा।

खबरों की मानें तो एक दिन पहले सावंत ने अपनी पार्टी के सहयोगी विश्वजीत राणे के साथ नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। सूत्रों का कहना है कि राणे ने मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि राणे ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, बैठक गोवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर थी।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री सावंत, राणे और शाह के बीच बैठक गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 20 सीटें जीतने के कुछ दिनों बाद हुई है। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) के दो विधायकों और तीन निर्दलीय विधायक भाजपा के साथ प्रदेश की सरकार बनाने को सहमत हुए हैं।

गौरतलब है कि गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 33.3 प्रतिशत वोट शेयर के साथ जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस ने 23.46 प्रतिशत वोट हासिल किया, जो राज्य में 2017 की तुलना में लगभग 5 प्रतिशत कम है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में गौठानों की अहम भूमिका : भूपेश

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में गौठानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।गौठानों को ग्रामीण आजीविका के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। बघेल आज यहां जिला मुख्यालय पर आयोजित बलौदाबाजार राज कुर्मी क्षत्रिय समाज के अधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर मोपका कॉलेज का नामकरण स्व.रामनाथ वर्मा के नाम पर करने और तिल्दाबांधा में पेयजल के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की घोषणा की। कार्यक्रम में उन्होंने 23 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समाज की ओर से सम्मानित भी किया। इस दौरान उन्होंने पुष्पा वर्मा द्वारा लिखित चित्रोत्पला प्रेमदीप पुस्तक का भी विमोचन किया।

उन्होने अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि कुर्मी समाज प्रगतिशील समाज है। समाज में व्याप्त विभिन्न विसंगतियों को दूर करने सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं। किसी भी समाज में परिवर्तन के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है। बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करने में राज्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गए हैं। हमें केवल सरकारी नौकरी में ध्यान नहीं देना है,व्यवसाय के तरफ लोगों को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार छत्तीसगढ़िया के अस्मिता को जगाने एवं छत्तीसगढी संस्कृति को बचाने लगातार कार्य कर रही है।स्थानीय तीज त्योहार और खान-पान बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लोगों में गर्व की अनुभूति हो।

श्री बघेल ने कहा कि गांव की परंपरा को पुनर्जीवित करने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। योजनाओं को चलाने के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सभी गौठानों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क बनाया जाएगा गांधी जी के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

उत्तराखंड में सोमवार को चुना जायेगा नया मुख्यमंत्री

देहरादून। उत्तराखंड में हाल में सम्पन्न आम विधानसभा चुनावों में बहुमत प्राप्त करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की बैठक अब सोमवार को पार्टी मुख्यालय में होगी। इस बैठक में विधान मंडल दल के नेता अर्थात राज्य के 12वें मुख्यमंत्री का चयन होगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक की ओर से मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने रविवार देर शाम यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कल अपराह्न 04:30 बजे आयोजित हो रही इस बैठक मे सभी विधायक मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षक वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी विधायकों के साथ मुख्यमंत्री के चयन के लिये विचार-विमर्श करेंगे। उन्होंने बताया कि सभी विधायकों को बैठक मे उपस्थित रहने की सूचना दे दी गई है। इस बीच राज्यपाल सरदार गुरमीत सिंह के प्रमुख सचिव हीरा सिंह बोनाल ने दो अलग-अलग विज्ञप्ति जारी की। जिनके अनुसार, प्रोटेम स्पीकर के रूप में राज्य के सबसे वरिष्ठ विधायक वंशीधर भगत को राज्यपाल सोमवार पूर्वाह्न 10 बजे राजभवन में पद की शपथ दिलाएंगे। दूसरी विज्ञप्ति में श्री बोनाल ने जानकारी दी है कि पूर्वाह्न 11 बजे प्रोटेम स्पीकर श्री भगत विधानसभा परिसर में सभी नवनिर्वाचित 70 विधानसभा सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

मानवाधिकार आयोग ने किया जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन पर मामला दर्ज

पुरी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने ओडिशा के पुरी के जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन के खिलाफ श्रद्धालुओं को बिना किसी सुविधा के कड़ी धूप में लंबी कतारों में खड़ा रखने के लिए मामला दर्ज किया है।

पुरी विकास परिषद के अध्यक्ष जगन्नाथ बस्तिया की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया है।

बस्तिया ने अपनी शिकायत में कहा है कि मंदिर प्रबंधन की लापरवाही की वजह से हर दिन लाखों श्रद्धालुओं को जगन्नाथ मंदिर में दर्शन करने से पहले कष्ट भोगना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर प्रबंधन श्रद्धालुओं की आसानी के लिए बहुत कम सुविधाएं प्रदान करता है और ज्यादातर श्रद्धालुओं को श्री मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए घंटों तक तपते सूरज के नीचे खड़े रहना पड़ता है।

अपनी याचिका में श्री बस्तिया ने कहा कि मंदिर प्रबंधन, जिला प्रबंधन और नगर पालिका में से किसी ने भी श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए अस्थायी छत का इंतेजाम नहीं किया है जबकि कई बार मंदिर की पंक्तियां 1.5 किमी तक लंबी हो जाती हैं।

इसके अलावा, पंक्तियों में खड़े श्रद्धालुओं को पीने का पानी भी नहीं मिलता। भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और उनकी बहन देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए मंदिर आए वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और बुजुर्ग महिलाओं के लिए भी बहुत कम तैयारियां थीं।

उन्होंने मंदिर के अंदर जगमोहन और नतमंडप क्षेत्रों के पास किसी तरह के नियामक ढांचे के अभाव की भी शिकायत की।

उन्होंने कहा कि इसके कारण देवों के दर्शन करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। कई सेवक श्रद्धालुओं से दान लेने के लिए देवों के सामने खड़े रहते हैं जिससे दर्शन में समस्या आती है। श्री बस्तिया ने कहा कि श्रीमंदिर में जेबकतरी, गहने झपटने और बद्तमीजी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं जबकि प्रबंधन इन समस्याओं की तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। गत 18 मार्च को यहां धूप में घंटों से खड़े श्रद्धालु अचानक मंदिर के मुख्य द्वार (सिंहाद्वार) की तरफ बढ़े थे जिसके कारण भगदड़ जैसी स्थित हो गई थी। इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

श्रीमंदिर प्रशासन ने काले रंग के बड़ा डंडा से गर्मी कम करने के लिए श्रद्धालुओं के लिए सड़क पर कालीन बिछा दिए हैं।

छाया के लिए अस्थायी छत मुख्य द्वार से केवल सौ मीटर की दूरी तक है, जो 1.5 किमी लंबी कतार में खड़े श्रद्धालुओं को छांव प्रदान करने के लिए लंबाई में बहुत छोटा है।

जिला कलेक्टर समर्थ वर्मा और पुलिस अधीक्षक के विशाल सिंह ने हालांकि, तीर्थयात्रियों की मुश्किलों को जल्द से जल्द दूर करने का आश्वासन दिया है।

भगत सिंह की असली तस्वीरों का प्रयोग क्यों नहीं कर रही आप सरकार?

चंडीगढ़। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनने के साथ ही शहीद भगत सिंह की तस्वीर को लेकर विवाद छिड़ गया है और परिजनों व शोध करने वाले विद्वानों की मांग है कि भगत सिंह की असली तस्वीरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

आप ने चुनाव प्रचार के दौरान भी और चुनाव जीतने के बाद भी भगत सिंह के नाम को 'भुनाने' की कोशिश की है और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के भाषणों के अलावा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के भगत सिंह की तस्वीर मुख्यमंत्री कार्यालय में लगाने व 'भ्रष्टाचार विरोधी' हेल्पलाइन (जो श्री मान का निजी व्हाट्सएप नंबर होगा) को भगत सिंह के शहीदी दिवस पर शुरू करने की घोषणाएं भी की गई हैं। इनमें भगत सिंह की तस्वीर को लेकर विवाद छिड़ गया है।

प्रोफेसर चमन लाल ने भगत सिंह

के भतीजे शेयोणाण सिंह (वीर चक्र पुरस्कार प्राप्त) की एक पोस्ट का हवाला दिया है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह भगत सिंह की दो सच्ची तस्वीरें, एक सफेद पगड़ी में और एक हैट पहने, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को देने गये थे ताकि सरकारी कार्यालयों आदि में भगत सिंह की सच्ची तस्वीरें ही लगाई जाएं। लेकिन मुख्यमंत्री या किसी और ने उनसे न मिलने की जरूरत समझी न उनका जिक्र करना जरूरी समझा।

उन्होंने मुख्यमंत्री के कार्यालय में भगत सिंह की तस्वीर के संदर्भ में कहा कि यह भगत सिंह के परिवार और उनके सच्चे अनुयाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है।

उन्होंने यह भी बताया कि वह श्री भगवंत मान के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में शरीक हुए थे जो मौके की गंभीरता से अछूता था और 'तमाशे' जैसा था।

आयोजन, प्रशासन कमजोर था क्योंकि यदि उद्देश्य एक महान शहीद के बलिदान और जीवन का सम्मान करना था तो वैसा नहीं हो पाया। जो थोड़े परिजन वहां परिवार का प्रतिनिधित्व करने का फर्ज निभाने के उद्देश्य से वहां गये, राजनीतिकों, प्रशासन और मीडिया ने उनकी पूरी तरह उपेक्षा की। ऐसा लगा कि यह कच्ची भावुक इच्छा थी जो सही तरीके से अंजाम दी गई।

इतिहासकार प्रोफेसर चमन लाल के ब्लॉग भगत सिंह स्टडी पर कल डाली एक पोस्ट के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय में लगाई गई भगत सिंह की तस्वीर, जिसमें पीली पगड़ी पहने दिखाया गया है, वास्तविक तस्वीर नहीं है। उनके अनुसार भगत सिंह की चार ही मूल तस्वीरें उपलब्ध हैं। इनमें एक तस्वीर उनके बालपन (11 साल की उम्र) की है और जिसमें वह कुर्ता-पाजामा व सफेद रंग की पगड़ी में कुर्सी पर बैठे हैं।

दूसरी तस्वीर नेशनल कॉलेज के एक ग्रुप फोटो से है, इसमें भगत सिंह पीछे की कतार में सफेद कुर्ता-पजामा व सफेद पगड़ी के साथ नजर आ रहे हैं, ग्रुप फोटो से निकाली अकेले भगत सिंह की यह तस्वीर काफी लोकप्रिय है।

तीसरी तस्वीर पुलिस हिरासत में ली गई थी जिसमें उनसे पूछताछ की जा रही है और वह बिस्तर पर बैठे हैं, उनके बाल खुले हुए हैं और चौथी तस्वीर चार अप्रैल 1929 को पुलिस के हायर किये एक फोटोग्राफर ने नकारात्मक जुड़ाव के कारण ली थी और बाद में लाहौर षड्यंत्र मामले में इसकी गवाही भी दी थी।

इन चार वास्तविक तस्वीरों के अलावा आम जनता और कलाकारों ने भगत सिंह के कई काल्पनिक चित्र बनाए हैं। पीली पगड़ी वाला चित्र भी एक कलाकार ने बनाया है, इस गीत पर आधारित है - मेरे रंग का बसंती छोला मैं... लेकिन भगत सिंह ने जीवन भर पीली पगड़ी नहीं पहनी। हाँ, कुछ समय के लिए ननकाना साहिब हत्याकांड के दौरान या जैतो मोर्चा के दौरान, उन्होंने विरोध में काली पगड़ी पहनी होगी, जैसा कि हिंदी लेखक यशपाल द्वारा प्रमाणित किया गया है, जो स्कूल और कॉलेज दोनों में भगत सिंह के सहपाठी थे।

इसी ब्लॉग में बताया गया है कि अमरजीत चंदन के अनुसार, 1975 में अमर सिंह नाम के एक चित्रकार ने पीले या वसंती रंग वाली पगड़ी वाला एक चित्र बनाया था, जो बिना पेंटर के नाम के ही इतना लोकप्रिय हो गया कि केंद्र से लेकर राज्य सरकारों ने विज्ञापनों में हैट वाले मूल चित्र के बजाय उपयोग करना शुरू कर दिया। वैसे कलाकारों ने भगत सिंह की सैकड़ों पेंटिंग बनाई हैं।

ब्लॉग के अनुसार तथ्य यह है कि सरकारी कार्यालयों और विज्ञापनों में पूरी दुनिया में ऐतिहासिक हस्तियों की केवल कैमरा से लिये गये चित्रों का इस्तेमाल किया जाता है और यह उचित भी है।

उन्होंने कहा है कि इसलिए अगर कोई सरकार भगत सिंह की तस्वीर को दफ्तरों या विज्ञापनों में इस्तेमाल करना चाहती है तो नैतिक और कानूनी तौर पर असली तस्वीर का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और भगत सिंह के परिवार और उन पर शोध करने वाले विद्वान भी लंबे समय से ऐसी मांग कर रहे हैं।

शार्ट न्यूज

पिकअप गाड़ी पलटने से बड़ा हादसा, तीन महिलाओं की मौत, 11 महिलाएं घायल

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले में एक पिकअप जीप के पलट जाने से उसमें सवार तीन महिलाओं की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराने के साथ ही मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने रविवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दुर्घटना शनिवार को नारनौंद में हिसार-जींद मार्ग पर हुई। पुलिस ने बताया कि हिसार के राजथल गांव की 14 महिलाओं का ग्रुप पिकअप जीप से भिवानी के सैनीवास गांव गया था। जब वे वापस लौट रही थीं तभी अचानक नारनौंद में उनकी जीप के सामने एक आवारा पशु आ गया। पुलिस ने बाताया कि चालक ने पशु को बचाने की कोशिश में वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जो सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराया। इस हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान वीरमती मान (57), कृष्णा (65) और रानी पंडित (47) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए हांसी और हिसार के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। घायलों में जीप चालक भी शामिल है। पुलिस ने मृतक महिलाओं के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतकों और घायलों के परिवारों को भी हादसे के बारे में सूचना दे दी है।

दुकान सामने स्मैक बेचने पर दोस्त की थी हत्या

फरीदाबाद। अपराध जांच शाखा, डीएलएफ ने एसजीएम नगर निवासी युवक की हत्या के आरोप में एक दुकानदार समेत दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि मना करने के बावजूद युवक दुकान के सामने स्मैक बेच रहा था। इससे गुस्सा होकर दुकानदार ने अपने साथी के साथ मिलकर उसकी लाठी-डंडों से हमला कर युवक की हत्या कर दी थी। दोनों को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान एसजीएम नगर निवासी नवीन और फारुख के रूप में हुई है। एसजीएम नगर निवासी दीपक की एसजीएम नगर में दुकान चलाने वाले नवीन से दोस्ती थी। 13 मार्च की शाम दीपक अपने घर से दोस्त नवीन से मिलने के लिए कहकर निकला था। देर रात तक वह आपस घर नहीं लौटा था। अगले दिन सुबह दीपक का शव नवीन के यहां पड़ा मिला था। इसके बाद पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर नवीन और उसके भाई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया था। अपराध जांच शाखा ने हत्या के आरोप में नवीन को गिरफ्तार कर लिया। नवीन के खुलासे पर पुलिस ने उसके दोस्त फारुख को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपी फारुख को न्यायिक हिरासत में नीमका जेल भेज दिया है, जबकि आरोपी नवीन को तीन दिन के पुलिस रिमांड लिया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि दीपक उसका दोस्त था, परंतु वह उसकी परचून की दुकान के बाहर स्मैक बेचता था। इस वजह से लोग उन पर भी दीपक से मिलीभगत कर स्मैक बेचने का आरोप लगाने लगे थे। दीपक को कई बार स्मैक न बेचने के समझाया था, लेकिन वह उसकी बात को मानता नहीं मानता था। इस वजह से समाज में छवि खराब हो रही थी। इसी से गुस्सा होकर उन्होंने दीपक पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया था। इससे उसकी मौत हो गई थी। अपराध जांच शाखा प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि मामले की वैज्ञानिक पहलुओं से जांच की जा रही है। रिमांड खत्म होने पर आरोपी नवीन को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में नीमका जेल भेज दिया है।

ऑनलाइन मिलेगी आरटीआई के तहत मांगी सभी जानकारी

फरीदाबाद/नूंह। सूचना का अधिकार कानून के तहत अब सूचना लेना आसान हो जाएगा। हरियाणा सरकार ने पारदर्शिता व डिजिटिलाइजेशन के क्षेत्र में एक और कदम बढ़ाते हुए आरटीआई सेवाओं को भी अब ऑनलाइन कर दिया है। आरटीआई के तहत मांगी जाने वाली सूचनाओं के लिए घर बैठे ही ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए आरटीआईहरियाणा जीओवी.इन पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। नूंह के उपायुक्त ने एक जारी बयान में कहा कि नई व्यवस्था से हरियाणा में लोगों को अब आरटीआई के तहत सूचना लेना आसान हो गया है। सूचना के अधिकार के तहत लोगों को किसी भी तरह की जानकारी लेने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सरकार घर बैठे आरटीआई के तहत मांगी गई सभी जानकारियां उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा आधुनिक तकनीक की मदद से लोगों को सीधी सेवाएं देने के लिए अनेक पोर्टल, वेबसाइट व सॉफ्टवेयर विकसित किए गए हैं। इस सिस्टम के माध्यम से विभागों में अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करना भी आसान हो गया है। उपायुक्त ने कहा कि इस ऑनलाईन सुविधा के शुरू होने से सरकारी कार्यालयों में लोगों की आवाजाही कम होगी और लोगों को समय पर सूचना उपलब्ध होगी। आरटीआईहरियाणा जीओवी.इन पोर्टल पर स्वयं का पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के समय फोटो आईडी पोर्टल पर अपलोड करना होगा। आरटीआई पोर्टल पर प्रथम अपील के रूप में एसपीआईओ द्वारा जानकारी डाली जाएगी। उसके बाद द्वतीय अपील में राज्य सूचना आयुक्त कार्यालय द्वारा सुनवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर आवेदन की स्टेटस रिपोर्ट देखने का भी विकल्प दिया गया है।

महिला के गले से चेन झपटकर फरार

फरीदाबाद। अलग-अलग स्थानों पर बाइक सवार एक महिला के गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। वहीं एक युवक के हाथ से उसका मोबाइल फोन झपट ले गए। पुलिस ने झपटमारी के मामले दर्ज कर लिए हैं। सेक्टर-45 निवासी मेनका भाटिया 17 मार्च की शाम को अपने घर के सामने खड़ी थीं। तभी बाइक सवार दो युवक उनके गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। यह वारदात सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। दूसरी ओर, बाइक सवार तीन झपटमार बड़ौली गांव में किराए पर रहने वाले शकील के हाथ से उसका मोबाइल फोन झपट ले गए। यह वारदात बड़ौली पुल की है। बीपीटीपी थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। यह वारदात 15 मार्च की है।

कार की टक्कर से युवक की मौत

गुरुग्राम। फर्रुखनगर से पेट्रोल पंप की तरफ कार से जा रहे युवक की कार पीछे से तेज रफ्तार एसयूवी कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार का संतुलन बिगड़ गया और वह पेड़ जा टकराई। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए कार चालक को पास के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर फर्रुखनगर थाने में शनिवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से झज्जर के इस्माईलपुर निवासी नरवीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि छोटा भाई महाबीर बुआ के लड़के की कार लेकर फर्रुखनगर से महादेवन पेट्रोल पंप की तरफ जा रहा था। तभी रास्ते में तेज रफ्तार एसयूवी कार चालक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही कार का संतुलन बिगड़ गया। कार पेड़ से जा टकराई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में महाबीर को पास के निजी अस्पताल में लेकर गए। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। टक्कर मारने वाले कार की पहचान हो गई है।

तीन अलग-अलग मामलों में 11 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

ट्रांस हिंडन। खोड़ा में होली पर मारपीट करने को लेकर तीन अलग-अलग मामलों में 11 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। पहले मामले में साधना एंक्लेव निवासी सुनील कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि खोड़ा कॉलोनी के बुध बाजार में होली के दिन बाइक सवार विशाल निवासी खोड़ा ने उनके बुजुर्ग पिता महेशचंद को धमकी देते हुए जोरदार टक्कर मारकर घायल कर दिया था। आरोपी को पकड़ने के दौरान राहगीर ओमी को भी घायल कर दिया था।

'आप' की सरकार ने पंजाब में तीन दिन में ही कर दिया कमाल : केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने मात्र तीन दिन में ही कमाल कर दिया जिसकी पूरे देश में चर्चा हो रही है।

केजरीवाल ने पंजाब में 'आप' की सरकार के गठन के बाद के सभी विधायकों के साथ रविवार को वर्चुअल मीटिंग के दौरान कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने मात्र तीन दिन में ही कमाल कर दिया, जिसकी पूरे देश में चर्चा हो रही है। 'आप' की सरकार ने पुराने मंत्रियों से सिक्युरिटी वापस लेकर, बर्बाद फसलों का मुआवजा, एंटी करप्शन हेल्पलाइन और 25 हजार सरकारी नौकरियों की घोषणा कर लोगों में विश्वास पैदा किया। यह बहुत शानदार शुरूआत है और लोगों की उम्मीदें धीरे-धीरे विश्वास में बदलती जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब में हमारी सरकार भी बन गई और काम भी शुरू कर दिया, लेकिन चार राज्यों में जीतने वाली भाजपा की अभी तक सरकारें नहीं बनीं, तो वो काम क्या करेंगे? श्री केजरीवाल ने कहा कि किसी को चंडीगढ़ में नहीं बैठना है। हमारा एक-एक एमएलए और मंत्री लगातार जनता के बीच में घूमेगा। हमें जनता का दिल जीतना है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने विधायकों के अंदर जोश भरते हुए उन्हें जीत की बधाई दी और कहा कि मैं आज बहुत खुश और भावुक महसूस कर रहा हूं। इसके दो कारण हैं। पहला, पंजाब की जनता ने अभूतपूर्व प्यार दिया। हमें इतने वोट दिए, इतनी सीटें दीं और सारे पुराने नेताओं को हरा दिया। दूसरा, जिस तरह से पिछले कुछ दिनों में

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब के अंदर जबरदस्त काम करके दिखाया है। गत 16 मार्च को उनका शपथ हुआ और आज 20 तारीख है। केवल तीन दिन में ही मान साहब ने कमाल कर दिया। सिर्फ पंजाब में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में भगवंत मान की चर्चा हो रही है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से जिनते बड़े-बड़े पुराने मंत्री हुआ करते थे, उनकी सुरक्षा हटा कर और उन पुलिस वाले और वाहन जनता की सुरक्षा में लगा दिए गए।

जो अक्टूबर के अंदर फसलें बर्बाद हुई थीं, उन फसलों का अभी तक मुआवजा नहीं मिला था। वहीं 'आप' की सरकार बनते ही एक-दो दिन के अंदर सारे किसानों को मुआवजा उनके जिलों में पहुंच गया। मुझे बताया गया है कि अगले तीन-चार दिन के अंदर किसानों को मुआवजा के चेक मिलने चालू हो जाएंगे। यह सुनकर बहुत खुशी होती है। परसों आपने जिस तरह से एंटी करप्शन हेल्पलाइन जारी करने की घोषणा की। मैं इसे हेल्पलाइन नहीं कहूंगा, वो एक्शन लाइन है। आपने जिस तरह से एंटी करप्शन एक्शन लाइन का ऐलान किया, दिल्ली के अंदर भी उसकी वजह से भ्रष्टाचार खत्म हो गया।

'आप' के संयोजक ने कहा कि हम लोगों ने 75 साल खराब कर दिए। अब समय कम है। हर एक मंत्री को मान साहब एक टारगेट देंगे कि कितने दिन में कितना काम करना है। 24 घंटे का दिन-रात होता है।

आपको रात-दिन काम करना पड़ेगा और खूब मेहनत करनी पड़ेगी। अगर टारगेट आपके पूरे नहीं होते हैं, तो फिर जनता ही कहेगी कि आप इस मंत्री को बदलो और दूसरे मंत्री को लेकर आओ। हो सकता है कि उस समय आपको थोड़ा सा बुरा लगे, लेकिन मजबूरी है।

आपको काम तो करना पड़ेगा और टारगेट भी पूरे करने पड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं हमारी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता, एक-एक एमएलए और एक-एक मंत्री लगातार 24 घंटे जनता के बीच घूमेगा। वो गलियों में जाएगा, मोहल्ले में जाएगा, पिंड में जाएगा और लोगों की बातें सुनेगा। मैंने सुना है कि अपने कुछ विधायक जो मंत्री नहीं बन पाए हैं, वो दुखी हैं। हमारी 92 सीटें आई हैं। मंत्री 17 ही बनेंगे। ऐसा नहीं है कि जो विधायक मंत्री नहीं बने हैं, वो किसी से कम हैं।

पंजाब के लोगों ने इस बार एक-एक हीरा चुन कर भेजा है। आप लोग एक-एक हीरा हो। हमें 92 लोगों की एक टीम की तरह काम करना है।

एम्स में बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी की आपात सेवाएं शुरू

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने राष्ट्रीय राजधानी में बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी (बीपीएस) विभाग में आपातकालीन सेवाएं शुरू कर दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी रविवार को दी।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ डीके शर्मा ने कहा कि आपातकालीन वार्ड में मरीजों की देखभाल के लिए आठ ऑब्जर्वेशन बेड होंगे।

डॉक्टरों के अनुसार, बीपीएस ब्लॉक में आपातकालीन सेवा शुरू होने से मरीजों को अलग और तत्काल

देखभाल की मदद करेगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने ऐसे मरीजों के इलाज के लिए 100 बेडों की इस सुविधा का उद्घाटन किया था। बीपीएस ब्लॉक एम्स की अपेक्षाकृत नयी सुविधा है। सूत्रों के अनुसार ऐसी सुविधा केवल केंद्र द्वारा संचालित सफदरजंग अस्पताल और राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल और दिल्ली सरकार द्वारा संचालित लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) जैसे चुनिंदा अस्पतालों में उपलब्ध है।

इस नयी सुविधा के तहत बीपीएस ब्लॉक में आईसीयू में 30 अलग-अलग क्यूबिकल, 10 आइसोलेशन प्राइवेट रूम और छह ऑपरेशन थिएटर हैं। अधिकारियों के अनुसार, इसमें त्वचा बैंकिंग सुविधाओं, बाल चिकित्सा फिजियोथेरेपी, हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी और बर्न हाइड्रोथेरेपी के विकास के लिए काम किए जाने है।

रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

गुरुग्राम। नए साल की पार्टी में हुई कहासुनी की रंजिश में होली के दिन युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। घायल युवक को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन युवकों के खिलाफ शनिवार को सेक्टर-29 थाने में हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव चक्करपुर निवासी राकेश यादव (35) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह परिवार के साथ रहता है। होली के दिन शाम को चक्करपुर निवासी सन्नी का फोन आया। सन्नी ने नए साल की पार्टी के दौरान हुई कहासुनी पर बात करने के लिए नरेश के कमरे पर आने के लिए बोला। वह वहां पहुंच गया। दोनों की एक बार फिर से बहस शुरू हो गई। तभी पीछे से नरेश आया और गला पकड़ कर गर्दन पर तेजधारदार हथियार से हमला कर दिया। दोबारा से नरेश वार करने लगा तो उसका हाथ पकड़ लिया। फिर तीनों आरोपी नरेश, सन्नी और अन्य युवक धक्का देकर फरार हो गए। गंभीर हालत में पैदल दोस्त के ऑफिस पर पहुंचा और वहां से उन्होंने निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जिओ मार्ट की झूठी स्कीम बता महिला ने युवक से ठगे 42 हजार से ज्यादा रुपये

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 48 के धनंजय देवीदास जोशी ने थाने में शिकायत दी कि उनके पास कुछ दिन पहले पिनी गुप्ता नाम की एक महिला ने फोन किया। उसने खुद को उक्त कंपनी की कर्मचारी बताया। धनंजय ने पुलिस को बताया कि आरोपी महिला ने उनसे जिओ मार्ट में एक स्कीम बताकर 42 हजार से ज्यादा की रकम ठग ली है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सेक्टर 48 के एक युवक के पास साइबर जालसाजों ने कॉल करके जिओ मार्ट पर लास्ट ट्रांजैक्शन पर गिफ्ट जीतने का झांसा देकर नई स्कीम लेने के लिए कहा। युवक को बातों में फंसाकर ठगों ने कुल 42 हजार 357 रुपये उनसे खाते में ट्रांसफर करवा लिया। पीड़ित ने इस संबंध में सेक्टर 49 थाने में शिकायत दिया है।सेक्टर 48 के धनंजय देवीदास जोशी ने थाने में शिकायत दी कि उनके पास कुछ दिन पहले पिनी गुप्ता नाम की एक महिला ने फोन किया। उसने खुद को उक्त कंपनी की कर्मचारी बताया। आरोपी महिला ने उन्हें बताया कि एक स्कीम चल रही है जिसके तहत जिओ मार्ट मे जो लास्ट ट्रांजैक्शन की थी, उसमें एक इनाम निकला है। इसकी पूरी डिटेल भी वॉट्सऐप नंबर पर भेज दी। महिला ने शाम को फिर से कॉल की और बताया कि उन्होंने एसी जीता है और उसकी मार्केट में 48,990 रुपये कीमत है। उन्हें जीएसटी के 11999 रुपये देने होंगे। जीएसटी व अन्य शुल्क के बहाने 42357 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। फोन कटने के बाद उन्हें संदेह हुआ तो उन्होंने कंपनी के कस्टमर सपोर्ट पर कॉल किया। वहां उन्हें पता चला कि ऐसी कोई स्कीम नहीं है। पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस को दिया। सेक्टर 49 थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली है। मामले को जांच के लिए साइबर सेल के पास भेज दिया गया है।

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

गैंगस्टर राहुल जाट की पत्नी गिरफ्तार, अपहरण और हत्या के मामले में 4 साल से थी फरार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को गाजियाबाद के पास एक कैफे से अपहरण और हत्या के मामले में आरोपी एक महिला को गिरफ्तार किया है। वह कुख्यात गैंगस्टर राहुल जाट की पत्नी है और 2018 में इसे भगोड़ा घोषित किया गया था।

एसीपी अतर सिंह की निगरानी में दक्षिणी रेंज की स्पेशल सेल की एक टीम ने 27 वर्षीय इस फरार महिला निधि उर्फ भारती को गाजियाबाद के गोविंदपुरम इलाके के पास एक कैफे से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस निधि की सागर उर्फ चुन्नू के अपहरण और हत्या के मामले में काफी समय से तलाश कर रही थी।

स्पेशल सेल के डीसीपी जसमीत सिंह ने बताया कि गाजियाबाद के गोविंदपुरम क्षेत्र में निधि के आने के बारे में सूचना मिली थी, जिसके आधार पर हमने उसकी गतिविधियों पर चुपचाप निगरानी शुरू कर दी। जैसी ही वह वहां पहुंची, पुलिस टीम उसे कानून की उपयुक्त धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी ने कहा कि निधि को इस मामले में 2018 में भगोड़ा घोषित किया गया था। वह गैंगस्टर राहुल जाट की पत्नी है, जो कुख्यात गैंगस्टरों रोहित चौधरी और अंकित गुर्जर का सहयोगी भी था।

पुलिस ने बताया कि निधि ने अपने पति राहुल जाट और सात अन्य लोगों के साथ मिलकर 1 अप्रैल 2015 को जीटीबी एंक्लेव पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक क्षेत्र से सागर का अपहरण कर लिया था। आरोपी सागर को उत्तर प्रदेश के बागपत के एक इलाके में ले गए थे, जहां उन्होंने सड़क पर गाड़ियों से कुचलकर उसकी हत्या कर दी थी। निधि और राहुल ने सागर को मारने की योजना को इस तरह अंजाम दिया जो एक सड़क दुर्घटना की तरह लग रहा था। शुरुआत में बागपत में सड़क हादसे का मामला दर्ज किया गया था। उसके पिता द्वारा शव की शिनाख्त के बाद उसके पिता ने जीटीबी एंक्लेव पुलिस स्टेशन में अपहरण और हत्या की एफआईआर दर्ज कराई थी। दिल्ली पुलिस ने अंततः घातक दुर्घटना और अपहरण व हत्या की एफआईआर को जोड़कर केस अपने हाथ में ले लिया था।

निधि के पति राहुल, जो कुख्यात गैंगस्टर रोहित चौधरी और अंकित गुर्जर (मृतक के बाद से) का सहयोगी है, फिलहाल जमानत पर बाहर है। पुलिस ने कहा कि उसके ऊपर भी कई आपराधिक मामले हैं, जिनमें दिल्ली में हत्या, हत्या के प्रयास, हत्या के लिए अपहरण और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। इससे पहले 2019 में, राहुल को गैंगस्टर अंकित गुर्जर, रघुनाथ उर्फ विक्की पहलवान और अन्य के साथ दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में उनके प्रतिद्वंद्वी अमन पर फायरिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

नोएडा : होली के जश्न में छाया रंग, जब जमकर नाचे पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और डीएम सुहास एलवाई

ग्रेटर नोएडा। रंगों का त्योहार होली हर कोई दिल से मानता है, इस दिन सभी गिले-शिकवे और पद-प्रतिष्ठा भूल न केवल एक दूसरे को रंग लगाते हैं बल्कि जमकर नाचते गाते भी हैं। ऐसी ही होली का एक वीडियो ग्रेटर नोएडा से सामने आया है, जहां नोएडा के पुलिस कमिश्नर और डीएम ने सभी को मिलकर रंग लगाया और फिर उनके साथ जमकर डांस भी किया।

होली के इस वायरल वीडियो में नोएडा के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और डीएम सुहास एलवाई पंजाबी सिंगर दलेर मेहंदी के एक गाने पर जमकर डांस करते दिख रहे हैं। 30 सेकेंड के इस वीडियो में साथी पुलिसकर्मी भी उनके साथ डांस करते

देखे जा सकते हैं। यह वीडियो ग्रेटर नोएडा की सूरजपुर पुलिसलाइन का बताया जा रहा है।

पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने शनिवार को एक ट्वीट कर कहा था, होली का त्योहार सकुशल सम्पन्न होने के उपरांत समस्त पुलिस परिवार को होली की बधाई दी। पुलिस लाइन प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसमें पुलिस परिवार अपने परिजनों के साथ उपस्थित रहे।

बता दें कि देशभर में होली का त्योहार सकुशल सम्पन्न होने के बाद उत्तर प्रदेश में अगले दिन पुलिस की होली होती है। इस दिन सभी थानों और पुलिसलाइनों में कार्यरत पुलिसकर्मी एक दूसरे को रंगों से रंगने के साथ ही नाच-गाकर जश्न मनाते हैं।

होली पर सेक्टर से लेकर सोसाइटी तक उड़े रंग

गौतमबुद्ध नगर में शहर से लेकर गांवों तक होली हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। सोसाइटी में विशेष आयोजन किए गए। लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी। बीते दो वर्षों से कोरोना की वजह से होली का पर्व फीका रहा था। इस बार कोरोना का संक्रमण काफी कम होने के बाद लोगों ने जमकर होली खेली। इसी तरह शहर के तमाम सेक्टर व सोसाइटियों में होली का पर्व मनाया गया।

प्लॉट बेचने के आठ साल बाद किसी और को कर दी रजिस्ट्री

गाजियाबाद। नंदग्राम थानाक्षेत्र में प्लॉट बेचने के बाद मालिक द्वारा उसका बैनामा अन्य लोगों को भी करने का मामला सामने आया है। आरोपी प्लॉट पर कब्जा लेने आए तो पीड़ित को फर्जीवाड़े का पता चला। आरोप है कि पुलिस में शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसके चलते उन्हें कोर्ट जाकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराना पड़ा। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मूलरूप से नंद निकुंज के रहने वाले मुकेश शर्मा वर्तमान में सेक्टर-23 संजय नगर में रहते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने 21 फरवरी 2013 को सिहानी गांव में 89 वर्ग गज का प्लॉट राजेश पाल निवासी नंदग्राम से 6.70 लाख रुपए में खरीदा था। उन्होंने प्लॉट पर पांच दुकानें भी बना ली हैं। मुकेश शर्मा का कहना है कि 24 सितंबर 2021 की सुबह 7 बजे दीनदयालपुरी नंदग्राम निवासी अभय कुमार गिरी अपने साथियों विक्की और ऋषिपाल के साथ उनके प्लॉट पर आया और कहा कि उसने राजेश पाल से यह प्लॉट 5 अगस्त 2021 को खरीद लिया है। उन्होंने यह प्लॉट 8 साल पहले ही खरीद लेने के बारे में बताया तो आरोपियों ने कहा कि वह और राजेश ऐसे ही लोगों को के साथ धोखाधड़ी करते हैं। पीड़ित का आरोप है कि उन्होंने रजिस्ट्रार कार्यालय में जाकर पता किया तो राजेश दोबारा प्लॉट का फिर से बैनामा करने की जानकारी मिली।

पुलिसकर्मी बताकर बुजुर्ग महिला से कंगन ठगे

गाज़ियाबाद। वैशाली सेक्टर चार में शारदा सोसाइटी के निकट बाइक सवार दो लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर सीएसआईआर से सेवानिवृत्त अधिकारी की पत्नी से चार कंगन ठग लिए। आरोपी बदले में कागज में लपेटकर नकली कंगन देकर फरार हो गए। वारदात के समय पीड़िता सीजीएचएस दवाखाने से दवाई लेने जा रही थीं। पीड़िता ने मामले की कौशांबी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों को पकड़ने में जुटी है। वसुंधरा सेक्टर 15 निवासी अनीता जैन ने बताया कि उनके पति मुकेश कुमार जैन सीएसआईआर से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। वह बुधवार को वैशाली सेक्टर चार स्थित सीजीएचएस डिस्पेंसरी से दवाई लेने जा रही थीं। रास्ते में बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका ऑटो रूकवा लिया। दोनों ने आईकार्ड दिखाते हुए स्वयं को पुलिसकर्मी बताया और रौब झाड़ना शुरू कर दिया। ठगों ने उनसे कहा कि आज के समय में सोना पहनना ठीक नहीं है। आए दिन लूट, हत्या व छिनैती की वारदातें हो रही हैं। इन्हें उतार कर बैग में रख लो। कंगन उतारने के दौरान ठगों ने एक कागज की पुड़िया में लपेटकर रखवा दिया। इसी बीच ठगों ने कागज की पुड़िया बदल दी। पीड़िता के मुताबिक ठग सोने के चार कंगन लेकर फरार हो गए। जिनकी कीमत करीब ढाई लाख रुपये थी। उनके जाने पर दूसरी पुड़िया खोलकर देखी तो उसमें नकली कंगन थे। उन्होंने तत्काल मामले की जानकारी पति को दी। फिर उन्होंने मामले की शिकायत कौशांबी थाना पुलिस से की।

चौरोली गांव में जंगली जानवर के हमले में पशु मरे, दो घायल

ग्रेटर नोएडा। जेवर के चौरोली गांव में शुक्रवार की रात किसी जंगली जानवर ने एक घेर में बंधी बकरियों पर हमला कर दिया। इस दौरान तीन बकरियों की मौत हो गई जबकि दो जख्मी हो गईं। जंगली जानवर के हमले से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस, पशु चिकित्सक व वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया तथा जंगली जानवर के पंजों के नमूने लिए।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव निवासी रामसिंह बाल्मीकी की विधवा राजेश पैरालाइसिस की मरीज है। वह बकरी आदि पालकर अपना जीवन यापन करती है। शुक्रवार रात को किसी

जंगली जानवर ने हमला कर उसकी तीन बकरियों को मार दिया तथा दो बकरियों को गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। शनिवार सुबह को जंगली जानवार आने की बात गांव में फैल गई। गांव में तेदुआ आदि जानवर के गांव में आने की चर्चा से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुची पुलिस ने वन विभाग की टीम ने जंगली जानवर के पंजों के नमूने लिए।

जेवर में भी दर्जनों लोगों पर हुआ था हमला

क्षेत्र में जंगली जानवर का हमला करीब दो सप्ताह से जारी है। दो सप्ताह के अंदर जेवर कस्बे में भी सदिग्ध जानवर के हमले में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये थे। दो दिन से कस्बे में जानवर द्वारा हमला नहीं किया गया है। लोगों का मानना है कि संदिग्ध जानवर ग्रामीण क्षेत्र में पलायन कर गया था तथा उसी ने चौरोली गांव में हमला कर तीन बकरी को मौत के घाट उतार दिया है। चौरोली गांव में लोगों में दहशत का माहौल है।

संपादकीय

अब भारत के भविष्य को मजबूत बनाने की पहल...

33 साल बाद भारत में आई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति इस क्षेत्र के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। इस बार के आम बजट में भी शिक्षा के क्षेत्र को लेकर की गई घोषणाएं भारत के भविष्य को मजबूत करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को दिखाती हैं। शिक्षा और कौशल क्षेत्र के विषय पर 21 फरवरी को हितधारकों के साथ आयोजित 'बजट वेबिनार' में भी प्रधानमंत्री ने नए भारत के इसी संकल्प को दोहराया...

हमारी आज की युवा पीढ़ी, देश के भविष्य की कर्णधार है, वही भविष्य के नेशन बिल्डर्स हैं। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को एंपावरिंग करने का मतलब है, भारत के भविष्य को एंपावर करना।

देश में ही ग्लोबल स्टैंडर्ड के इंस्टीट्यूट्स का निर्माण करने का सरकार का इरादा और उसके लिए पॉलिसी फ्रेमवर्क भी आपके सामने है। अब आपको अपने प्रयासों से इसे ज़मीन पर उतारना है।

बजट में पीएम आवास योजना, ग्रामीण सड़क योजना, जल जीवन मिशन, नॉर्थ ईस्ट की कनेक्टिविटी, गांवों की ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, ऐसी हर योजना के लिए जरूरी प्रावधान किया गया है। गांवों के विकास में वहां घर और जमीन की प्रॉपर डिमार्केशन बहुत आवश्यक है। स्वामित्व योजना से इसमें बहुत मदद मिल रही है। अलग-अलग योजनाओं में 100 परसेंट लक्ष्य पाने के लिए हमें नई टेक्नॉलॉजी पर भी फोकस करना होगा।

भारत गांवों में निवास करता है। इसलिए आवश्यक है कि गांवों में रहने वाले लोगों को उस हर एक सुविधा का लाभ मिले, जिसके वो हकदार हैं। यह क्षेत्र केंद्र सरकार के सबसे ज्यादा अहमियत वाले क्षेत्रों में शामिल है। 23 फरवरी को इसी विषय पर आयोजित वेबिनार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर गांवों में तकनीक आधारित विकास और सशक्तीकरण पर हितधारकों के साथ सीधा संवाद किया...

जलजीवन मिशन में 4 करोड़ नए कनेक्शन का लक्ष्य, वित्तीय समावेशन में महिलाओं की साझेदारी सुनिश्चित करना, डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार जैसे कार्यक्रम में सहभागित के जरिए सारे बंधन खत्म कर हम उत्तम परिणाम ला सकते हैं।

7 सालों में हम देश के हर नागरिक, हर क्षेत्र के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। देश के गांव और गरीब को पक्के घर, शौचालय, गैस, बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की योजनाओं का मकसद यही है। देश ने इनमें बहुत सफलता भी पाई है। लेकिन अब समय शत-प्रतिशत लक्ष्यों को हासिल करने का है।

700 से अधिक कृषि स्टार्टअप तैयार

पिछले 3-4 सालों में, देश में 700 से अधिक कृषि स्टार्टअप तैयार किए गए हैं। हमारी सरकार ने इससे जुड़ा नया मंत्रालय भी बनाया है, आपका लक्ष्य यह होना चाहिए कि सहकारी समितियों को एक सफल व्यावसायिक उद्यम में कैसे बदला जाए।

कृषि क्षेत्र में नई तकनीक के साथ इनोवेशन पर जोर

बीते समय में कोविड जैसी कठिन चुनौती के बावजूद भारत के कृषि क्षेत्र ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। अब बारी कृषि को हाईटेक के साथ नए तौर-तरीकों के जरिए विकसित करने की है। आम बजट में इसे लेकर कई प्रावधान किए गए हैं। 24 फरवरी को कृषि क्षेत्र के जुड़े हितधारकों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र में नवाचार पर जोर दिया।

यह संकेत आएं नजर तो तुरंत शुरू कर दें एक्सरसाइज करना

मिताली जैन

अगर आपको लगातार कब्ज की शिकायत होनी शुरू हो गई है, तो अब आपको एक्सरसाइज करने के रूटीन को थोड़ा सीरियसली लेने की आवश्यकता है। दरअसल, जब आप मूव करते हैं, तो आपका कोलन भी मूव करता है और समय पर शौच करना आसान होता है।

यह तो हम सभी जानते हैं कि फिट और एक्टिव रहने के लिए एक्सरसाइज करना बेहद आवश्यक है और अक्सर लोग एक्सरसाइज करने के फायदों पर चर्चा भी करते हैं, लेकिन उसे करने को इतना महत्व नहीं देते। कभी समय के अभाव तो कभी आलस्य के चलते एक्सरसाइज कहीं पीछे छूट जाती हैं। जिसके कारण आपको सिर्फ वजन बढ़ना ही नहीं, बल्कि अन्य भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक वक्त के बाद तो खुद आपका शरीर ही यह संकेत देना शुरू कर देता है कि आपको अब एक्सरसाइज करने की बहुत अधिक जरूरत है। तो चलिए आज इस लेख में हम उन्हीं संकेतों के बारे में चर्चा कर रहे हैं-

कब्ज की शिकायत होना

अगर आपको लगातार कब्ज की शिकायत होनी शुरू हो गई है, तो अब आपको एक्सरसाइज करने के रूटीन को थोड़ा सीरियसली लेने की आवश्यकता है।

दरअसल, जब आप मूव करते हैं, तो आपका कोलन भी मूव करता है और समय पर शौच करना आसान होता है। हेल्दी मसल्स टोन और डायाफ्राम भी आपके पाचन तंत्र के माध्यम से अपशिष्ट को स्थानांतरित करने में मदद करता है। लगातार व्यायाम करने से आपके बाउल सिस्टम को सही तरह से काम करने में मदद मिल सकती है, खासकर जब आपकी उम्र बढ़ जाती है।

ब्लड प्रेशर ज्यादा रहना

ब्लड प्रेशर का लगातार बढ़ा हुआ रहना एक गंभीर समस्या है और अगर आपको यह स्वास्थ्य समस्या हो रही है तो आपको एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेना चाहिए।

ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कसरत बहुत अधिक मददगार होती है। दरअसल, जब आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो इससे आपका शरीर अधिक एक्टिव हो जाता है, जिससे ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद मिलती है।

स्किन का डल नजर आना

कुछ लोग यह मानते हैं कि स्किन में डलनेस की वजह उसकी सही तरह से देख-रेख ना करना है, लेकिन एक्सरसाइज ना करने से भी स्किन का ग्लो चला जाता है।

दरअसल, जब आप एक्सरसाइज करने ना केवल पसीने के रूप में बॉडी के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं, बल्कि ब्लड फ्लो बढ़ता है जिससे आपकी स्किन में एक गजब का निखार आता है और एजिंग के साइन्स कम नजर आते हैं। ऐसे में लंबे समय तक स्किन को हेल्दी, ग्लोइंग व यंगर बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज करना आवश्यक है।

विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2022 पर विशेष

भारत की जल संस्कृति का दुनिया के लिये महत्व

ललित गर्ग

जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। इन सभी समस्याओं से दुनिया को अवगत कराने एवं सबको जागरूक करने के लिए 1993 से प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व के सभी देशों में स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है?

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। लेकिन, मानव अपने स्वास्थ्य, सुविधा, दिखावा व विलासिता में अमूल्य जल की बर्बादी करने से नहीं चूकता। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। तापमान में जैसे-जैसे वृद्धि हो रही है, भारत के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक जल उपयोग पिछले 100 वर्षों में छह गुणा बढ़ गया है, और बढ़ती आबादी, आर्थिक विकास तथा खपत के तरीकों में बदलाव के कारण यह प्रतिवर्ष लगभग एक प्रतिशत की दर से लगातार बढ़ रहा है। पानी की अनियमित और अनिश्चित आपूर्ति के साथ-साथ, जलवायु परिवर्तन से वर्तमान में पानी की कमी वाले इलाकों की स्थिति विकराल रूप ले चुकी है। ऐसी स्थिति में, जल- संरक्षण एकमात्र उपाय है। जल संरक्षण का अर्थ पानी की बर्बादी और उसे प्रदूषित होने से रोकना है। क्योंकि जल है तो कल है।

जल का महत्व इस बात से भी समझा जा सकता है कि दुनिया की

बड़ी-बड़ी सभ्यताएं नदियों के किनारे ही विकसित हुई हैं, और प्राचीन नगर नदियों के तट पर ही बसे। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। राजा-महाराजाओं तथा सेठ-साहूकारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अपने नाम को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इन प्रदेशों के विभिन्न भागों में कलात्मक बावड़ियों, कुओं, तालाबों, झालरों एवं कुंडों का निर्माण करवाया। अनुपम मिश्र की पुस्तक 'आज भी खरे है तालाब' विकट होती जा रही जल समस्या के समाधान का अमूल्य दस्तावेज है।

कुएँ पानी के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं। राजस्थान में कई प्रकार के कुएँ पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त बावड़ी या झालरा भी है जिनको धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माना जाता है। मेरा बचपन राजस्थान के नागौर जिले के लाडनूं में बीता, लाडनूं, सुजानगढ़, छापर, चाडवास, चूरु, बीकानेर जिले में भूगर्भ जल एवं वर्षा के जल को संरक्षित एवं सुरक्षित करने की परम्परा हर व्यक्ति एवं हर घर में देखने को मिलेगी, वहां के घरों में वर्षा के जल को संरक्षित करने के लिये हर घर में कुंए हैं, सभी घरों का निर्माण इस तरह किया गया है कि सम्पूर्ण वर्षा जल इन कुंओं में इकट्ठा किया जा सके। राजस्थान में जल संचयन की परम्परागत विधियाँ उच्च स्तर की हैं, जो समूचे विश्व के लिये भूगर्भ जल संरक्षण एवं संवर्धन का माध्यम बन सकती है। इनके विकास में राज्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रमुख योगदान है। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं।

राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से देखने योग्य है और अनुकरणीय भी हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है। यहाँ के स्थानीय लोगों ने पानी के कृत्रिम स्रोतों का निर्माण किया है। जिन्होंने पानी की प्रत्येक बूँद का व्यवस्थित उपयोग करने वाली लोक-कथाएँ एवं आस्थाएँ विकसित की हैं, साहित्य में भी जल संरक्षण की व्यापक चर्चा है, जिनके आधार पर ही प्राकृतिक जल का संचय करके कठिन परिस्थितियों वाले जीवन को सहज बनाया है। जल उचित प्रबन्धन हेतु पश्चिमी राजस्थान में आज भी सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में पराती में चौकी रखकर उस पर बैठकर स्नान करते हैं जिससे शेष बचा पानी अन्य उपयोग में आ सके। तेरापंथ के एक श्रावक हुए हैं रूपचन्दजी, जिनके बारे में प्रचलित है कि वे 72 तोले जल से स्नान करते थे, यानी एक लोटा से भी कम।

उदयपुर में विश्व प्रसिद्ध झीलों में जयसमंद, उदयसागर, फतेहसागर, राजसमंद एवं पिछोला में काफी मात्रा में जल संचय होता रहता है। इन झीलों से सिंचाई के लिये जल का उपयोग होता है। इसके अतिरिक्त इनका पानी रिसकर बावड़ियों में भी पहुँचता है जहाँ से इसका प्रयोग पेयजल के रूप में करते हैं। कुएँ, बावड़ी व तालाबों की विरासत हमारे पुरखों ने हमें सौंपी है। अत: पुराने जलस्रोतों की सार-सम्भाल करना हमारा दायित्व है। वैज्ञानिक अब पृथ्वी के अलावा अन्य ग्रहों पर पहले पानी की खोज को प्राथमिकता देते हैं। पानी के बिना जीवन जीवित ही नहीं रहेगा। इसी कारणवश अधिकांश संस्कृतियाँ नदी के किनारे विकसित हुई हैं। इस प्रकार 'जल ही जीवन है' का अर्थ सार्थक है। असाधारण आवश्यकता को पूरा करने के लिए, जलाशय सिकुड रहे हैं, जल विश्व की बड़ी एवं विकट समस्या है। इन बातों से साफ हो जाता है कि भूजल की स्थिति आने वाले वक्त में क्या होगी? इसे गम्भीरता से लेने की जरूरत है? इस दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय जल दिवस पर व्यापक चिन्तन-मंथन होना चाहिए। पर्यावरण तथा विकास पर केंद्रित रियो डि जेनेरियो के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में वर्ष 1992 में विश्व जल दिवस की पहल की गई। वर्ष 1993 में 22 मार्च को पहली बार 'विश्व जल दिवस' का आयोजन किया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष लोगों के बीच जल का महत्व, आवश्यकता और संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। आज जल संरक्षण के प्रति पूरा विश्व एकजुट हो रहा है। हर देश अपने अनुरूप जल संरक्षण के प्रति कार्य कर रहा है। भारत भी जल संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। इसके अंतर्गत देश के सभी नागरिकों को स्वच्छ जल की उपलब्धता संचित करने के लिये भारत ने जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना की है। यदि आज हमने जल संरक्षण के महत्व को नहीं समझा, तो वह दिन दूर नहीं, जब भविष्य की पीढ़ियों के लिए धरती पर भीषण जल-संकट खड़ा हो जाएगा। आज विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अलग-अलग मंचों पर जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके प्रति जागरूक बनाने की दिशा में काम कर रही हैं। भारत सरकार द्वारा भी इस दिशा में योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे।

विश्व ने अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस 20 मार्च 2022 मनाया

वैश्विक स्तरपर मनीषियों के व्यवहारिक जीवनमें खुशी-गम सुखदुख, धूप-छांव, अच्छाई-बुराईहित-अहित जीवन-मृत्यु एक सिक्के के दो पहलू की तरह लागू होते हैं क्योंकि सृष्टि में हर जीव के जीवन में यह दोनों पहलू आते ही हैं। मेरा मानना है कि पूरे संसार में शायद ही कोई ऐसा अपवाद स्वरूपी मनीषी जीव होंगे जिनका जीवन चक्र के सामायिक चक्र में दोनों पहलू ना हो!!! यदि खुशी आई होगी तो दुख भी और जीवन आया हैं तो मृत्यु भी होगी यह एक दिनचर्या के समान है कि सुबह होने के बाद शाम आनी ही है। बस फरक हमारी वैचारिक सोच का होता है!!!

साथियों बात अगर हम इस जीवन के दोनों पहलूओं में से जो संभव है खुशी, सुख, अच्छाई, हित की करें तो यह मानवीय स्वभाव ही है कि वह सकारात्मक क्षणों में जीवन जीना पसंद करेगा जबकि गम, दुख, बुराई, अहित जो नकारात्मक क्षणों में जीवन बिताना शायद कोई पसंद नहीं करेगा!!! जबकि जीवन-मृत्यु चक्र में भी अधिकतम मनुषी जीवों सकारात्मक जीवन जीने की पसंदगी का चुनाव करेंगे जो सकारात्मक क्षणों के साथ हो। इसके विपरीत नकारात्मक क्षणों में शायद दूसरा विकराल विकल्प चुन सकते हैं। परंतु जांबाजी, ज़ज्बे, विपत्तियों, नकारात्मक स्थितियों से शेर की भांति लड़कर मुकाबला कर व्यवहारिक जीवन की जंग जीतने वाले जांबाजी मनीषी दोनों परिस्थितियों में अपनी जीत दर्ज कर जीवन रूपी गाड़ी को अपने अंजाम तक पहुंचाकर, इस जंग में अपने काम, अपने नाम का डंका छोड़ जाते हैं जो इतिहास में हमने देखें दर्ज हैं जो हमारी अगली पीढ़ियां भी उन्हें आदर पूर्वक याद करेंगे

साथियों उपरोक्त बैकग्राउंड चर्चा हमने इसलिए कि क्योंकि 20 मार्च 2022 को हमने अंतरराष्ट्रीय स्तरपर खुशी दिवस जोरशोर से मनाया जो उपरोक्त चर्चा का एक सकारात्मक भाग है। जिसपर मनीषी जीव जीवन जीना पसंद करेगा। क्योंकि खुशी ही एक सेहतमंद सफ़ल और अच्छी जिंदगी की कुंजी है। परंतु सबसे महत्वपूर्ण है खुश रहने का अपने जीवन में माहौल उत्पन्नन करना। हालांकि कुदरत का लिखा कोई मिटा नहीं सकता परंतु बहुत सारी बातें हमारे जीवन के दिनचर्या में होती है जिस पर हम खुश रहने के लिए ध्यान दे सकते हैं जिसकी प्रेरणा हम अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस 20 मार्च 2022 की थीम से ले सकते हैं जो शांत रहो, बुद्धिमान रहो, दयालु रहो है।

खुशी दिवस 2022 का यह विषय खुशी प्राप्त करनेके तीन बुनियादी कारणों पर केंद्रित है-पहला शांत रहें-हर स्थिति में शांत और स्थिर रहना संतुष्टि और खुशी की कुंजी है, क्योंकि जहां शांति और संतोष है वहां सुख अपने आप आता है।दूसरा बुद्धिमान रहें-कठिन परिस्थितियों में भी बुद्धिमानी से उठाए कदम सफलता की ओर ले जाते हैं। गलत दिशा में उठाया हुआ एक गलत कदम आपके आगे चलने वाले सभी कदमों को गलत दिशा में ले जाते हैं इसलिए बुद्धिमानी से सोच समझ कर सही दिशा में कदम उठाएं।तीसरा दयालु बनें-दूसरों की जरूरतों, गलतियों और त्रुटियों में दूसरों के प्रति दयालु रहें। जहां दया है वहां धर्म है और जहां धर्म है वहां परमेश्वर है और जहां परमेश्वर है वहां सुख, शांति, प्रेम और संपन्नता है।वर्तमान समय में युद्ध, हिंसा और नकारात्मकता का जो माहौल बना हुआ है उस माहौल में इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखना अति आवश्यक है।

इस बार ईएमसीटी टीम ने बुजुर्गों के साथ वृधआश्रम में होली की खुशियां बाटी

सामाजिक संस्था ईएमसीटी ने इस बार होली त्योहार के अवसर बुजुर्गों के साथ वृधआश्रम में होली की खुशियाँ बाटी और उन अभिभावको से मिलीं जिनके बच्चों ने वृध होने पर उनको खुद से अलग कर दिया। जीवन का ये कैसा दस्तूर है कि जो माँ बाप ज़िंदगी भर अपने बच्चों के लिए दिन रात कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन उम्र के उस पड़ाव पर जहाँ बुजुर्गों को सबसे ज़्यादा ज़रूरत उनके बच्चों की होती है, एक परिवार की होती है उस समय उनके मुश्किल समय में बुजुर्गों को खुद से अलग कर दिया जाता है ये बहुत ही पीड़ादायक इसी सब को सोचते हुए ईएमसीटी की त्योहार के समय अपनापन बाँटने गई जिससे उन बुजुर्गों को अपने परिवार की कमी महसूस न हो। टीम ने उनके साथ होली का त्योहार मनाया गया जिसके बाद सभी के चेहरे पर खुशी आ रही। इस तेज दौड़ भाग वाली ज़िंदगी में लोग अपनो से दूर हो रहे है अपने परिवारों से अलग हो रहे है जो की हम सभी के लिए बहुत दुर्भाग्य पूर्ण है। कृपया अपने आस पास रहने वाले बुजुर्गों का ध्यान अवश्य रखे। आज प्रियंका , आशिमा अवधेश , सिम्मी, सरिता सिंह , सरिता वर्मा, अमित गिरी बच्चों में ध्रुवि और अनवी उपस्थित रहे।

नेहरू-गाँधी परिवार का नेतृत्व नहीं बल्कि सत्ता से वनवास है असल समस्या

तनवीर जाफ़री

पिछले दिनों देश के पांच राज्यों में हुये विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के अनअपेक्षित प्रदर्शन के बाद पार्टी में घमासान मचा हुआ है। साफ़ शब्दों में कहा जाये तो जिन %पैराशूट % नेताओं ने सारी ज़िंदिगी नेहरू-गाँधी परिवार के नेतृत्व उनकी लोकप्रियता तथा उनके राष्ट्रीय जनाधार की बदौलत सत्ता सुख भोगा उन्हीं में से अनेक नेता कांग्रेस की सत्ता में यथाशीघ्र वापसी न होती देख अब उसी नेहरू-गाँधीपरिवार के नेतृत्व पर सवाल उठाने लगे हैं। वे यह भूल जाते हैं कि देश की वर्तमान साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति,झूठ व लांछन के दौर ने कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष व गांधीवादी राजनीति को ही हाशिये पर डाल दिया है। परन्तु जिन नेताओं को शीघ्र सत्ता चाहिये वे कांग्रेस के सिद्धांतों की तिलांजलि देकर किसी न किसी बहाने से या तो पार्टी छोड़ कर सत्ताधारी पार्टी में समाहित हो चुके हैं या नेतृत्व के विरुद्ध मुखर होकर पार्टी छोड़ने के बहाने तलाश रहे हैं।

जहाँ तक नेहरू गाँधी परिवार द्वारा लिये गये कुछ ऐसे फ़ैसलों का प्रश्न है जिनसे कथित रूप से कांग्रेस को अतीत में नुक़्सान होता रहा है उदाहरण के तौर पर नवज्योत सिंह सिद्धू को पंजाब प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया जाना अथवा कैप्टेन अमरेंद्र सिंह को मुख्य मंत्री पद से मुक्त करने का फ़ैसला देर से लेना आदि तो इस तरह के फ़ैसले भी सोनिया अथवा राहुल गाँधी द्वारा अकेले नहीं लिये गये। इस परिवार में शीर्ष पर हमेशा कोई कोई न कोई सलाहकार रहे हैं जिनकी सलाह व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के सलाह मशविरे से ही ऐसे क़दम उठाये जाते हैं। परन्तु जब पंजाब की जनता ने ही राज्य में तीसरी राजनैतिक शक्ति के रूप में भरपूर समर्थन देने का मन ही बना लिया हो तो उसमें पार्टी नेतृत्व कर ही क्या सकता है? जी 23 कहे जाने वाले नेताओं के गुट में सबसे मुखर नाम ग़ुलाम नबी आज़ाद का है। कांग्रेस में शुरू से ही इन्हें बिना जनाधार वाला परन्तु गाँधी नेहरू परिवार का वफ़ादार नेता समझा जाता रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह उस समय भी राजीव गाँधी के ख़ास सलाहकारों में गिने जाते थे जब बोफ़ोर्स के झूठे आरोपों का सामना कर रहे अमिताभ बच्चन द्वारा इलाहबाद संसदीय सीट से त्याग पत्र दिया था। और उसके बाद हुए उपचुनाव में वी पी सिंह के विरुद्ध पुन: अमिताभ बच्चन को बोफ़ोर्स की चुनौती स्वीकार करने हेतु पार्टी प्रत्याशी के रूप में खड़ा करने की इलाहाबद की जनता की अकांकक्षाओं के विरुद्ध सुनील शास्त्री जैसे कमज़ोर उम्मीदवार को खड़ा किया गया। यह इन्हीं सलाहकारों द्वारा लिया गया एक ऐसा ग़लत फ़ैसला था जिसके परिणाम स्वरूप देश में गठबंधन सरकारों का दौर चला। तभी से देश में अनेक क्षेत्रीय राजनैतिक दल बने और कांग्रेस के वोट अनेक क्षेत्रीय दलों में समाहित हो गये। आज वही सलाहकार नेतृत्व पर प्रवचन दे रहे हैं ? उधर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में जहां कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही थी, प्रियंका गाँधी की मेहनत,उनके जुझारूपन व पूर्णकालिक सक्रियता की वजह से वहां कांग्रेस चर्चा में आई। राज्य में नये सिरे से संगठन खड़ा हुआ, लोगों में कांग्रेस से उम्मीदें जगीं। परन्तु अपेक्षित सीटें न मिल पाने के लिये नेतृत्व को ज़िम्मेदार ठहराने के बजाये संगठन की ख़ामियों को देखना चाहिये और यह काम दूसरी व तीसरी पंक्ति के नेताओं का है कि वे प्रियंका गाँधी द्वारा बनाये गये सकारात्मक वातावरण को वोट में बदलने के लिये समर्पित व ज़िम्मेदार कार्यकर्ताओं का नेटवर्क स्थापित करें और उनसे उनके सामर्थ्य के अनुसार बूथ स्तर तक यथा उचित काम लें।

इस पूरे प्रकरण में सबसे घटिया बयान दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित की ओर से आया। उनका मत है कि गाँधी परिवार ही नहीं बल्कि 90 प्रतिशत कांग्रेस प्रभारियों को भी कांग्रेस से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिये। आप फ़रमाते हैं कि कांग्रेस कार्यसमिति %येस मैन% ग्रुप बनकर रह गया है। इसलिये चमचे भले ही गाँधी परिवार के ख़िलाफ़ सवाल न उठायें परन्तु बाक़ी लोग तो उठाएंगे ही ? दरअसल संदीप दीक्षित जैसे नेता पुत्रों को ही आगे ला कर कांग्रेस का बेड़ा ग़र्क़ हो रहा है। दिल्ली के पिछले तीन विधान सभा चुनावों में संदीप दीक्षित ने अपने नेतृत्व का क्या करिश्मा दिखाया ? उनके पास शीला दीक्षित का पुत्र होने के अतिरिक्त और दूसरी योग्यता ही क्या है। परन्तु सत्ता से दूर रहने की बेचैनी में सूप तो सूप छलनी भी बोलने लगी हैं? नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जितनी सशक्त व मुखर विरोध की भूमिका राहुल गाँधी व प्रियंका गांधी ने निभाई है इतना मुखर विरोध करते देश का कोई नेता नहीं दिखाई दिया। कई बार इनके विरोध ने सत्ता को बैकफुट पर जाने के लिये भी मजबूर किया है। हम दो हमारे दो का कटाक्ष हो या चौकीदार पर प्रहार,राफ़ेल सौदे का विरोध हो या पेगासेस का प्रबल विरोध, ऐसे तमाम मुद्दों को संसद से सड़क तक अपनी पूरी क्षमता व सामर्थ्य के अनुसार राहुल गाँधी ने उठाया है। पिछले चुनाव में मोदी और उनके कई नेताओं ने जनता से %नमक% के बदले वोट माँगा जिसपर प्रियंका गाँधी ने ऐसी झाड़ लगाई कि मोदी फ़ौरन बैकफुट पर आ गये और चुनावी सभा में यह बोलते नज़र आये कि %नमक आपने नहीं नमक तो आपका मैंने खाया है%। यह साहस और हिम्मत केवल इसी परिवार के सदस्यों में देखा जा सकता है। इन्हें कोई पद्मश्री या पद्म भूषण अथवा मंत्री या मुख्यमंत्री का पद कांग्रेस व उसके सिद्धांतों से विमुख नहीं कर सकता।

देश इस समय सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के साथ साथ झूठ और दुष्प्रचार के दुर्भाग्यपूर्ण दौर से गुज़र रहा है। मीडिया सहित अनेक सरकारी संस्थायें सत्ता के समक्ष दण्डवत हैं। अपने विपक्षियों को डरा धमकाकर या लालच देकर उन्हें या तो अपने पक्ष में किया जा रहा है या ख़ामोश किया जा रहा है। कांग्रेस इस समय एक ऐसे अभूतपूर्व चुनौती काल से गुज़र रही है जिसमें पूरी कांग्रेस को एक मुट्ठी की तरह एकजुट होने तथा अपने कुंबे का विस्तार करने की ज़रुरत है न कि पार्टी छोड़ने के लिये नये नये बहाने तलाशने की। कांग्रेस में आज भी गाँधी नेहरू परिवार के सिवा भीड़ इकट्ठी करने वाला कोई नेता नहीं है। परन्तु जिन्हें सत्ता हासिल करने की जल्दी है उन्हें नित नये बहाने तलाशने से भी कोई रोक नहीं सकता।

हो जाता विवाद !

बनती कोई फिल्म है ।
हो जाता विवाद ।।
कुछ को मिलती खुशी ।
और कोई अवसाद ।।
नया नहीं ये किस्सा ।
बात हुई पुरानी ।।
हो कोई भी हिस्सा ।
है करनी निगरानी ।।
मनोरंजन के साथ-साथ ।
सजगता का ध्यान ।।
बने कहानी ऐसी ।
हो सबका सम्मान ।।
बेमतलब विवाद ।
नहीं है हर दम ठीक ।।
पर वह भी जरूरी ।
जो बिल्कुल सटीक ।।

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

जौनपुर में मनाया गया विश्व गौरैया दिवस

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में विश्व गौरैया दिवस के मौके पर रविवार को घर आंगन की शान छोटे पंक्षी गौरैया के संरक्षण की वकालत की गयी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने कहा है कि गौरैया का जीवन मानव जीवन को प्रेरणा देता है कि किस प्रकार से प्रसन्न भाव से परिवार ,समाज व् राष्ट्र की सेवा करें ।घरों में चहकने और फुदकने वाली गौरैया आज लुप्तप्राय हो गयी है , हमे इसे बचाने और इसकी संख्या बढ़ाने के लिए आगे आना होगा । डॉ मिश्र ने अपने गांव तेलीतारा स्थित आवास पर आयोजित गौरैया दिवस पर संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये कहा कि घर-घर में फुदक-फुदक कर चहकने वाली गौरैया संरक्षण के प्रति लोगों का जागरूक करना होगा। शहरीकरण तथा लोगो की जीवनशैली में बदलाव के कारण घर-घर में, गाँवों तथा छतों पर चहकने वाली गौरैया की संख्या में कुछ सालों में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि पहले घरों में रौशनदान, अटारी, टीन की छतें आदि बनाई जाती थी, जिनमें गौरैया अपना घोसला बनाती थी। जीवनशैली में बदलाव के कारण यह प्रजाति विलुप्त होती जा रही है। शहरों के बाहर खुले स्थल, बाग-बगीचों का कम होना एवं बढ़ती आबादी, शहरीकरण तथा वाहन प्रदूषण के कारण गौरैया की संख्या में कमी होती जा रही है। विज्ञान लेखक एवं सचिव भारतीय विज्ञान कथा लेखन समिति डॉ अरविंद मिश्र ने कहा कि प्रकृति की अनमोल धरोहर गौरैया को बचाने के लिए घोसलों की व्यवस्था करनी होगी ,तभी यह पंक्षी पुन: घर ,आंगन व् छतों पर चहचहाती दिखाई पड़ेंगी ।

बांके बिहारी मन्दिर वृन्दावन में दर्शन के समय में हुआ परिवर्तन

मथुरा। देश में विख्यात मथुरा स्थित बांकेबिहारी मन्दिर वृन्दावन में दर्शन करने के समय में बदलाव हो गया है। ग्रीष्म ऋतु की शुरूवात हो जाने के कारण राजभोग सेवा के लिए मन्दिर जल्दी खुलेगा तथा जल्दी ही बन्द होगा। मन्दिर के प्रबंन्धक मुनीश शर्मा ने बताया कि राजभोग सेवा के लिए मन्दिर 7.45 बजे खुलेगा तथा 7.55 पर श्रंगार आरती होगी। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में राजभोग आरती 11.55 पर होगी। इसी प्रकार शयनभोग सेवा में दर्शन का समय शाम साढ़े 5 बजे से साढ़े 9 बजे तक होगा। उनका कहना था कि शयनभोग आरती 9.25 बजे होगी।

आनन्द उत्सव से वृन्दावन का कोना कोना हुआ कृष्णमय

मथुरा। ब्रज के ऐतिहासिक बांकेबिहारी मन्दिर में 124वें आनन्द उत्सव की धूम मची हुई है। 18 मार्च से शुरू हुआ यह उत्सव एक अप्रैल तक चलेगा। मन्दिर को हर रोज नयी नवेली दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है, जिस प्रकार फूल बंगले में सजाया जाता है ।मन्दिर की प्रबंध समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय आनन्द किशोर गोस्वामी तो मन्दिर की सजावट स्वयं अपने हाथ से करते थे और प्राय: मन्दिर को सजाने में उनकी रात बीत जाती थी। इसके लिए देश में उपलब्ध फूलों के साथ ही विदेशों से भी फूल मंगाकर वे स्वयं श्रंगार करते थे लेकिन अदालत द्वारा फूलों की सजावट में रोक लग जाने के कारण अब मन्दिर को गुब्बारे आदि से ही सजाया जाता हैं तथा ठाकुर को अरोगने के लिए रोज उन्हें नाना प्रकार के व्यंजन अर्पित किये जा रहे हैं। साधुओं और संतों को रोज ठाकुर का राजभोग प्रसाद दिया जा रहा है इसकी मात्रा इतनी अधिक होती है कि हर संत का न केवल पेट भर जाय बल्कि उसके शाम के कलेऊ की भी व्यवस्था हो जाय। देहरी पूजन इस उत्सव की सबसे अधिक महत्वपूर्ण सेवा है ।मन्दिर के राजभोग सेवा अधिकारी ज्ञानेन्द्र किशोर गोस्वामी ने बताया कि देहरी पूजन द्वापर में मां यशोदा ने उस समय किया था जब कान्हा 'घुटुवन'' यानी घुटनोंके बल चलने लगे थे। उन्हें डर था कि देहरी को पार करते समय कान्हा को कहीं चोट न लग जाय इसलिए उन्होंने विधि विधान से देहरी का पूजन किया था। उन्होंने बताया कि देहरी पूजन में पहले देहरी का पंचामृत अभिषेक होता है ।उसके बाद देहरी को एक दर्जन से अधिक गुलाब जल से भरी केन से धोया जाता है तथा 108 इत्र की शीशियों में भरे इत्र से मन्दिर के जगमोहन के कपाट तथा कटघरे को आच्छादित किया जाता है। 11 या 21 अथवा 31 कलश का पूजन किया जाता है तथा एक मन से अधिक गुलाब एवं विदेशी पुष्पों को ठाकुर को अर्पित किया जाता है ।

उप्र सरकार देगी महिला एथलीटों को 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिला खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी खेल प्रतिभा को आगे लाने के लिये योगी सरकार अपने दूसरे कार्यकाल में 500 करोड़ रुपये की लागत से 'स्टेट टैलेंट सर्च एंड डेवलपमेंट स्कीम' शुरू करेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से रविवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक इस योजना के तहत महिलाओं में छुपी खेल प्रतिभा की खोज कर उसमें निखार लाया जायेगा। इसके लिये योजना के तहत चुनी गई महिला एथलीटों को 05 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। गौरतलब है कि योगी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में महिला खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए 19 जनपदों में 16 विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण के लिए 890 खिलाड़ियों को तमाम तरह की मदद कर प्रोत्साहित किया गया था। इसके लिए इन खिलाड़ियों को 44 छात्रावास की व्यवस्था करने के अलावा '21वें कामनवेल्थ गेम्स' में पदक जीतने वाले 18 खिलाड़ियों को पुरस्कार स्वरूप 2.60 करोड़ रुपये प्रदान किये गये थे। इसके अलावा '18वें एशियन गेम्स' में पदक विजेता 46 खिलाड़ियों को 3.90 करोड़ रुपये सरकार की ओर से प्रोत्साहन के तौर पर दिये गये। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने दलील दी कि योगी सरकार की इस कवायद का मकसद महिलाओं के लिए व्यापक पैमाने पर सकारात्मक बदलावों की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाना है। इसके तहत 'खेलो इंडिया अभियान' के तहत प्रदेश में केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से 37 नये स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। इससे युवाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने में प्रोत्साहन मिल सकेगा। खेलो इंडिया अभियान के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल से जुड़ी ढांचागत सुविधाओं का सृजन किया जा रहा है। 'खूब खेलो, खूब पढ़ो' पखवाड़े के दौरान प्रदेश में 186 खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों को 'खेल किट' देने के लिए दी जाने वाली 1000 रुपये की राशि को बढ़ाकर 2500 रुपये किया गया है।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने दिया पार्टी से इस्तीफा, उठाये केन्द्रीय नेतृत्व पर सवाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की हार का ठीकरा पार्टी नेतृत्व पर फोड़ते हुए रालोद के प्रदेश अध्यक्ष मसूद अहमद ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। अहमद ने शनिवार को एक खुले पत्र के माध्यम से इस्तीफा देते हुए रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी पर चुनाव में टिकट बेचने जैसे गंभीर आरोप भी लगाये। उन्होंने चुनाव में हार के लिये पार्टी नेतृत्व की गलत रणनीति को भी जिम्मेदार ठहराया। साथ ही चौधरी पर चुनाव में पार्टी के जिताऊ उम्मीदवारों को टिकट देने के बजाय पैसे के बल पर चुनाव लड़ने वालों को टिकट बेचने और दलित एवं अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर चुप्पी साधने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रालोद के चुनाव चिन्ह पर सपा के दस उम्मीदवार चुनाव लड़े लेकिन सपा के चुनाव चिन्ह पर रालोद का एक भी उम्मीदवार चुनाव मैदान में नहीं उतारा गया। जबकि चौधरी ने चुनाव से पहले दोनों दलों के उम्मीदवारों को एक दूसरे के चुनाव चिन्ह पर उम्मीदवार बनाने की बात कही थी। अहमद ने कहा कि रालोद अध्यक्ष अगर चाहें तो उन्हें पार्टी से निष्कासित कर सकते हैं लेकिन ऐसा करने से पहले उन्होंने जो सवाल उठाये हैं उनका जवाब जयंत चौधरी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 21 मार्च को विधायक दल की बैठक से पहले देना होगा। उन्होंने कहा कि अगर चौधरी ऐसा नहीं करते हैं तो उनके इस पत्र को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से उनका इस्तीफा समझा जाये।

सहारनपुर : अब एमएलसी चुनाव में होगी भाजपा-सपा में जोर आजमाइश

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के बाद अब स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की विधान परिषद सीट पर सदस्य पद (एमएलसी) पर चुने जाने के लिये होने जा रहे चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) एक बार फिर चुनावी मुकाबले के लिये तैयार हैं।

विधान परिषद की मुजफ्फरनगर सहारनपुर सीट सहित 36 सीटों के लिये दो चरण में होने वाले चुनाव के लिये दोनों प्रमुख पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। भाजपा ने वंदना मुदित वर्मा को उम्मीदवार बनाया है जबकि सपा ने मोहम्मद आरिफ को इस सीट पर टिकट दिया है।

सहारनपुर की एडीएम (प्रशासन) डा. अर्चना द्विवेदी ने रविवार को बताया कि विधान परिषद चुनाव के नामांकन की तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि 21 मार्च को नामांकन का अंतिम दिन है और 22 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नाम वापसी का अंतिम दिन 24 मार्च है। इसके बाद 09 अप्रैल को मतदान और 12 अप्रैल को मतगणना होगी।

गौरतलब है कि इस सीट पर विधान परिषद चुनाव में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर एवं शामली जनपदों के सांसद, विधायक, जिला पंचायत

सदस्य, मेयर, पार्षद, सभासद, प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्यों को मिलाकर कुल 5113 निर्वाचित प्रतिनिधि मतदान करेंगे। हाल ही में संपन्न हुए विधान सभा चुनाव में भाजपा ने सहारनपुर मंडल की 16 में से सात सीटों पर जीत दर्ज की है। बाकी नौ सीटों पर सपा गठबंधन प्रत्याशी विजयी हुए है।

भाजपा की प्रत्याशी वंदना वर्मा, वर्तमान में मुजफ्फरनगर की जिला पंचायत की सदस्य हैं। वह बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वर्गीय शशांक शेखर के भाई हैं मुदित वर्मा की पत्नी हैं।

सपा के उम्मीदवार मोहम्मद आरिफ को रालोद का भी समर्थन प्राप्त है। सपा और भाजपा के बीच इस चुनाव को लेकर दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना है।

आरिफ, कारोबारी हैं और उन्होंने 2017 में मुजफ्फरनगर की बुढ़ाना विधान सभा सीट से बसपा से टिकट मांगा था, लेकिन बसपा ने सईदा बेगम को अपना उम्मीदवार बना दिया। इसके बाद से आरिफ सपा से जुड़ गए।

भाजपा उम्मीदवार वंदना वर्मा सपा और बसपा की सरकारों में मुजफ्फरनगर की जिला सहकारी बैंक की अध्यक्ष रह चुकी हैं। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गई थी।

वंदना वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष पद का भाजपा से टिकट चाहती थी, लेकिन डा. वीरपाल निर्वाल को टिकट दे दिया गया था। वह विधान सभा चुनाव में भी मीरापुर सीट से भाजपा टिकट की दावेदार थी, लेकिन उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया गया। इस सीट से पूर्व में बसपा के महमूद अली, उनके भाई मोहम्मद इकबाल, चौधरी गजे सिंह और मुनव्वर हसन विधान परिषद सदस्य रह चुके हैं।

उप्र विधान परिषद चुनाव: सपा ने 35 उम्मीदवारों की सूची जारी की

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के मतदान से चुने जाने वाले विधान परिषद की 35 सीटों के लिये रविवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी।

पार्टी ने दो सीटें (बुलंदशहर और मेरठ-गाजियाबाद) अपने गठबंधन के सहयोगी दल रालोद के लिये छोड़ी हैं। इनके अलावा सपा ने मुरादाबाद बिजनौर सीट से अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय मलिक, रामपुर बरेली से मशकूर अहमद, बदायूं से सिनोज कुमार शाक्य, पीलीभीत शाहजहांपुर सीट से अमित कुमार, कानपुर फतेहपुर सीट से दिलीप सिंह उर्फ कल्लू और झांसी जालौन ललितपुर से श्याम सुंदर सिंह को टिकट दिया है।

गौरतलब है कि विधान परिषद की 35 सीटों पर 36 सदस्यों के निर्वाचन के लिये चुनाव आयोग द्वारा जारी चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक पहले चरण में 29 सीटों और दूसरे चरण में छह सीटों पर 09 अप्रैल को मतदान होगा। इन सीटों पर होने वाले मतदान में स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि मतदान करेंगे।

उम्मीदवारों की सूची में सपा ने इटावा फर्रुखाबाद सीट से हरीश कुमार, खीरी सीट से अनुराग वर्मा, लखनऊ उन्नाव सीट से सुनील कुमार सिंह, हरदोई से रजीउद्दीन, रायबरेली से वीरेन्द्र शंकर सिंह और सीतापुर सीट से अरुणेश कुमार को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा बहराइच सीट से अमर को और मुजफ्फरनगर सहारनपुर सीट से मोहम्मद आरिफ सपा के उम्मीदवार है।

सपा ने मथुरा एटा मैनपुरी सीट से चुने जाने वाले दो सदस्यों के लिये उदयवीर सिंह और राकेश को टिकट दिया है।

उदयवीर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी हैं। पार्टी ने अलीगढ़ से जसवंत सिंह को, आगरा फिरोजाबाद सीट से दिलीप सिंह, बांदा हमीरपुर सीट से आनंद कुमार त्रिपाठी, इलाहाबाद सीट से वासुदेव, गाजीपुर से भोलानाथ शुक्ला, जौनपुर से मनोज कुमार, वाराणसी से उमेश, मिर्जापुर सोनभद्र सीट से रमेश सिंह, आजमगढ़ मऊ सीट से राकेश कुमार को प्रत्याशी बनाया है।

बाराबंकी से राजेश कुमार, सुल्तानपुर से शिल्पा प्रजापति और प्रतापगढ़ से विजय बहादुर सपा के उम्मीदवार होंगे।

सपा ने दूसरे चरण वाली सीटों में गोरखपुर महाराजगंज से रजनीश, देवरिया से डा कफील खान, फैजाबाद सीट पर हीरालाल, गोण्डा से भानु कुमार त्रिपाठी, बलिया सीट से अरविंद गिरी और बस्ती सिद्धार्थनगर सीट से संतोष सनी को उम्मीदवार बनाया है।

होली पार्टी के चक्कर मे खजाना खुला छोड़ घर चलेगये डाकघर के प्रबन्धक व कर्मचारी

गाज़ीपुर। दुल्लहपुर का डाकघर बड़ी घटना से बची कहि न कही ग्रामीणों की सूझबूझ से बचा डाकघर का खजाना ।मालूम हो कि 19मार्च को दुल्लहपुर का डाकघर साढ़े पांच बजे तक खुला रहा ।जिसमे डाकघर के प्रबधक व कर्मचारी होली पर्व पर जमकर होली की दावत चली ।साढ़े पांच बजे सभी लोग जैसे तैसे कैश व डाकघर खुले छोड़ घर चले गए ।रात 10बजे जब ग्रामीणों की नजर डाकघर के खुले दरवाजे पर पड़ी हड़कंप मच गया ।तत्काल सूचना थानाध्यक्ष शैलेश मिश्रा को दिए तत्काल112 पीआरडी की दोनों वाहन,एसओ सहित पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई । जब डाकघर में मोबाइल के तीसरी नजर में पुलिस अंदर गई तो कैश व कम्प्यूटर चालू मिले लोगो मे चर्चा रही कि होली की जमकर पार्टी के बाद नशे में आधे दर्जन से अधिक कर्मचारी घर चले गए ।काफी मशक्कत के बाद डाकघर के जिला प्रबन्धक दिनेश शाह से बात हुई तो उन्होंने तत्काल एसपी रामबदन सिंह व सम्बंधित प्रबन्धक का मोबाइल से सूचना दिया गया। 1 घंटे बाद 10:30 बजे प्रबंधक बृजेश यादव ने पहुंचकर पुलिस को अपनी गलती बताई ।हालांकि थाना अध्यक्ष शैलेश मिश्रा ने डाकघर को अपना ताला मार कर एक चाबी प्रबंधक को और एक चाबी अपने पास रख लिए और उन्होंने उच्च अधिकारी को भी इसकी सूचना दी कि कल सारे लोगों की मौजूदगी में डाकघर खुलेगा ।

सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर दर्शन पूजन करेंगे भागवत

गाजीपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सरसंघचालक मोहन भागवत 23 मार्च को यहां सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर दर्शन पूजन करेंगे।

सिद्धपीठ के सूत्रों के अनुसार सरसंघचालक 23 मार्च को हथियाराम मठ में सिद्धपीठ के अधिष्ठात्री देवी वृद्धम्बिका देवी (बुढ़िया माई) के दर्शन पूजन करेंगे। इसके बाद वह सिद्धपीठ के 26वें पीठाधीश्वर व जूना अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज से मुलाकात करेंगे। श्री भागवत का सह निजी धार्मिक कार्यक्रम बताया जा रहा है। यात्रा के संबंध में जिले में कोई अधिकृत सूचना नहीं है लेकिन सिद्धपीठ पर उनके आगमन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

लगभग 700 वर्ष प्राचीन सिद्धपीठ के विभूषण से अलंकृत सिद्धपीठ

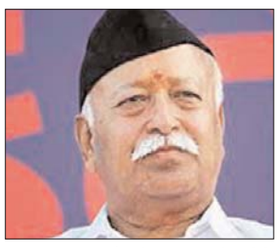

हथियाराम मठ के पीठ पर आसीन होने वाले संत यति सन्यासी कहे जाते हैं। इस गद्दी की परंपरा दत्तात्रेय, शुकदेव तथा शंकराचार्य से प्रारंभ होती है। मठ का प्रमाण सामान्य जनश्रुति, प्राचीन हस्तलिपि, लिखित पुस्तक तथा भारतीय इतिहास में मिलता है। श्री सिंह श्याम यति से इस पीठ की संत परंपरा प्रारंभ हुई। यह देश की प्रसिद्ध सिद्धपीठों में शुमार है। इस मठ की शाखाएं देश के कोने-कोने में फैली हुई है जिसके लाखों शिष्य हैं।

महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनन्दन यति 26वें पीठाधीश्वर के रूप में सिद्धपीठ हथियाराम की गद्दी पर हैं। सिद्धपीठ की कार्यपद्धति पर प्रकाश डालते हुए श्री यति जी ने कहाकि सिद्धपीठ हथियाराम मठ के ब्रह्मलीन गुरुजी लोग प्राचीन समय से 'भज सेवायाम' को मूल मंत्र मानते हुए समाज सेवा को भी भजन का ही स्वरूप मानते रहे।

मान्यता है कि सिद्ध पीठ हथियाराम मठ स्थित बृद्धम्बिका देवी (बुढ़िया माई) बुढ़िया माई के दर्शन मात्र से लकवा जैसे असाध्य रोगों से भी मुक्ति मिल जाती है।

प्राचीन काल मे घने जंगलों के बीच मिट्टी के चौरी के रूप में विद्यमान बुढ़िया माई की चौरी के आसपास हाथियों का झुण्ड, सिद्ध सन्तो की साधनास्थली सिद्धपीठ बनी।

भाजपा के संरक्षण में अपराधियों की दबंगई से आम आदमी परेशान : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दोबारा छल-बल से आई भाजपा के संरक्षण में अपराधियों ने बिना खौफ अपनी अवांछनीय गतिविधियां शुरू कर दी है जबकि प्रशासन तंत्र भी उन पर हाथ डालने से हिचकता है।

यादव ने रविवार को कहा कि भाजपा राज में पहले भी भय और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। अब तो दुबारा सत्ता में आने से असामाजिक तत्वों को अहंकारी नेतृत्व का भी साथ मिल गया है। भाजपा सरकार की वापसी पर दुद्धी सोनभद्र में होली पर बुलडोजर पर हुड़दंगियों ने बारात निकाली। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। राज्य में दोबारा

छल-बल से आई भाजपा सरकार से जनता की उम्मीदों पर पानी फिरा है और चारों ओर निराशा का कोहराम है। अभी तो शपथ भी नहीं हुई।

आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया है।

उन्होने कहा कि गाजियाबाद में होली के दिन घर में घुस कर साहिबाबाद क्षेत्र में 11वीं की छात्रा से गैंगरेप की घटना प्रकाश में आई है। छात्रा जब थाने में शिकायत दर्ज कराने गई तो उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। यही नहीं, उसके साथ अभद्रता भी की गई।

भाजपा के झूठे वादों से परेशान होकर बुन्देलखण्ड के किसान और युवा आत्महत्या को मजबूर हैं। 71 दिनों में 76 लोगों ने खुदकुशी की है। न युवाओं को रोजगार, न ही किसानों को उनकी उपज का दाम मिलने की उम्मीद है। खुदकुशी करने वालों में छात्र, नौजवान, बेरोजगार, किसान, महिलाएं तथा अन्य कई वर्गों के लोग है। किसान एवं नौजवान की तो बद से बद्त्तर स्थिति है। पीड़ित परिवारों की मदद भी नहीं की जा रही है। भाजपा सरकार पूर्णतया असंवेदनशील है।

कानपुर में तीन बच्चे गंगा में डूबे, सीएम ने दिये हर संभव मदद के निर्देश

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में तीन लोगों के गंगा नदी में डूबने की घटना पर कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त करते हुए स्थानीय प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने एवं पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिये हैं। कानपुर के महाराजगंज में शनिवार को गंगा में नहाने गये कुछ बच्चों और युवकों के डूबने की घटना में तीन लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, जबकि तीन अन्य को नदी से सुरक्षित

निकाल लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार को इस घटना पर संज्ञान लेते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने इस दुर्घटना में बच्चों के डूबने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को दुर्घटना के प्रभावितों को हर सम्भव मदद प्रदान करने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही जिला प्रशासन को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने को भी कहा है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक कानपुर जिले में महाराजपुर थाना अंतर्गत नागपुर गांव के बच्चे साक्षी (11), कुमकुम (15), अरविंद (10) शिवा (11) श्याम सुंदर (25) और दिनेश (26) गंगा में नहाने गये थे। नहाते समय ये सभी लोग गहरे पानी की ओर चले गये। इन्हें नदी में डूबते देख आसपास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने तत्काल बचाने की कोशिश की।

इनमें से कुमकुम, शिवा और अरविंद को बचा लिया गया, लेकिन दिनेश, श्याम सुंदर और साक्षी का अभी तक पता नहीं चल सका है। महाराजपुर थाने की पुलिस एवं गोताखोरों द्वारा इन तीनों की तलाश जारी है।

इटावा में बेटी ने किया पिता का अंतिम संस्कार

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले मे एक बेटी ने सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ बेटे का धर्म निभाकर अपने पिता का अंतिम संस्कार कर एक बडा संदेश दिया है । उसराहार थाना इलाके के सरसईनावर में पिता की अंतिम इच्छा को पूरा करने के लिए बेटी ने न सिर्फ उनकी अर्थी को कंधा दिया बल्कि मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार करके रुढ़िवादी परंपराओं को आइना दिखाया। सरसईनावर के संतशरन कठेरिया का 74 वर्ष की उम्र में बीमारी के चलते सैफई मेडिकल यूनीवसिर्टी मे इलाज के दौरान निधन हो गया था। होली का त्योहार होने के कारण इसी दिन उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी चार बेटियां सीता ,चित्रा,नीलम और पूनम है जिनमें दो सीता और चित्रा सरकारी शिक्षिका हैं। कोई पुत्र न होने के संतशरन की इच्छा थी कि उनके शव का अंतिम संस्कार उनकी पुत्री ही करे, हालांकि इसको लेकर परिवार में मतभेद शुरू हो गया था। यहां तक कि शव को कंधा देने और मुखाग्नि को लेकर लोगों ने आपत्ति जताई लेकिन उनकी छोटी पुत्री पूनम ने इसकी परवाह न करते हुए पिता की अंतिम इच्छा को पूरा करने का जिम्मा उठाया और शव को कंधा ही नहीं दिया बल्कि श्मशान घाट जाकर अंतिम संस्कार के समस्त क्रियाओं को पूरा करते हुए पिता के शव को मुखाग्नि भी दी। पूनम का कहना है कि उसको सामाजिक रीति-रिवाजों से ज्यादा अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने की चिंता थी। पिता एयरफोर्स से सेवानिवृत्त हुए थे।

आवारा पशु के चलते हुई हत्या सरकार नहीं दे रही कोई ध्यान

ढखेरवा खीरी। क्षेत्र के लौखनिया निवासी एक किसान को सोते समय ट्रक ने रौंद दिया। किसान छुट्टा जानवरों से खेत को बचाते के लिये गया था। रात भर जागने के बाद सुबह 4 बजे वह खेत के पास ही सड़क किनारे चारपाई डालकर सो गया था। उसके बाद हादसा हो गया। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के लौखनिया निवासी परसू भार्गव शुक्रवार रात अपने घर से खेत पर छुट्टा जानवरों से गेंहू की फसल को बचाने गये थे। रातभर जागने के बाद रास्ते के किनारे चारपाई डालकर भारे में सो गए। सुबह करीब 4 बजे भूलनपुर बी सेन्टर के पास गन्ने से लदा ट्रक गुलरिया चीनी मिल को जा रहा था। तभी चालक ने ट्रक मोड़ते समय किसान को चपेट में ले लिया। मौके पर ही किसान की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला, घटना की जानकारी होते ही मौके पर भीड़ गाँव वालों की भीड़ जमा हो गयी घटना की सूचना पर घरवाले भी मौके पर चीखते चिल्लाते मौके पर पहुंच गए, घटना से परिवार में मातम से छह गया।

सशक्त भारत का हिस्सा है स्वस्थ भारत अभियान : योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वस्थ भारत अभियान, सशक्त भारत अभियान का ही हिस्सा है। इसे लेकर सभी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों और आमजन को सरकार के कार्यक्रमों से जुड़ना होगा। सब लोग एकसाथ सामूहिकता की भावना से जुड़ेंगे तो इसके सफल व सार्थक परिणाम आएंगे।

जिला महिला अस्पताल के सामने स्थित परिसर में रविवार को पल्स पोलियो अभियान के शुभारंभ अवसर पर श्री योगी ने रविवार को पांच बच्चों को अपने हाथ से पोलियोरोधी ड्राप पिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 12 वर्ष पूर्व ही पोलियो की समस्या पर समाधान प्राप्त कर लिया है। इन 12 वर्षों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान समेत कुछ देशों में पोलियो के मामले सामने आए हैं। बीमारी संक्रामक होने के नाते जब तक वायरस दुनिया से समाप्त नहीं हो जाता, खतरा बना रहता है। इसलिए पूरी दुनिया में पोलियो उन्मूलन होने तक हमें सार्थक प्रयास करते रहना होगा।

उन्होंने कहा कि पोलियो की चपेट में जो बच्चे जिंदगी भर के लिए स्थाई विकलांगता के शिकार हो जाते हैं, उनके व उनके परिवारों पर क्या बीतती होगी। इसलिए सरकार पोलियो उन्मूलन अभियान को तब तक जारी रखेगी जब तक पूरी दुनिया से यह बीमारी खत्म नहीं हो जाती।

श्री योगी ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के तहत प्रदेश में पांच वर्ष तक के 3.80 करोड़ बच्चों को दो बूंद जिंदगी की (पोलियोरोधी ड्राप) पिलाई जाएगी। इतने बच्चों को बीमारी से सुरक्षा कवर देने के लिए 1.10 लाख बूथ बनाए गए हैं, साथ ही 76 हजार सचल टीमें लगाई गई हैं। जो नई पीढ़ी हमारे बीच आ रही है, हम इस अभियान को सफल बनाकर उसका बचाव करने में सक्षम होंगे।

उन्होने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के अलावा बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए मिशन इंद्रधनुष भी चलाया जाता है। मासूमों को पूरा टीकाकरण कवरेज समय पर देना होगा। यह हरेक बच्चे का अधिकार है, तो हम सभी का दायित्व भी। सीएम योगी ने धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं एवं जागरूक लोगों से अपील की कि वे पल्स पोलियो अभियान में अपना योगदान दें।

सीएम योगी ने इंसेफलाइटिस पर प्रभावी नियंत्रण का श्रेय अंतर विभागीय समन्वयन की ताकत को देते हुए पल्स पोलियो अभियान व अन्य कार्यक्रमों में भी इसकी आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 40 वर्षों में 50 हजार मासूम इंसेफलाइटिस की चपेट में आकर असमय काल कवलित हो गए थे। हमने 4 वर्ष में इसके उपचार व संपूर्ण उन्मूलन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए। इंसेफलाइटिस से होने वाली मौत के आंकड़े 95 फीसद तक नियंत्रण में हैं, अब इसके संपूर्ण उन्मूलन का अवसर है। इंसेफेलाइटिस पर नकेल कसने में स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों के सामूहिक प्रयास, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने शौचालय व मजबूत हुए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़ा योगदान है।

उन्होने कहा कि सामूहिकता के बल पर %फोर टी% (ट्रेस, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण) फॉर्मूले को अपनाकर उत्तर प्रदेश वैश्विक महामारी कोरोना के प्रबंधन में पूरे देश में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के दस्तक के दौरान मार्च 2020 में यूपी में आरटीपीसीआर जांच की सुविधा नहीं थी जबकि आज प्रदेश के हर जिले में आरटीपीसीआर लैब है। आज प्रतिदिन चार लाख आरटीपीसीआर जांच की क्षमता है। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक जांच व वैक्सीन देने वाला राज्य है। उपचार के लिए सर्वाधिक बेड्स व सुविधाएं यूपी के पास हैं। पहले 36 जिलों के वेंटिलेटर नहीं थे, आज हर जनपद में हैं।

सीएम ने कहा कि प्रदेश में 29.60 करोड़ कोविड वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। अब तो 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। कोरोना पर नियंत्रण के लिए इन्होंने इसमें लगे अलग अलग विभागों के कोरोना वारियर्स की तारीफ की तो प्रबंधन में मार्गदर्शन करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुक्तकंठ से सराहना।

उन्होने कहा कि बीते पांच साल में यूपी का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर काफी मजबूत हुआ है। एक समय तक इंसेफेलाइटिस से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश में इलाज का एकमात्र केंद्र बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही था, वह भी जर्जर हालत में। आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी सुविधा है, बाल रोग संस्थान है। गोरखपुर में एक हजार बेड्स की सुविधा वाला एम्स शुरू हो गया है। बस्ती, देवरिया, सिद्धार्थनगर में मेडिकल कॉलेज शुरू हो गए हैं। कुशीनगर में निर्माणाधीन है। महराजगंज में बनने जा रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों को भी मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज बन गए हैं, बनाए जा रहे हैं या बनाए जाएं

शार्ट न्यूज

मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड में गिरावट

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी सुस्ती से भाव गिरावट लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल सस्ता बिका। तिलहनों में लिवाली रही इससे भाव मजबूत रहे। कपास्या खली में तेजी दर्ज की गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1630 से 1650 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1580 से 1600 रुपये होकर थमा। सोयाबीन रिफाइंड 1590 से 1600 रुपये पर खुलकर 1545 से 1550 रुपये बिका। पाम तेल 1640 से 1645 रुपये खुलकर 1575 से 1580 रुपये होकर पर बंद हुआ।
तिलहन जिन्सों में भाव ऊपर-नीचे हुए। सप्ताहांत सरसो सोयाबीन में मांग बताई गई। खली में नरमी रही।

मसूर महंगी, दालों में मिश्रित रंगत

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के साथ सप्ताहांत दलहन जिन्सों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। मसूर बढ़कर बिका। इस दौरान दालों के भाव भी ऊपर-नीचे हुए। रवा- मैदा में मांग बढ़ी रही इससे भाव ऊंचे बोले गए। चावल में पूछपरख से तेजी रही। बासमती चावल 800 रुपये और पोहा में 400 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गई।सप्ताहांत चना कांटा 5100 से 5125 रुपये खुलने के बाद इसी स्तर पर बंद हुआ। मूंग 7200 से 7400 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 6000 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 7200 से 7400 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार के प्रथम दिन तुअर 5400 से 6700 रुपये खुलने के बाद शनिवार को 5500 से 6700 रुपये प्रति क्विंटल बिकी। उड़द 6800 से 7000 के बाद 6800 से 7000 रुपये होकर बंद हुई। मसूर 6100 से 6125 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 6200 से 6250 रुपये होकर प्रति क्विंटल बिकी। दालों में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। सप्ताहांत मसूर दाल घटकर बिकी। चावल तथा पोहा में ग्राहकी सुधार लिए रही। बासमती चावल में 10 रुपये प्रति किलो बढ़े।

शक्कर सस्ती, खोपरा गोला के भाव में तेजी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर सस्ती बिकी। खोपरा गोला में पूछपरख बताई गई इससे भाव मजबूत रहे। नारियल में तेजी के बाद नरमी दर्ज की गई। साबूदाना में भाव ऊंचे बने रहे। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3520 से 3570 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3500 से 3550 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 07 से 08 गाड़ी की रही। गुड़ में ग्राहकी से भाव मजबूती लिए बताए गए। नारियल में तेजी दर्ज की गई। खोपरा गोला 205 से 225 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुलकर 205 से 230 पर थमा। हल्दी 115 से 175 रुपये की रंगत लिए रही। खोपरा बूरा में लिवाली सुधरी रही इसमें कामकाज 2425 से 4300 रुपये प्रति 15 किलोग्राम पर चला। साबूदाना में उठाव बढा बताया गया। इससे सौदे 4300 से 5200 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर चले।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण के लिए सुजुकी करेगी 104.4 अरब का निवेश, गुजरात से किया करार

नई दिल्ली। जापान की वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमसी) भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और बैटरी के स्थानीय विनिर्माण के लिए 104.4 अरब रुपए का निवेश करेगी और इसके लिए उसने गुजरात के साथ करार किया है। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि उसने 19 मार्च 2022 को यहां आयोजित भारत-जापान आर्थिक मंच में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में गुजरात राज्य के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। वह इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के स्थानीय विनिर्माण के लिए 10,440 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। उसने बताया कि एसएमसी सुजुकी मोटर गुजरात में इलेक्ट्रिक वाहनों की विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए वर्ष 2025 में 31 अरब रुपए और इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी विनिर्माण का एक संयंत्र स्थापित करने के लिए 7300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। साथ ही वाहनों के रीसाइक्लिंग संयंत्र निर्माण के लिए वर्ष 2028 में 45 करोड़ रुपए निवेश करने की भी योजना है। एसएमसी के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशिहीरो सुजुकी ने कहा, छोटी कारों के साथ कार्बन तटस्थता हासिल करना एसएमसी का भविष्य का मिशन है। आत्मनिर्भर भारत के लिए हमलोग भारत में लगातार निवेश कर रहे है। इस मौके पर तोशीहिरो सुजुकी, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी केनिची आयुकावा के साथ ही भारत और जापान के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कीमती धातुओं में मिलजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर मांग बने रहने से बीते सप्ताह सोना 147 रुपए प्रति दस ग्राम चढ़ गया वहीं चांदी 1130 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 42.39 डॉलर प्रति औंस गिरकर सप्ताहांत पर 1937.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 46.4 डॉलर प्रति औंस टूटकर 1938.20 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर भी 0.42 डॉलर प्रति औंस उतरकर 25.22 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में मांग निकलने से सप्ताहांत पर सोना 147 रुपये चढ़कर 51602 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। वहीं, सोना मिनी 882 रुपये उतरकर 51555 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 1130 रुपये की बड़ी गिरावट लेकर 68510 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वहीं, चांदी मिनी 129 रुपये महंगी होकर 68659 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

खाद्य तेलों में उबाल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में टिकाव के बावजूद स्थानीय स्तर पर होली की मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल 1392 रुपए प्रति क्विंटल उबल गया। तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 7093 रिंगिट प्रति टन पर स्थिर रहा। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी सप्ताहांत पर 74.72 सेंट प्रति पाउंड पर टिका रहा। सप्ताहांत पर मूंगफली तेल 1392 रुपए, पाम ऑयल 733 रुपए, वनस्पति तेल 733 रुपए, सरसों तेल 439 रुपए, सूरजमुखी तेल 293 रुपए और सोया रिफाइंड 219 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 19780 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20366 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 17948 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 16849 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 18168 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दाल-दलहन : बीते सप्ताह उठाव मजबूत रहने से दाल-दलहन के बाजार में तेजी रही। सप्ताहांत पर चना 50 रुपए, दाल चना 50 रुपए, मसूर दाल 100 रुपए, उड़द दाल 100 रुपए और अरहर दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि मूंग दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर चना 4750-4850, दाल चना 5850-5950, मसूर काली 8800-8900, मूंग दाल 8750-8850, उड़द दाल 9350-9450, अरहर दाल 8100-8200 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : बीते सप्ताह अनाज के बाजार में टिकाव रहा।

भगवान विष्णु की प्राचीन मूर्ति जब्त

नयी दिल्ली। बेंगलुरु सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने कांस्य निर्मित भगवान विष्णु की मूर्ति जब्त की है, जिसका वजन 22.5 किलोग्राम है। मूर्ति को मलेशिया भेजने का प्रयास किया जा रहा था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने बेंगलुरु सीमा शुल्क विभाग के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि भारतीय सीमा शुल्क विभाग कार्य पर है। बेंगलुरु सीमा शुल्क विभाग ने सीबीआईसी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को टैग करते हुए ट्वीट में लिखा कि सीआईयू-एसीसी के अधिकारियों ने एक कांस्य की प्राचीन विष्णु की मूर्ति जब्त की है, जिसका वजन 22.5 किलोग्राम और आकार 62.5 28 20 सेंटीमीटर है। इस मूर्ति को मलेशिया भेजने का प्रयास किया जा रहा था। एएसआई ने इसे पुरावशेष और कला निधि अधिनियम, 1972 के तहत प्रमाणित किया है।

शेयर बाजार में 2314 अंक की साप्ताहिक उछाल

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक बाजार के सकारात्मक संकेत और स्थानीय स्तर पर हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह शेयर बाजार ने 2314 अंक की छलांग लगाई।
बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 2313.63 अंक उछाल लेकर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 57863.93 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 655.6 अंक चढ़कर सप्ताहांत पर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 17286.05 अंक पर पहुंच गया।
समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों के प्रति भी निवेशकों की निवेश धारणा मजबूत रही। सप्ताहांत पर मिडकैप 514.66 अंक की तेजी के साथ 23824.61 अंक और स्मॉलकैप 565.02 अंक मजबूत होकर 27706.32 अंक पर रहा।
विश्लेषकों के अनुसार, नीचे भाव पर हुई लिवाली से बीते सप्ताह शेयर बाजार गुलजार रहा और अगले सप्ताह भी बाजार में तेजी का रुख रह सकता है। हालांकि बाजार की दिशा निर्धारित करने में वैश्विक कारकों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।
बीते सप्ताह शुक्रवार को होली पर

अवकाश के कारण शेयर बाजार में चार दिन कारोबार हुआ, जिसमें मंगलवार को गिरावट रही। वैश्विक स्तर के मिश्रित संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर बैंकिंग, वित्त, आईटी और टेक समूह की कंपनियों में हुयी लिवाली के बल पर शेयर बाजार में सोमवार को तेजी बनी रही।
सेंसेक्स 935.72 अंकों की तेजी के साथ 56 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 56486.02 अंक पर और निफ्टी 240.85 अंकों की बढ़त के साथ 16871.85 अंक पर पहुंच गया।
वहीं, वैश्विक स्तर पर हुयी तीव्र गिरावट के साथ ही घरेलू स्तर पर धातु, तेल एवं गैस, आईटी, टेक , पावर और एनर्जी जैसे समूहों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार की तेजी पर मंगलवार को ब्रेक लग गया। सेंसेक्स 709.17 अंक टूटकर 55776.85 अंक पर और निफ्टी 208.30 अंक उतरकर 16663 अंक पर रहा।
वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा लिवाली के बल पर बुधवार को शेयर बाजार में तूफानी तेजी दर्ज की गयी। सेंसेक्स 1039.80 अंकों की बढ़त के साथ 56816.65 अंक पर और निफ्टी 312.35 अंक उछलकर 16975.35 अंक पर रहा।
होली के अवसर पर दो सत्रों में हुयी जबरदस्त लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार गुलाबी हो गया और इस दौरान निवेशकों ने 8.71 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमायी की। सेंसेक्स 1047.28 अंकों की बढ़त के साथ 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 57863.93 अंक पर और निफ्टी भी 311.70 अंकों की तेजी के साथ 17286.05 अंक पर पहुंच गया।

पेट्रोल, डीजल के दाम 136 वें दिन भी स्थिर

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल और डीजल के दाम इस प्रकार रहे

महानगर.....पेट्रोल.....डीजल (रुपए प्रति लीटर)

दिल्ली.....95.41..... 86.67
कोलकाता .....104.67.....89.79
मुंबई .....109.98.....94.14
चेन्नई.....101.40.....91.43

नयी दिल्ली। रूस यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण कच्चे तेल की कीमतों में हो रहे उतार चढ़ाव के बीच देश में आज लगातार 136 वें दिन पेट्रोल और डीजल के दाम यथावत बने रहे।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में शनिवार के मुकाबले आज आंकड़ो में कोई परिवर्तन ना होते हुए लंदन ब्रेंट 107.93 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 2.06 प्रतिशत चढ़कर 105.10 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।
केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: पांच और 10 रुपये घटाने की घोषणा के बाद 04 नवंबर 2021 को ईंधन की कीमतों में तेजी से कमी आई थी। इसके बाद राज्य सरकार के मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करने के फैसले के बाद राजधानी दिल्ली में भी वैट को कम करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद राजधानी में 02 दिसंबर 2021 को पेट्रोल लगभग आठ रुपये सस्ता हुआ था। डीजल की भी कीमतें हालांकि जस की तस बनी रहीं। केंद्र द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद अधिकांश राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी पेट्रोल और डीजल पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम कर दिया था, जिससे आम आदमी को काफी राहत मिली थी।
हालांकि पांच राज्यों मे हुये विधानसभा चुनावों के बाद इन दोनों प्रमुख ईंधन की कीमतों में बढोतरी की उम्मीद की जा रही है लेकिन अब होली के बाद इनकी कीमतों में बढोतरी की संभावना है। यूरोप और अमेरिका द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाये जाने के बीच देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कार्पोरेशन ने हाल ही में रूस से कच्चे तेल की खरीद की है। रूस अभी अन्य तेल उत्पादक देशों की तुलना में कम कीमत पर कच्चे तेल की बिक्री कर रहा है।
पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के स्टार्टअप समूह पर छापेमारी, 224 करोड़ रुपये के काले धन का पता लगाया

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के पुणे और ठाणे के एक यूनिकॉर्न स्टार्टअप समूह पर हाल में छापेमारी की थी जिसके बाद विभाग ने लगभग 224 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति का पता लगाया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से रविवार को यह जानकारी दी गई। विभाग ने एक बयान में कहा कि छापेमारी की कार्रवाई नौ मार्च को महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 23 परिसरों पर की गई। इसमें बताया गया कि यह समूह निर्माण सामग्री की थोक और खुदरा बिक्री का काम करता है और इसका सालाना 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार है। अब तक एक करोड़ रुपये का अघोषित नकदी और 22 लाख रुपये के आभूषण बरामद किए गए हैं। बयान के मुताबिक, यह पाया गया कि समूह ने खातों में फर्जी फर्जी खरीदारी दर्ज की। इसके अलावा समूह ने बेहिसाबी नकदी जमा की। सीबीडीटी ने कहा, ये साक्ष्य सामने रखकर समूह के निदेशकों से पूछताछ की गई जिसमें उन्होंने विभिन्न आकलन वर्षों में 224 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय का खुलासा किया। उन्होंने इसके बाद बकाया कर देनदारी के भुगतान की पेशकश की। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि समूह ने मॉरीशस मार्ग से काफी ऊंचे प्रीमियम पर शेयर जारी कर विदेशी कोष भी जुटाया। सीबीडीटी ने कहा कि मुंबई और ठाणे की मुखौटा कंपनियों के एक जटिल हवाला नेटवर्क का भी पता चला है।

रिलायंस का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2.72 लाख करोड़ रुपये का जबर्दस्त उछाल आया। वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख के बीच यहां भी जोरदार लिवाली से सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में अच्छी-खासी वृद्धि हुई। छुट्टियों वाले कम कारोबारी सत्रों के सप्ताह में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,313.63 अंक या 4.16 प्रतिशत के लाभ में रहा। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 656.60 अंक या 3.95 प्रतिशत चढ़ गया। व्यापाक बाजार में तेजी के रुख के बीच सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2,72,184.67 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 54,904.27 करोड़ रुपये बढ़कर 16,77,447.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 41,058.98 करोड़ रुपये बढ़ा।

चालू वित्त वर्ष में मक्के का निर्यात 81.63 करोड़ डॉलर का हुआ

एजेंसी

नयी दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के दायरे में आने वाली वस्तुओं के तहत मक्का महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा अर्जक के रूप में उभरा है। चालू वित्त वर्ष के प्रथम दस माह में मक्के का निर्यात 81.63 करोड़ डॉलर का हुआ, जो वित्त वर्ष 2020-21 में कुल 63.48 करोड़ डॉलर का था।
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने रविवार को विज्ञप्ति जारी करके बताया कि विश्व स्तर पर अनाज की रानी के नाम से पहचाने जाने वाले मक्के का वित्त वर्ष 2019-20 के मुकाबले निर्यात छह गुना बढ़ गया है, जो उस वर्ष 14.28 करोड़ डॉलर था। कोविड 19 महामारी से जन्मी चुनौतियों के बावजूद पिछले तीन वर्षों में कुल 159.37 करोड़ डॉलर के मक्के का निर्यात हुआ है।
एपीडा के चेयरमैन डॉ एम अंगामुथु ने कहा,कृषि-निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि को सरकार की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा सकता है, जो कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और मूल्य श्रृंखला में सुधार के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने का प्रयास कर रही है।
भारत से बंगलादेश और नेपाल जैसे पड़ोसी देश मक्के के सबसे बड़े अयातक हैं। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-जनवरी) तक बंगलादेश 34.55 करोड़ डॉलर के मक्के का आयात कर चुका है। इस अवधि में नेपाल ने 13.21 करोड़ डॉलर के मक्के का आयात किया है।
मंत्रालय की नए बाजारों की तलाश करने और विविधता लाने की पहल के साथ, वियतनाम मक्के के निर्यात के लिए एक प्रमुख देश के रूप में उभरा है।
भारत ने चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-जनवरी) तक वियतनाम को 24.42 करोड़ डॉलर का मक्का निर्यात किया। इसके साथ ही मलेशिया, म्यांमार, श्रीलंका, भूटान, ताइवान, ओमान आदि अन्य प्रमुख आयातक देश हैं।

डीजल की कीमतों में 25 रुपये प्रति लीटर का इजाफा, मुंबई में 122 रुपये के पार पहुंचा दाम

एजेंसी

नई दिल्ली। थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल कीमतों में 25 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थोक ग्राहकों को बिक्री वाला डीजल 25 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 40 प्रतिशत के उछाल के बाद यह कदम उठाया गया है। हालांकि, पेट्रोल पंपों के जरिए बेचे जाने वाले डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।
इस महीने पेट्रोल पंपों की बिक्री में 20 प्रतिशत का उछाल आया है। बस बेड़े के परिचालकों और मॉल जैसे थोक उपभोक्ताओं ने पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदा है। आमतौर पर वे पेट्रोलियम कंपनियों से सीधे ईंधन की खरीद करते हैं। इससे ईंधन की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनियों का नुकसान बढ़ा है। सबसे अधिक प्रभावित नायरा एनर्जी,

जियो-बीपी और शेल जैसी कंपनियां हुई हैं। बिक्री बढ़ने के बावजूद इन कंपनियों ने अभी तक मात्रा में कमी नहीं की है। लेकिन अब पंपों के लिए परिचालन आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रह जाएगा।

करनी पड़ सकती है जेब ढीली

मामले की जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने कहा कि रिकॉर्ड 136 दिन से ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है जिसकी वजह से कंपनियों के लिए इन दरों पर अधिक ईंधन बेचने के बजाय पेट्रोल पंपों को बंद करना अधिक व्यावहारिक विकल्प होगा।
वर्ष 2008 में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बिक्री घटकर शून्य पर आने के बाद अपने सभी 1,432 पेट्रोल पंप बंद कर दिए थे।सूत्रों ने कहा कि कुछ यही स्थिति आज भी बन रही है। थोक उपभोक्ता पेट्रोल पंपों से खरीदारी कर रहे हैं। इससे इन रिटेलरों का घाटा बढ़ रहा है।
मुंबई में थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल का दाम बढ़कर 122.05 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पेट्रोल पंपों पर डीजल 94.14 रुपये प्रति लीटर के भाव बिक रहा है। इसी तरह दिल्ली में पेट्रोल पपों पर डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर है जबकि थोक या औद्योगिक ग्राहकों के लिए इसकी कीमत 115 रुपये प्रति लीटर है।
सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने चार नवंबर, 2021 से पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं। हालांकि, इस दौरान वैश्विक स्तर पर ईंधन कीमतों में उछाल आया है। माना जा रहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई।
विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आ गए हैं, लेकिन उसके बाद भी संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की वजह से फिलहाल कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। थोक उपभोक्ताओं के लिए दरों और पेट्रोल पंप कीमतों में 25 रुपये के बड़े अंतर की वजह से थोक उपभोक्ता पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीद रहे हैं। वे पेट्रोलियम कंपनियों से सीधे टैंकर बुक नहीं कर रहे हैं। इससे पेट्रोलियम कंपनियों का नुकसान और बढ़ा है।
नायरा एनर्जी ने इस बारे में भेजे गए ई-मेल का जवाब नहीं दिया। जियो-बीपी ने कहा कि खुदरा आउटलेट्स पर मांग में भारी वृद्धि हुई है। खुदरा और औद्योगिक मूल्य में 25 रुपये प्रति लीटर के अंतर की वजह से थोक उपभोक्ता भी खुदरा पेट्रोल पंपों से खरीद कर रहे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन में कोविड की स्थिति से तय होगी शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन में कोविड-19 की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि सप्ताह के दौरान कोई बड़ा घरेलू घटनाक्रम नहीं है, इसलिए बाजार की दिशा वैश्विक रुख से तय होगी।
विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह भी शेयर बाजारों में तेजी का सिंलसिला जारी रहेगा, क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) आक्रामक तरीके से निवेश कर सकते हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, वैश्विक मोर्चे पर किसी बड़ी गतिविधि के अभाव में बाजार की दिशा रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन में कोविड की स्थिति तथा कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। इसके अलावा बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और तेज होने तथा चीन में कोविड-19 की स्थिति खराब होने पर यहां भी धारणा प्रभावित होगी।
स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, हमारा बाजार अन्य उभरते बाजारों की तुलना में बेहतर आकार में है। हमने निचले स्तर पर मजबूत सुधार देखा है। ऐसे में एफआईआई शायद यह मान सकते हैं कि उन्होंने कुछ मौका गंवाया है। इसके चलते एफआईआई भारतीय बाजारों में आक्रामक तरीके से वापस आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाजार यह पहले ही मान चुका है कि रूस-यूक्रेन का मुद्दा जल्द समाप्त हो सकता है। लेकिन इस मुद्दे से जुड़ी खबरों पर सभी की निगाह रहेगी और बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,313.63 अंक या 4.16 प्रतिशत चढ़ गया। शुक्रवार को होली पर बाजार बंद थे।
सैमको सिक्योरिटीज में इक्विटी शोध प्रमुख येशा शाह ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में स्थानीय बाजारों की दिशा वैश्विक रुख से तय होगी।
उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम भारत का वृहद रुख तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की निगाह रहेगी।
कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. के इक्विटी प्रमुख हेमंत कनावाला ने कहा, हमारा मानना हे कि बाजार निकट भविष्य में एकीकरण के चरण में रहेगा। निवेशकों की निगाह वैश्विक घटनाक्रमों तथा आगामी तिमाही नतीजों के सीजन पर रहेगी।

रॉकेट की तरह बढ़ी राकेश झुनझुनवाला की संपत्ति

नई दिल्ली। दलाल स्ट्रीट में बिग बुल के नाम से मशहूर राकेश झुनझुनवाला की संपत्ति में सिर्फ दो शेयरों की वजह से 861 करोड़ रुपये की उछाल देखने को मिली। आइए जानते हैं कि कौन से वो शेयर हैं जिसकी वजह से राकेश झुनझुनवाला की आमदनी बढ़ी है ?
होली से एक दिन पहले 17 मार्च को आईटन कंपनी के एक शेयर की कीमत 2587.30 रुपये से बढ़कर 2706 रुपये प्रति शेयर के भाव तक पहुंच गई। यानी करीब 118.70 रुपये प्रति शेयर की उछाल देखने को मिली। ठीक इसी तरह स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के एक शेयर की कीमत 608.80 रुपये से बढ़कर 641 रुपये प्रति शेयर हो गई।
इस कंपनी में 32.20 रुपये प्रति शेयर की उछाल देखी गई है। आइए जानते हैं कि इन दोनों कंपनियों

में बिग बुल की कितनी हिस्सेदारी है ? टायटन के शेयर होल्डिंग पैटर्न के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर 2021 तक राकेश झुनझुनवाला के पास कंपनी का 3,57,10,395 शेयर्स है। यानी करीब 4.02 प्रतिशत की हिस्सेदारी उनके पास है। वहीं, उनकी पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास 95,40,575 टायटन शेयर या 1.07त्न की हिस्सेदारी उनके पास है। पति-पत्नी के पास मिलाकर 5.09 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। अगर हम इसे शेयरों की कीमतों में आए उछाल को देखते हुए कैलकुलेट (118.70म452,50,970) करें तो यह 537 करोड़ रुपये होगा।
वहीं, बिग बुल के पास स्टार हेल्थ कंपनी का 10,07,53,935 शेयर्स हैं।
अगर हम 17 मार्च को एक शेयर की कीमत में आए उछाल को देखते हुए कैलकुलेट करें तो करीब 324 करोड़ रुपये की उछाल संपत्ति में देखने को मिली। यानी दोनों कंपनियों की वजह झुनझुनवाला की संपत्ति में 861 करोड़ रुपये की उछाल आई है।

शार्ट न्यूज

हम एशिया कप और विश्व कप जैसी प्रतियोगिता जीतना चाहते हैं : मेहदी

सेंचुरियन। दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ पहले वनडे मैच में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद मेहदी हसन मिराज़ चाहते हैं कि अब उनकी टीम कुछ बड़ी प्रतियोगिताओं को जीते। पहले वनडे में बांग्लादेश की टीम को जीत दिलाने में मेहदी ने एक अहम भूमिका निभाई थी। मेहदी को आमतौर पर घरेलू परिस्थितियों में एक पार्ट टाइमर गेंदबाज़ के रूप में उपयोग किया जाता है। पहले वनडे के दौरान उन्होंने अपने पहले पांच ओवरों में 39 रन ख़र्च कर दिए थे, लेकिन बाक़ी के बचे पांच ओवरों में उन्होंने मात्र 22 रन ख़र्च किए और चार विकेट भी झटके, जिसमें डेविड मिलर का बेशक़ीमती विकेट भी शामिल था, जो 46वें ओवर में 56 गेंद पर 79 रन बना कर खेल रहे थे। यह खेल का एक महत्वपूर्ण चरण था, और तमीम इक़बाल द्वारा मेहदी को अपने दूसरे स्पेल के लिए वापस बुलाने का निर्णय महत्वपूर्ण साबित हुआ। मेहदी ने कहा, जब मैं काफ़ी रन लुटा रहा था, तो मैंने तमीम भाई से कहा कि वह मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। मैं उन्हें विकेट दिलाऊंगा। लिट्टन दा भी मेरा समर्थन कर रहे थे। वह लगातार मुझसे कह रहे थे कि मैं चीज़ों को बदल सकता हूं। उन्होंने कहा कि शाकिब अल हसन ने अपने दृष्टिकोण को बदलने और गति में कटौती करने की सलाह दी,जो काफ़ी कारगर रही ।मेहदी ने कहा कि बांग्लादेश को अब बड़ी चीजें हासिल करनी हैं, यह देखते हुए कि टीम ने हर देश में एकदिवसीय मैच जीते हैं। उन्होंने कहा, यदि आपके पास बड़े सपने नहीं हैं तो प्रगति की तलाश करना संभव नहीं है। हम बड़ा सपना देख रहे हैं। हम और अधिक विदेशी श्रृंखला जीतना चाहते हैं। हम एशिया कप, विश्व कप जीतना चाहते हैं। हम अपनी योजनाओं का पालन कर रहे हैं और सही प्रक्रिया पर टिके रहने की कोशिश कर रहे हैं।

उदय भान अकादमी ने आर भी स्पोर्ट्स टी20 का ख़िताब जीता

नयी दिल्ली। यश भाटिया के शानदार 88 रन और यश कुमार के 51 रन के शानदार खेल की मदद से उदय भान क्रिकेट अकादमी ने सेंट स्टीफन क्रिकेट ग्राउंड में आरभी स्पोर्ट्स टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में टेलीफांकन क्लब को रोमांचक मैच में 3 विकेट से हराकर ख़िताब अपने नाम किया। हारी हुई टीम से स्वयम कौशिक ने 88 रन, सौरव देसवाल ने 48 रनो की शानदार पारी खेली पर अपने टीम को हार से न बचा पाए। टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण टूर्नामेंट सचिव ऋषभ वशिष्ठ ने किया। शानदार खेल के लिए यश भाटिया को मैन ऑफ़ द मैच से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में बेस्ट बेट्समैन अर्श कबीर (158 रन), बेस्ट बॉलर निशांत ठाकुर (8 विकेट) और बेस्ट आल राउंडर का पुरष्कार यश भाटिया (153 रन और 3 विकेट) को दिया गया। ये सभी इनाम ऋषभ वशिष्ठ ने दिए।

सीएसके को नीलामी में मिली असली प्रतिभा

सूरत। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने रविवार को कहा कि कुछ मुख्य खिलाड़ियों को खोने के बावजूद नीलामी योजना के अनुसार हुई, जहां टीम ने कुछ वास्तविक प्रतिभा हासिल की। टीम के मुख्य कोच ने शनिवार को सीएसके के यूट्यूब चैनल पर अपलोड एक वीडियो में कहा, हम सच में खुश हैं कि नीलामी योजना के अनुसार हुई। हमने कुछ खिलाड़ियों को खोया है, लेकिन हमने कुछ वास्तविक प्रतिभा भी हासिल की है। इस साल हमें युवाओं और अनुभव का अच्छा मिश्रण मिला है, इसलिए यह तीन से चार साल के चक्र की दृष्टि से अच्छा है, जिस तरह से नीलामी हुई, उससे हम सच में उत्साहित हैं। फ्लेमिंग ने टीम में न्यूजीलैंड के तीन खिलाड़ियों डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और एडम मिल्न के बारे में कहा, खैर, वे सस्ते में आए। वे सभी बहुत कुशल खिलाड़ी हैं। डेवोन कॉनवे के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले कुछ साल अच्छे रहे हैं। मिचेल सेंटनर हमारे लिए एक मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और मिल्न से हमें थोड़ी गति मिली है, इसलिए उन तीनों के पास बहुत अच्छी साख और अच्छा कौशल है जो हमारे लिए फायदेमंद साबित होगा। उल्लेखनीय है कि सीएसके ने फरवरी में हुई दो दिवसीय मेगा नीलामी में 45.05 करोड़ रुपए खर्च कर 21 खिलाड़ियों को खरीदा था। कॉनवे को एक करोड़, सेंटनर को 1.9 करोड़ और मिल्न को 1.9 करोड़ रुपए खरीदा गया था। आईपीएल के 15वें संस्करण की शुरुआत से एक हफ्ते पहले टीम के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए फ्लेमिंग ने सीएसके के सूरत में प्रशिक्षण लेने का कारण भी बताया है।

शेन वार्न का मेलबोर्न में किया गया अंतिम संस्कार

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर शेन वार्न का रविवार को यहां अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान वार्न के तीन बच्चे जैक्सन, ब्रूक और समर, माता-पिता कीथ और ब्रिगेट के साथ-साथ उनके परिवार वाले, क्रिकेट प्रेमी और उनके कई करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत की हस्तियां भी मौजूद रहीं। अंतिम संस्कार में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के साथ पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान मार्क टेलर, एलन बॉर्डर और माइकल क्लार्क मौजूद रहे। महान गेंदबाज मर्व ह्यूज और ग्लेन मैकग्रॉ और वार्न के साथ लंबे समय तक खेल चुके मार्क वॉ और इयान हीली भी यहां उपस्थित रहे। दिवंगत वार्न के करीबी दोस्त एडी मैकगायर ने वॉर्न की याद में कुछ शब्द कहे। ये आयोजन मूरबिन में हुआ। असल में सेंट किल्डा फुटबॉल क्लब के साथ वार्न का गहरा रिश्ता था, इसलिए उनके लिए एक श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन भी किया गया। मेहमानों को सेंट किल्डा स्कार्फ पहनकर आने के लिए कहा गया था और उनमें से एक जोड़ी स्कार्फ को वार्न के ताबूत में भी लपेटा गया और फिर 1970 के दशक के बिल मेडले और जेनिफर वार्न के हिट अल्बमद टाइम ऑफ माई लाइफ की धुन पर उनके ताबूत को मैदान के चारों ओर चक्कर घुमाया गया। लैप ऑफ ऑनर के तुरंत बाद एक शैंपेन टोस्ट रखा गया। इस बीच मैकगायर ने शोक सभा में मौजूद सभी लोगों से जारे से जयकारे लगाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, वार्नी के लिए, वह अद्भुत थे। इसके बाद टीना टर्नर का गान बजाया गया और फिर तालियों की गड़गड़हाट के साथ उन्हें श्रृद्धांजलि दी गई। उल्लेखनीय है कि 52 वर्षीय वार्न का चार मार्च को थाईलैंड के कोह समुई के थाई रिसॉर्ट द्वीप पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उनकी याद में 30 मार्च को मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड में एक राजकीय शोक सभा रखी गई है।

काधे ने एसकेएमई आईटीएफ ओपन में एकल खिताब जीता

बेंगलुरु। पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के अर्जुन काधे ने यहां रविवार को केएसएलटीए स्टेडियम में संपन्न एसकेएमई आईटीएफ ओपन के फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त एवं हमवतन सिद्धार्थ रावत को 6-3, 3-6, 6-1 से हराकर एकल खिताब जीता। 28 वर्षीय काधे ने शनिवार को युगल खिताब जीता था और पिछले हफ्ते भोपाल में एक जीत के बाद बैक टू बैक आईटीएफ खिताब हासिल किया था। काधे ने एसकेएमई आईटीएफ ओपन में एकल खिताब जीतने के बाद कहा कि इन परिस्थितियों में पहला सेट जीतना काफी अहम था। काधे ने जहां मैच में आक्रामक रुख अपनाया, वहीं रावत डिफेंसिव तरीके से खेले और अपने प्रतिद्वंद्वी के गलती करने का इंतजार किया, हालांकि काधे ने कोई गलती नहीं की। पहला सेट 3-6 से हारने के बाद सिद्धार्थ ने वापसी की और दूसरे सेट में काधे को 6-3 से हरा दिया, हालांकि काधे ने तीसरे सेट में जबरदस्त वापसी की और सिद्धार्थ को 6-1 से आसानी से हरा दिया और मैच जीत लिया। काधे ने कहा, मुझे बेंगलुरु में खेलने में बहुत मजा आता है। मैं पिछले दो हफ्तों के दौरान तीन बार विजेता बनकर खुश हूं। उल्लेखनीय है कि काधे को एकल खिताब के साथ-साथ 2160 अमेरिकी डॉलर और इससे भी महत्वपूर्ण 15 एटीपी अंक मिले हैं, जबकि सिद्धार्थ ने 1272 डॉलर के साथ आठ एटीपी अंक अर्जित किए हैं।

पाकिस्तान के तेज़ गेंदबाज़ों को उनकी प्रतिभा याद दिलाना चाहते हैं शॉन टेट

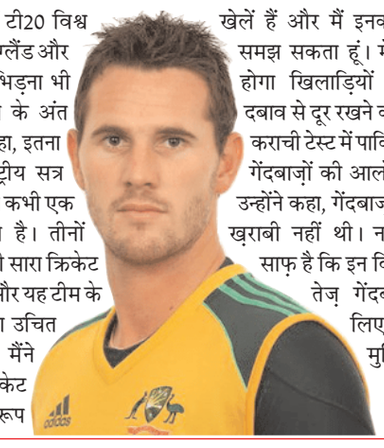

लाहौर। पाकिस्तान के गेंदबाज़ी कोच शॉन टेट का कहना है कि उनका काम है अपने गेंदबाज़ों में तीव्रता और आक्रामकता लौटाना और उन्हें अपनी प्रतिभा के बारे में याद दिलाना है। टेट का कहना है कि उनके लिए यह पद उन जैसे व्यक्ति के लिए आदर्श है।

ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध लाहौर में निर्णायक तीसरे टेस्ट से पूर्व टेट ने प्रेस कॉन्फ़्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान की कई ख़ूबियों में शायद सबसे बड़ी है कि यहां अच्छे तेज़ गेंदबाज़ उभरते हैं। किसी गेंदबाज़ी कोच के लिए यह आदर्श है, क्योंकि आपको प्रतिभाशाली युवाओं के साथ काम करने को मिलता है। इनमें अनुभव भी है लेकिन इनकी उम्र काफ़ी कम है। पिछले एक सप्ताह में इन्हें क़रीब से देखना और समझना ही मेरे लिए काफ़ी मज़ेदार रहा है और उम्मीद है मैं इनकी मदद कर सकता हूं।

टेट ने कहा,मुझे कोई विशिष्ट काम नहीं बताया गया है लेकिन जब आप (बल्लेबाज़ी कोच) मैथ्यू हेडन की आक्रामकता की बात करते हैं तो मेरे लिए भी क्रिकेट की शैली ठीक वैसी ही है। तीव्रता और आक्रामकता तेज़ गेंदबाज़ी का अभिन्न अंग है और मैं इन लड़कों को यही सिखा सकता हूं। टेट ने क्रिकेट से 2017 में संन्यास लेने के बाद कुछ देर अफ़ग़ानिस्तान टीम के साथ काम किया था। उसके बाद पाकिस्तान के साथ उनका एक साल का अनुबंध हाल ही में शुरू हुआ था। वैसे तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ में टीम के साथ शुरू से ही रहना था लेकिन पारिवारिक कारणों से उन्होंने टीम को कराची में ही ज्वॉइन किया।

टीम के तेज़ गेंदबाज़ों पर उन्होंने कहा, इनमें कोई कमज़ोरी नहीं है, और इस बात की चर्चा यहां ही नहीं ऑस्ट्रेलिया में भी होती है कि पाकिस्तान के पास कितने अच्छे तेज़ गेंदबाज़ हैं। यहां मेरा काम होगा इन्हें याद दिलाना कि इनमें कितनी प्रतिभा है। कई खिलाड़ी तो कुछ सालों से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में है तो कुछ अपनी शुरुआत कर रहे हैं। यदि एक साल में इनसे अच्छे परिणाम आपको देखने को मिलें तो शायद मैं समझूंगा मैंने इन्हें याद दिलाया है कि यह कितने प्रभावशाली हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद पाकिस्तान श्रीलंका का दौरा करेगा, जिसके बाद एशिया कप आयोजित होगा और फिर ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप। बाद में इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड से भिड़ना भी बाक़ी है साल के अंत तक। टेट ने कहा, इतना व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय सत्र शायद ही पहले कभी एक साल में हुआ है। तीनों प्रारूप में काफ़ी सारा क्रिकेट खेला जाएगा और यह टीम के साथ जुड़ने का उचित समय है। मैंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के तीनों प्रारूप खेलें हैं और मैं इनका दबाव समझ सकता हूं। मेरा काम होगा खिलाड़ियों को इस दबाव से दूर रखने का।

कराची टेस्ट में पाकिस्तान के गेंदबाज़ों की आलोचना पर उन्होंने कहा, गेंदबाज़ी में कोई ख़राबी नहीं थी। नतीजों से साफ़ है कि इन विकेटों पर तेज़ गेंदबाज़ों के लिए काफ़ी मुश्किलें हैं।

भारत के लिए सेमीफ़ाइनल में पहुंचने का क्या है समीकरण ?

हैमिल्टन। न्यूज़ीलैंड के ऊपर सांस रोक देने वाले मुक़ाबले में इंग्लैंड की एक विकेट से जीत ने सेमीफ़ाइनल की दौड़ को और रोमांचक बना दिया है। इस जीत के साथ जहां गत विजेता इंग्लैंड की उम्मीदें अभी भी ज़िंदा हैं तो वहीं न्यूज़ीलैंड के लिए आगे के दरवाज़े क़रीब-क़रीब बंद होते मालूम पड़ रहे हैं। भारत के लिए भी अंतिम चार में पहुंचने का रास्ता अभी भी खुला हुआ है। ग्रुप स्टेज में अब केवल नौ मैच ही बचे हैं लेकिन अभी तक ऑस्ट्रेलिया के अलावा किसी और टीम को सेमीफ़ाइनल का टिकट हासिल नहीं है।

एक नज़र डालते हैं सेमीफ़ाइनल में प्रवेश करने के लिए किस टीम के सामने कौन सी चुनौती है और क्या है समीकरण।

भारत: भारत को अपने दोनों ही बचे हुए मुक़ाबले जीतने होंगे और उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ़्रीका या वेस्टइंडीज़ आठ अंक से ज़्यादा हासिल ना करें। ये तभी मुमकिन है जब वेस्टइंडीज़ को अपने बचे हुए दो मुक़ाबलों में से एक में हार मिले, या फिर दक्षिण अफ़्रीका अपने सभी मैच हारे। अगर ये दोनों नतीजे भारत के पक्ष में जाते हैं तो फिर भारत और इंग्लैंड दोनों ही आठ अंकों के साथ सेमीफ़ाइनल में प्रवेश कर जाएंगे। (बशर्ते इंग्लैंड भी अपने बचे हुए दोनों मुक़ाबले जीत जाए)। इस स्थिति में वेस्टइंडीज़ और दक्षिण अफ़्रीका ख़राब नेट रनरेट की वजह से बाहर हो जाएंगे।

दूसरी तरफ़ अगर वेस्टइंडीज़ की टीम अपने दोनों मैच जीत जाती है, और दक्षिण अफ़्रीका को अगर ऑस्ट्रेलिया पर जीत हासिल हो जाती है तो फिर तीन टीम आठ अंक या उससे ज़्यादा पर फ़िनिश करेंगी। इस स्थिति में भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे स्थान के लिए लड़ाई होगी। (अगर इंग्लैंड और भारत दोनों आठ अंक पर समाप्त करते हैं)

न्यूज़ीलैंड: न्यूज़ीलैंड को तीन मैचों में बेहद क़रीबी हार का सामना करना पड़ा है = इंग्लैंड के ख़िलाफ़ एक विकेट, दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ दो विकेट और वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ तीन रन। इन तीन हार के बाद मेज़बान टीम प्रतियोगिता से बाहर होने के कगार पर खड़ी है। इंग्लैंड को अगर अपने आख़िरी दोनों मुक़ाबलों में बांग्लादेश और पाकिस्तान पर जीत मिल जाती है तो कम से कम तीन टीमों के अंक छह से ज़्यादा होंगे, और न्यूज़ीलैंड इससे ज़्यादा अंक अब हासिल नहीं कर पाएगी।

लिहाज़ा न्यूज़ीलैंड को उम्मीद करनी होगी कि पाकिस्तान और दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ वेस्टइंडीज़ अपने आख़िरी दोनों मैच हार जाए। अगर ऐसा हुआ तो फिर वेस्टइंडीज़ चार अंक पर ही रह जाएगी, क्योंकि वेस्टइंडीज़ टीम का नेट रनरेट न्यूज़ीलैंड से काफ़ी अच्छा है। अगर अपने आख़िरी मैच में न्यूज़ीलैंड 300 रन बनाती है और मैच 200 रन से जीत भी जाती है तो भी उनका नेट रनरेट 0.427 ही रहेगा, और ये भारत के मौजूदा एनआरआर 0.456 से भी कम होगा। इस स्थिति में चौथी टीम के तौर पर न्यूज़ीलैंड सेमीफ़ाइनल में प्रवेश कर सकती है।

इंग्लैंड: पिछले चैंपियन इंग्लैंड के लिए प्रतियोगिता की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी, हालांकि पिछले दो मैचों में जीत के बाद सेमीफ़ाइनल में जगह बनाने की दौड़ में वह अभी भी आगे हैं। ग्रुप स्टेज के बचे हुए मैचों में उनके लिए अच्छी बात ये है कि उनके दोनों ही मुक़ाबले अपेक्षाकृत कमज़ोर टीमों से है - पाकिस्तान और बांग्लादेश। इंग्लैंड के लिए अच्छी बात ये भी है कि उनका नेट रनरेट भी 0.327 है। (जो आने वाले मैचों में जीत के साथ और अच्छा हो सकता है)

अगर इंग्लैंड आठ अंकों पर फ़िनिश करती है, तो उनका एनआरआर अच्छा रहने की संभावना है। (भारत फ़िलहाल 0.456 के साथ उनसे थोड़ा आगे है लेकिन भारत को एक मैच दक्षिण अफ़्रीका से भी खेलना है जिन्होंने अब तक एक भी मैच हारा नहीं है)

इंग्लैंड की टीम अगर अपने दोनों मैच जीत भी जाती है तो भी उनके सामने बाहर होने का ख़तरा है। वह इस तरह वेस्टइंडीज़ अगर दोनों मैच जीत गई तो उनके 10 अंक हो जाएंगे, और अगर दक्षिण अफ़्रीका ने भी ऑस्ट्रेलिया को मात दे दी तो उनके भी आठ से ज़्यादा अंक हो जाएंगे। इसी तरह अगर भारतीय टीम ने भी अपने दोनों मैच जीत लिए और एनआरआर में इंग्लैंड से आगे रही तो फिर इंग्लैंड को बाहर होना पड़ेगा।

दक्षिण अफ़्रीका: अब तक अपने सभी चार मैचों में जीत हासिल करने वाली साउथ अफ़्रीकी टीम अभी भी सेमीफ़ाइनल के टिकट से दूर है। हालांकि अगले तीन में से कोई भी एक मैच जीतते ही उनके 10 अंक हो जाएंगे और फिर ऑस्ट्रेलिया के बाद वह भी अंतिम चार के लिए क्वालीफ़ाई कर जाएंगे।

दक्षिण अफ़्रीका के बचे हुए तीनों मैच ऐसी टीमों से हैं जहां उन्हें कड़ी चुनौती मिलने वाली है। अगर इन तीनों ही मैचों में उन्हें हार मिलती है तो फिर उनके लिए आगे जाने के दरवाज़े बंद हो सकते हैं।

क्योंकि फिर वेस्टइंडीज़ के 10 अंक हो जाएंगे और इंग्लैंड और भारत भी आठ अंकों पर रहेगी, जहां फ़ैसला नेट रनरेट के आधार पर होगा।

निक्सन और सिद्धू की टीमों ने 3बीएल फिनाले नॉकआउट में प्रवेश किया

चंडीगढ़। राष्ट्रीय टीम की खिलाड़ी, स्टेफी निक्सन (कोच्चि स्टार्स) और रसप्रीत सिद्धू (दिल्ली दिवस) ने अपनी टीमों को 3बीएल महिला लीग 2022 के फिनाले राउंड के नॉकआउट चरण में पहुंचा दिया। %3बीएल% भारत में एकमात्र 3ङ्क3 प्रोफेशनल बास्केटबॉल लीग है जिसे बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन (फीबा) द्वारा मान्यता प्राप्त है। सेमीफाइनल में कोच्चि और दिल्ली की टीमों के साथ लुधियाना क्वींस और जयपुर रीगल्स ने अपनी जगह बनाई है। 3बीएल का यह तीसरा सीज़न 8 से 21 मार्च 2022 तक विन्धम होटल मोहाली में खेला जा रहा है और इसमें 3ङ्क3 बास्केटबॉल प्रारूप के शीर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरुष और महिला खिलाड़ी शामिल हैं। इस फिनाले राउंड 6 में आते हुए, निक्सन की नेतृत्व वाली गत चैंपियन, कोच्चि स्टार्स और सिद्धू की नेतृत्व वाली दिल्ली दीवास ने अपने बीच में बाकी सभी 5 प्रारंभिक राउंड खिताब जीते हैं जिसमें कोच्चि के खाते में दो राउंड वहीं दिल्ली के खाते में तीन राउंड आये।

आरएबी पर है अमेरिका की नजर : वाशिंगटन

एजेंसी

ढाका। अमेरिका ने पिछले तीन महीनों में मानवाधिकारों पर रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) की गतिविधियों में प्रगति देखी है क्योंकि वाशिंगटन ने कुलीन वर्ग और उसके कुछ पूर्व और वर्तमान अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया था।

राजनायिक मामलों में अवर सचिव विक्टोरिया नूलैंड ने कहा,हमने पिछले तीन महीनों में इन (मानवाधिकार) चीजों को सुधारने के संबंध में प्रगति देखी है। उन्होंने ढाका के राज्य गेस्ट हाउस पद्मा में आठवीं सहभागिता वार्ता के बाद बंगलादेश के विदेश सचिव मसूद बिन मोमेन के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में यह बात कही।

अवर सचिव ने कहा कि अमेरिका प्रतिबंध के मुद्दे को हल करने के लिए ढाका के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं क्योंकि हमारी सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग काफी महत्वपूर्ण है।

सुश्री नूलैंड ने कहा कि बंगलादेश सरकार मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दों पर जीरो टॉलरेंस की नीति रखती है।

श्री मसूद ने कहा कि ढाका ने आरएबी के नवीनतम विकास और इसके प्रदर्शन और मंजूरी के मुद्दे को संबोधित करने वाली सरकार की कुछ पहलों पर अमेरिकी पक्ष को एक फाइल दिया। उन्होंने कहा,हम अमेरिका के साथ कई प्रारूपों में अपनी चर्चा जारी रखेंगे और उम्मीद है कि इस मुद्दे को समय पर सुलझा लिया जाएगा। श्री मसूद ने कहा कि बंगलादेश को दोनों देशों के बीच व्यापक साझेदारी के निर्माण के मामले में बाइडेन प्रशासन से काफी उम्मीदें हैं।

उन्होंने कहा, शांति और समृद्धि की दिशा में हमारी यात्रा में अमेरिका के साथ मिलकर काम करने की दृष्टि से बंगलादेश इस संबंध में उत्सुक रहेगा। इसके बाद अमेरिका के अवर सचिव ने ढाका में विदेश मंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमेन से मुलाकात की।

अविश्वास प्रस्ताव मसले को दोनों पक्ष संवैधानिक तरीके से निपटाये : पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नेशनल असेंबली में लाये गये अविश्वास प्रस्ताव को लेकर समर्थकों सहित छह राजनीतिक दलों से बिना किसी अराजकता के मसले को संवैधानिक तरीके से निपटाने में मदद करने को कहा है। डॉन रविवार को यह रिपोर्ट दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने बार एसोसिएशन की अविश्वास प्रस्ताव को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही है। सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस्लामाबाद पुलिस प्रमुख को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं द्वारा शुक्रवार को सिंध हाउस में तोड़फोड़ के संबंध में रिपोर्ट सौंपने का भी आदेश दिया। एक असामान्य बैठक में पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश उमर अता बंदियाल और न्यायमूर्ति मुनीब अख्तर की दो-न्यायाधीशों वाली पीठ ने सत्तारूढ़ पीटीआई, पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल), बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (मेंगल) और अवामी नेशनल पार्टी अपने-अपने महासचिवों के जरिए नोटिस जारी किया है। न्यायालय ने अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित मुद्दे को संविधान के अनुच्छेद 95 के तहत प्रक्रिया को सुचारू, वैध और शांतिपूर्ण ढंग से पूरा करने में मदद के लिए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। उन्होंने इसे एक गैर-कानूनी मामला बताते हुए कहा कि यह सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से संबंधित नहीं है।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राजनीतिक गतिविधियां 'अराजक' स्थिति बनाने की बजाय कानून और संविधान के दायरे में की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य संस्थानों धमकाना और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है।

पाकिस्तान में पीटीआई में दरार के बाद सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी में आई दरार के बाद कार्यकर्ताओं ने बागी नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। डॉन अखबार ने रविवार को दी। पीटीआई के कार्यकर्ताओं ने हाथों में डंडे और पत्थर लेकर नंगाना चौक पर स्थित पार्टी सांसद मलिक अहमद हसन देहार के आवास पर एकत्रित हुए और पार्टी के प्रति वाफादारी बदलने के आरोप में उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को समर्थन देने के लिए सांसद राणा कासिम नून के खिलाफ भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दोनों नेताओं के पोस्टर भी जलाए। इस बीच विपक्षी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के कार्यकर्ताओं ने पीटीआई से नाराज चल रहे नूर आलम खान और उनके परिवार को नैतिक साथ देने के लिए उनके घर के बाहर रैली की। पीटीआई के नेता नदीम कुरैशी और खालिद जावेद वाराइच ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने मीडिया से कहा कि मतभेद करने वालों को लोगों की भावनाओं के साथ नहीं खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी दलबदलू (बागी) नेता इस्तीफा देकर पीटीआई उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ें या जनता के गुस्से का सामना करें।

मारियुपोल की घेराबंदी सदियों तक किया जायेगा याद

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने रविवार को कहा कि मारियुपोल की घेराबंदी कर रूस ने जिस तरह से उस पर आतंकी कार्रवाई करते हुए हमला किया उसे सदियों तक याद किया जायेगा।

सीएनएन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के हवाले से कहा कि मारियुपोल को इतिहास में युद्ध अपराध के एक उदाहरण के तौर पर देखा जायेगा। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना को इस युद्ध मे काफी नुकसान उठाना पड़ा है और अभी तक लगभग 80 से 90 प्रतिशत रूसी यूनिटों को बरबाद कर दिया गया है।

रूसी सेना के यूक्रेन पर हमले के 24 दिन गुजर चुके हैं और यूक्रनियनों ने दिखा दिया है कि वह जानते हैं कि एक सेना की तुलना में अधिक तरीके से कैसे लड़ा जाता है। यूक्रेन की सेना विभिन्न इलाकों में अलग अलग हालातों और क्षेत्रों में दशकों से लड़ रही है1 रूस ने जितनी सेना और हथियार यूक्रेन में भेजे हैं उसका सामना हम अपने विवेक और साहस के बल पर कर रहे हैं।

सीएनएन के अनुसार यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया कि जिन क्षेत्रों में जबरदस्त लड़ाई चल रही है ।रक्षा की अग्रिम पंक्ति रूसी सैनिकों की लाशों से पटी पड़ी है और इन लाशों को कोई नहीं उठा रहा है। रूसी सेना का सामना करने के लिए और यूनिटों को भेजा गया है। जेलेंस्की ने कहा कि यूं तो युद्धग्रस्त इलाकों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए आठ मानवीय गलियारे काम कर रहे हैं लेकिन रूसी सेना की ओर से की जा रही जबरदस्त गोलाबारी की वजह से कीव क्षेत्र के बोरोदयांका से लोगों को निकालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सियालकोट सैन्य अड्डे के पास कई धमाके

कराची। पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में सियालकोट सैन्य अड्डे के पास रविवार को कई धमाकों की आवाजें सुनी गयीं। स्थानीय लोगों ने वीडियो साझा करके दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना के गोला-बारूद के भंडारण में आग लग गई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किए गए वीडियो में आग वाले क्षेत्र से धुआं के गुब्बार दिखाई दे रहे हैं। यह घटना कथित तौर पर तड़के हुई थी। स्थानीयों द्वारा साझा किए वीडियो में गोलीबारी की आवाज आने के संकेत मिलते हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सेना और स्थानीय प्रशासन द्वारा इस घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया, जिससे पाकिस्तान सेना सवालों के घेरे में है। सियालकोट छावनी पाकिस्तान सेना की सबसे महत्वपूर्ण ठिकानों में से एक माना जाता है।

अमेरिका, बंगलादेश एकसाथ मिलकर करेगा काम

ढाका। अमेरिकी विदेश विभाग में तीसरे रैंक की अधिकारी राजनीतिक मामलों की अवर सचिव विक्टोरिया नूलैंड ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की स्थिति में वैश्विक सुरक्षा के मामले में अमेरिका, बंगलादेश के साथ मिलकर काम करना चाहता है। दोनों देशों के बीच 2012 में शुरू हुए द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा करने की मंच की आठवीं सहभगिता वार्ता में विक्टोरिया नुलैंड ने कहा,बंगलादेश और अमेरिका लोकतंत्र और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए एक साथ काम करेंगे, ऐसे समय में जब रूस यूक्रेन पर हमला कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार खतरे में हैं। बंगलादेश में अमेरिकी निवेश बढ़ाने के लिए ढाका को और काम करना होगा। नूलैंड ने कोरोना वायरस से लड़ने और टीकाकरण अभियान में बंगलादेश की भूमिका की सराहना की। आठवीं सहभगिता वार्ता रविवार को करीब 23.30 बजे से ढाका के राज्य गेस्टहाउस पद्मा में शुरू हुआ। बंगलादेश के विदेश सचिव मसूद बिन मोमेन ने अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जबकि राजनीतिक मामलों की अवर सचिव विक्टोरिया नूलैंड ने वार्ता में अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व किया।

रूसी हमले में सौ से अधिक यूक्रेनी और विदेशी सैनिक मारे जाने का दावा

मॉस्को। रूसी सैन्य बलों ने जिटोमिर क्षेत्र में यूक्रेनी सेना के एक प्रशिक्षण केंद्र को मिसाईल से नष्ट कर दिया जिसमें 100 से अधिक यूक्रेनी और विदेशी सैनिक मारे गये। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेकोव ने रविवार को जारी बयान में यह दावा किया। उन्होंने कहा, उच्च-सूक्ष्मता वाली मिसाइलों से जिटोमोर क्षेत्र में यूक्रेनी सेना के विशेष अभियान बलों के प्रशिक्षण केंद्र पर हमला किया गया जहां यूक्रेन आए विदेशी सैनिक भी मौजूद थे ।हमले में विशेष अभियान बलों और विदेशी इकाइयों के सौ से अधिक सैनिक मारे गए।

अफगानिस्तान में बाढ़ में 2 की मौत

जलालाबाद। अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत के लालपुर जिले में शनिवार को भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में दो लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों हेक्टेयर में खेतों में लगी फसल नष्ट हो गई। जिला प्रमुख कारी अबुबकर ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बाढ़ में एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई और एक लड़की घायल हो गई। अधिकारी ने कहा कि बाढ़ के कारण सैकड़ों हेक्टेयर में लगी गेहूं की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ में सैकड़ों मवेशी भी मारे गए।

रूस और यूक्रेन मुख्य मुद्दों पर हुए सहमत

अंकारा। तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोग्लू

56 वर्ष की हुयी अलका याज्ञनिक

मुंबई। बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका अलका याज्ञनिक आज 56 वर्ष की हो गयी। अलका का जन्म कोलकाता में 20 मार्च 1966 को एक मध्यम वर्गीय गुजराती परिवार में हुआ। उनकी मां शुभा याज्ञनिक शास्त्रीय संगीत गायिका थी। घर में संगीत का माहौल होने के कारण अलका याज्ञनिक की रूचि भी संगीत की ओर हो गई और वह महज छह वर्ष की उम्र से ही अपनी मां से संगीत की शिक्षा लेने लगीं।अलका ने पार्श्वगायिका के रूप में अपने कैरियर की शुरूआत महज छह वर्ष की उम्र में कोलकाता आकाशवाणी से की जहां वह भजन गाया करती थीं। जब वह महज 10 वर्ष की थीं तभी उनकी मां उन्हें लेकर मुंबई आ गई। जहां उनकी मुलाकात महान निर्माता निर्देशक राजकपूर से हुई।

राजकपूर ने अलका के गाने से प्रभावित होकर उन्हें संगीतकार लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल से मिलने की सलाह दी। लक्ष्मीकांत- प्यारेलाल भी अलका के पार्श्वगायन से काफी प्रभावित हुए और उनसे कहा कि अभी उनकी उम्र अभी काफी कम है। वह अभी बतौर डबिंग कलाकर काम कर ले बाद में वयस्क होने पर वे उन्हें पार्श्वगायिका के रूप में काम करने का मौका देंगे।

अलका ने पार्श्वगायिका के रूप में अपने सिने कैरियर की शुरूआत 1979 में प्रदर्शित फिल्म 'पायल की झंकार' से की। इस फिल्म में उन्हें एक गीत की कुछ पंक्तियां गाने का अवसर मिला। इसके बाद उन्हें फिल्म 'हमारी बहू अलका' में भी पार्श्वगायन का अवसर मिला लेकिन कमजोर पटकथा और दोयम दर्जे के संगीत के कारण यह फिल्म टिकट खिड़की पर असफल साबित हुई।लगभग दो साल तक मुंबई में रहने के बाद अलका पार्श्वगायिका बनने के लिए संघर्ष करने लगीं। आश्वासन तो सभी देते लेकिन उन्हें काम करने का अवसर कोई नहीं देता था। इस बीच अलका याज्ञनिक को 1981 में प्रदर्शित फिल्म 'लावारिस' में पार्श्वगायन का मौका मिला।

अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म लावारिस में अलका ने मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है ..गीत गाया जो श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ। इस गीत की सफलता के बाद अलका पार्श्वगायिका के रूप में कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गई लेकिन उन्हें अब तक वह मुकाम हासिल नहीं हुआ था जिसके लिए वह सपनों के शहर मुंबई आई थीं।लगभग आठ वर्ष तक मुंबई में संघर्ष करने के बाद 1988 में एन चंद्रा की अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित अभिनीत फिल्म 'तेजाब' में अपने गीत एक दो की सफलता के बाद वह पार्श्वगायिका के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गईं।

वर्ष 1989 में अलका के सिने करियर की एक और सुपरहिट फिल्म 'कयामत से कयामत तक' प्रदर्शित हुई जिसमें उन्होंने उदित नारायण के साथ ऐ मेरे हमसफर, अकेले है तो क्या गम है और गजब का है दिन सोंचो जरा. .जैसे सुपरहिट युगल गीत गाए जो श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुए।

इन फिल्मों की सफलता के बाद अलका को कई अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गए। वर्ष 1994 उनके सिने कैरियर का अहम वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी सुपरहिट फिल्म 'हम है राही प्यार के' प्रदर्शित हुई।

इस फिल्म के लिये उन्हें पहली बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायिका राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके बाद 1999 में प्रदर्शित फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के लिए भी उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अलका अपने सिने कैरियर में अब तक सात बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की जा चुकी हैं।

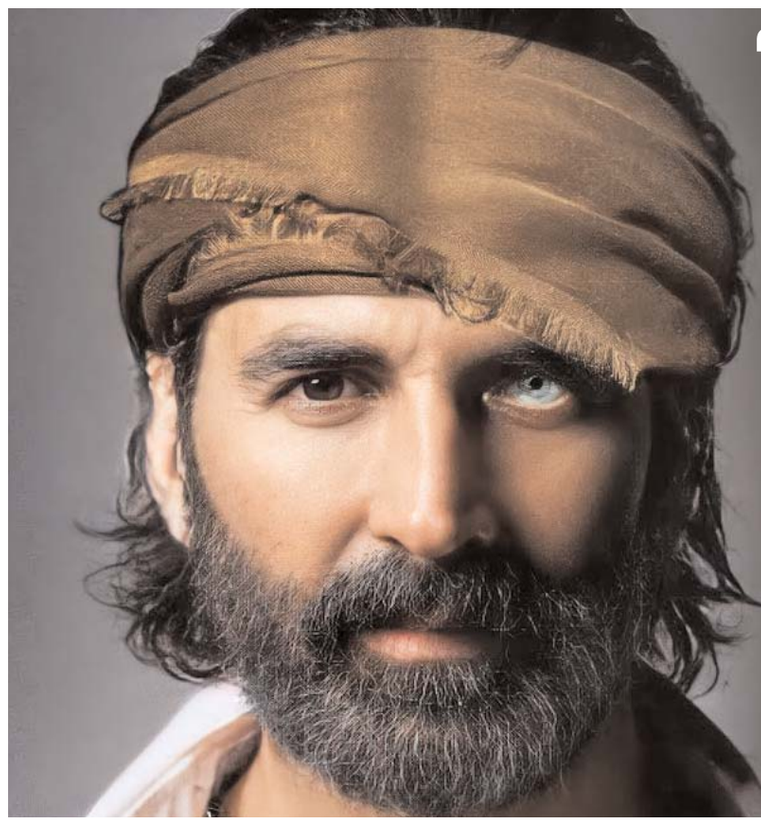

'बच्चन पांडेय' का किरदार निभाने के लिये काफी दर्द से गुजरते थे अक्षय कुमार

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार का कहना है कि उन्हें फिल्म 'बच्चन पांडेय' में अपना किरदार निभाने के लिये काफी दर्द से गुजना पड़ता था। अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडेय सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में अक्षय कुमार का लुक भी काफी अलग रखा गया है। फिल्म में उनके किरदार का नाम बच्चन पांडेय है, जिसकी एक आंख पत्थर की है।फिल्म में पत्थर की इस आंख को दिखाने के लिए अक्षय कुमार ने आई लेंस का इस्तेमाल किया था। उस लेंस को लगाते वक्त अक्षय कुमार को काफी दर्द के गुजरना पड़ता था। अक्षय कुमार ने फिल्म में अपने किरदार बच्चन पांडेय को लेकर कहा कि उनके लिए यह किरदार करना काफी मुश्किल और दर्दभरा था। अक्षय ने कहा, लेंस पहनना और फिर उसे हटाना बेहद मुश्किल था। जान निकल जाती थी क्योंकि मैं इसे खुद से अपनी आंख में फिक्स नहीं कर पाता था। यह एक बहुत बड़ा लेंस था। मुझे सब कुछ धुंधला दिखाई देता था और इसी तरह मैं शूटिंग करता था। मैं बस देख पाता था कि मेरे सामने एक फिगर है। गौरतबल है कि फिल्म बच्चन पांडेय में अक्षय कुमार के साथ कृति सैनन, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वापसी, संजय मिश्रा, अभिमन्यु सिंह, प्रतीक बब्बर और पंकज त्रिपाठी सहित कई कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है।

टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन ने 'गणपत' की शूटिंग शुरू की

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन ने फिल्म 'गणपत' की शूटिंग शुरू कर दी है।

टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन ने अपनी आने वाली फिल्म गणपत की शूटिंग को शुरू कर दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी टाइगर और कृति ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीर साझा कर दी है। इन तस्वीरों में टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन नाइट शूट को दौरान सेल्फी लेते हुए दिख रहे हैं।

बताया जा रहा है कि गणपत एक डिस्टोपियन थ्रिलर जॉनर की फिल्म है।इस फिल्म में टाइगर और कृति जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाई देंगे। विकास बहल द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृति जस्सी के किरदार में नजर आने वाली हैं। टाइगर और कृति सैनन की इस फिल्म का निर्माण पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म 23 दिसंबर 2022 को रिलीज होगी।

प्रोडक्शन हाउस से अलग हुयी अनुष्का शर्मा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपने प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्स से अलग हो गई हैं।

अनुष्का ने क्लीन स्लेट फिल्म्स की शुरुआत 2013 में अपने भाई कर्णेश शर्मा के साथ मिलकर की थी।इस बैनर के तले उन्होंने एनएच 10, फिल्लौरी, परी, और बुलबुल जैसी कई फिल्में प्रोड्यूस की हैं। इसके साथ ही उन्होंने पाताल लोक नाम की वेब सीरीज प्रोड्यूस की है। अनुष्का शर्मा अपने प्रोडक्शन हाउस क्लीन स्लेट फिल्म्स से अलग हो गई हैं।

अनुष्का शर्मा ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मैंने और मेरे भाई कर्णेश शर्मा ने जब क्लीन स्लेट फिल्म्स की शुरुआत की, हमारा एक ही एजेंडा था ऑडियंस को एंटरटेन करना। यदि आज मैं इस जर्नी को पीछे मुड़कर देखूं तो मैं गर्व महसूस करती हूं। हमने जो काम किया और हासिल किया। एक मां होने के बाद मैंने प्रोफेशन से एक्टर होना चुना है।

माता सीता ने हनुमानजी पर सदैव प्रभु कृपा बने रहने का आशीर्वाद दिया था

सुखी भारती

श्रीहनुमान जी इसलिए भी माता सीता जी को बार-बार प्रणाम करते हैं कि प्रभु कृपा हो न हो, यह कोई निश्चित भी नहीं है। लेकिन जब साक्षात आदि शक्ति ने ही यह घोषणा कर दी, कि हे हनुमान! बाकी वरदान तो चलो ठीक हैं, तुम तो स्वाभाविक ही इन वरदानों के पात्र थे ही।

अजर अमर गुननिधि सुत होहू।
करहुँ बहुत रघुनायक छोहु।।
करहुँ कृपा प्रभु अस सुनि काना।
निर्भर प्रेम मगन हनुमान।।

विगत अंक में हमने देखा था, कि उपरोक्त चौपाईयों में माता सीता जी, श्रीहनुमान जी को अपने आशीर्वादों की अमृत वर्षा से नहला रही हैं। आज संसार में कौन मायावी जीव ऐसा नहीं, जो अजर व अमर नहीं होना चाहता। और इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु, उसके समस्त प्रयास निष्फल भी सिद्ध हो रहे हैं। कोई भी श्रेष्ठ से श्रेष्ठ ज्ञान-विज्ञान भी, ऐसे अनमोल वरदानों की थाह नहीं ले पा रहे हैं। इस शोध पर इतनी खोजें व अनुसंधान हो रहे हैं, कि इसका लेखा जोखा रखना भी संभव नहीं है। लेकिन श्रीहनुमान जी का सौभाग्य ऐसा है, कि माता सीता जी उन्हें सहज ही यह उपलब्धियां सुलभ करवा रही हैं। निश्चित ही ऐसे वरदानों की रत्ती भर भी उपलब्धि अगर मुझे स्वयं को हो जाती, तो मेरी तो बाँछे ही खिल जाती। मेरे पाँव धरती पर कहाँ लगने थे। लेकिन श्रीहनुमान जी को तो यह वरदान पूरे नख से सिर तक, छक कर प्राप्त हुए थे। लेकिन ऐसा किसी भी दृष्टिकोण से देखने को नहीं मिला, कि श्रीहनुमान जी के मन में, किसी प्रकार की कण भर भी चंचलता आई हो। वे तो बस चिर आनंद की अवस्था में ही विचरण कर रहे हैं। लेकिन चौपाई पढ़ें तो आप पायेंगे, कि श्रीहनुमान जी के हृदय में अति प्रसन्नता का उदय भी होता है-

बार बार नाएसि पद सीसा।
बोला बचन जोरि कर कीसा।।

अब कृतकृत्य भयउँ मैं माता।
आसिष तव अमोघ बिख्याता।।

और यह उदय होता है, जब श्रीहनुमान जी की कर्ण इन्द्रियों में 'प्रभु कृपा करें' नामक शब्द पड़ते हैं। आज हमें यही चिंतन करना है, कि इन शब्दों में आखिर ऐसा क्या था, कि श्रीहनुमान जी परमानंद की अनुभूति का करने लगे। सज्जनों, वास्तव में आध्यात्म में साधक की संजीवनी बूटी ही वह है, जब साधक को उसके प्रभु की कृपा प्राप्त होती है। श्रीहनुमान जी उदाहरण के तौर पर कह भी तो रहे हैं, कि प्रभु की कृपा हो जाये तो, एक नन्हां सर्प भी गरुड़ को सहज ही निगल जाता है। ऐसा नहीं कि सर्प में इतनी शक्ति पहले से ही विद्यमान होती होगी। अपितु यह तो प्रभु कृपा का ही प्रताप है, कि सर्प ऐसा अविश्वसनीय कार्य कर पाता है। यह कृपा ही होती है, कि जिस सागर को लाँघने में बड़े-बड़े वानर योद्धाओं के पाँव पीछे हट गए। उसी सागर को श्रीहनुमान जी ने एक छलाँग में ही लाँघ दिया। श्रीहनुमान जी तो माना एक श्रेष्ठ व महान भक्त हैं। भगवान शंकर के अवतार भी हैं। वे समुद्र को एक छलाँग तो क्या, एक संकल्प मात्र में भी लाँघ सकते हैं। लेकिन प्रभु की कृपा अगर हो, तो श्रीहनुमान जी अथवा गरुड़ को भी छोडिए। एक नन्हां-सा कीट भी सागर को एक छलाँग में लाँघ सकता है।

श्रीहनुमान जी को जब अजर व अमर होने का वरदान मिला, तो उन्होंने सोचा, कि माता सीता जी तो ममत्व का असीमित सागर हैं। साथ में वे संपूर्ण जगत की माता भी हैं। और माता के ममत्व का क्या है। आज मेरी झोली वरदानों से भर दी, कल अपनी किसी दूसरी प्रिय संताान की झोली भर देंगी। जब माता मुझ जैसे अपात्र को भरा पूरा कर सकती हैं, तो संसार में मुझे छोड़ कर तो सभी एक से एक पात्र हैं। उन्हें तो माता ने वरदानों से साज सज्जा करनी ही है। और यह भी निश्चित है, कि मुझे प्राप्त वरदान तो अवश्य ही, औरों को मिलने वाले वरदानों से सदैव निम्न ही रहेंगे। ऐसे में यह कहाँ निश्चित रह जायेगा, कि मैं सदा श्रेष्ठ को ही प्राप्त करुँगा। लेकिन हाँ! अगर मुझे प्रभु की कृपा प्राप्त हो, तो फिर तो मैं, शत प्रतिशत की बजाय, अनंत प्रतिशत आश्वस्त हो जाऊँगा, कि मैं निश्चित ही अपने निर्धारित लक्ष्य पर पहुँच पाऊँगा। श्रीहनुमान जी इसलिए भी माता सीता जी को बार-बार प्रणाम करते हैं कि प्रभु कृपा हो न हो, यह कोई निश्चित भी नहीं है।

लेकिन जब साक्षात आदि शक्ति ने ही यह घोषणा कर दी, कि हे हनुमान! बाकी वरदान तो चलो ठीक हैं, तुम तो स्वाभाविक ही इन वरदानों के पात्र थे ही। लेकिन सबसे बड़ा वरदान तो यह है, कि प्रभु तुम पर सदैव अपनी कृपा बनाई रखें। तो अब तो यह निश्चित से भी निश्चित हो गया, कि मुझ पर प्रभ कृपा करेंगे ही। जिसका सीधा व सरल अर्थ हुआ, कि अब हर रण में विजय। मैं अपने नेत्र मूँद कर भी चलूँगा, तो मेरा मार्ग व लक्ष्य, स्वयं मेरे चरणों में आकर नत्मस्तक होंगे। वह कौन-सी दिशा होगी, जो मेरे अनुकूल नहीं होगी। कण-कण मेरा सहायक सिद्ध होगा। कारण कि प्रभु कृपा सागर में तैरती लकड़ी है, और मैं एक लोहे की तीखी कील। लोहे की कील की क्या बिसात कि वह सागर में तैर भी पाये। उसका स्वभाव तो डूबना है। लेकिन जब वही कील स्वयं को उस लकड़ी में जड़ा हुआ पाती है, तो लकड़ी के साथ, वह कील भी तैरने की कला सीख जाती है। बस हम वही कील हैं। जो कि अब कभी नहीं डूबेंगे और तैरते ही रहेंगे। क्योंकि माता सीता ने हमारे लिए, प्रभु कृपा का वरदान जो निर्धारित कर दिया है।

श्रीहनुमान जी ने देखा, कि मईया तो हम पर प्रसन्न हैं ही। तो क्यों न एक और आज्ञा का निवेदन कर लिया जाये। सज्जनों, श्रीहनुमान जी माता सीता जी को क्या निवेदन करते हैं। जानेंगे अगले अंक में---(क्रमशः)---जय श्रीराम।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभायी थी वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने

ब्रह्मानंद राजपूत

आज भी भारत की पवित्र भूमि ऐसे वीर-वीरांगनाओं की कहानियों से भरी पड़ी है जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर देश के आजाद होने तक भिन्न- भिन्न रूप में अपना अहम योगदान दिया। लेकिन भारतीय इतिहासकारों ने हमेशा से उन्हें नजरअंदाज किया है। देश में सरकारों या प्रमुख सामाजिक संगठनों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए लोगों के जो कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं वो सिर्फ और सिर्फ कुछ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के होते हैं। लेकिन बहुत से ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं जिनके अहम योगदान को न तो सरकारें याद करती हैं न ही समाज याद करता है। लेकिन उनका योगदान भी देश के अग्रणी श्रेणी में गिने जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से कम नहीं है। जितना योगदान स्वतंत्रता संग्राम में देश के अग्रणी श्रेणी में गिने जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का था, उतना ही उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान है जिनको हमेशा से इतिहासकारों ने अपनी कलम से वंचित और अछूत रखा है। भारत की पूर्वाग्रही लेखनी ने देश के बहुत से त्यागी, बलिदानियों, शहीदों और देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर-वीरांगनाओं को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की पुस्तकों में उचित सम्मानपूर्ण स्थान नहीं दिया है। परन्तु आज भी इन वीर-वीरांगनाओं की शोर्यपूर्ण गाथाएं भारत की पवित्र भूमि पर गूंजती हैं और उनका शोर्यपूर्ण जीवन प्रत्येक भारतीय के जीवन को मार्गदर्शित करता है।

ऐसी ही 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की एक वीरांगना हैं रानी अवंतीबाई लोधी जिनके योगदान को हमेशा से इतिहासकारों ने कोई अहम स्थान न देकर नाइंसाफी की है। आज देश में बहुत से लोग हैं जो इनके बारे में जानते भी नहीं है। लेकिन इनका योगदान भी 1857 के स्वाधीनता संग्राम की अग्रणी नेता वीरांगना झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई जी से कम नहीं हैं। लेकिन इतिहासकारों की पिछड़ा और दलित विरोधी मानसिकता ने हमेशा से इनके बलिदान और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को नजरअंदाज किया है। परन्तु वीरांगना अवंतीबाई लोधी आज भी लोककाव्यों की नायिका के रूप में हमें राष्ट्र के निर्माण, शौर्य, बलिदान व देशभक्ति की प्रेरणा प्रदान कर रही हैं। लेकिन हमारे देश की सरकारों ने चाहे केंद्र की जितनी सरकारे रही हैं या राज्यों की जितनी सरकारें रही हैं उनके द्वारा हमेशा से वीरांगना अवंतीबाई लोधी की उपेक्षा होती रही है। वीरांगना अवंतीबाई जितने सम्मान की हकदार थीं वास्तव में उनको उतना सम्मान नहीं मिला। वीरांगना अवंतीबाई लोधी का अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष एवं बलिदान से सम्बन्धित ऐतिहासिक जानकारी

समकालीन सरकारी पत्राचार, कागजातों व जिला गजेटियरों में बिखरी पड़ी है। इन ऐतिहासिक समकालीन सरकारी पत्राचार, कागजातों व जिला गजेटियरों का संकलन और ऐतिहासिक विवेचन समय की माँग है। देश की केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार को इस ऐतिहासिक जानकारी और सामग्री का संकलन करना चाहिए और उसकी व्याख्या आज के इतिहासकारों से करानी चाहिए।

वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी का जन्म पिछड़े वर्ग के लोधी राजपूत समुदाय में 16 अगस्त 1831 को ग्राम मनकेहणी, जिला सिवनी के जमींदार राव जुझार सिंह के यहां हुआ था। वीरांगना अवंतीबाई लोधी की शिक्षा दीक्षा मनकेहणी ग्राम में ही हुई। अपने बचपन में ही इस कन्या ने तलवारबाजी और घुड़सवारी करना सीख लिया था। लोग इस बाल कन्या की तलवारबाजी और घुड़सवारी को देखकर आश्चर्यचकित होते थे। वीरांगना अवंतीबाई बाल्यकाल से ही बड़ी वीर और साहसी थी। जैसे-जैसे वीरांगना अवंतीबाई बड़ी होती गयीं वैसे-वैसे उनकी वीरता के किस्से आसपास के क्षेत्र में फैलने लगे।

पिता जुझार सिंह ने अपनी कन्या अवंतीबाई लोधी का सजातीय लोधी राजपूतों की रामगढ़ रियासत, जिला मण्डला के राजकुमार से करने का निश्चय किया। जुझार सिंह की इस साहसी बेटी का रिश्ता रामगढ़ के राजा लक्ष्मण सिंह ने अपने पुत्र राजकुमार राजकुमार विक्रमादित्य सिंह के लिए स्वीकार कर लिया। इसके बाद जुझार सिंह की यह साहसी कन्या रामगढ़ रियासत की कुलवधू बनी। सन् 1850 में रामगढ़ रियासत के राजा और वीरांगना अवंतीबाई लोधी के ससुर लक्ष्मण सिंह की मृत्यु हो गई और राजकुमार विक्रमादित्य सिंह का रामगढ़ रियासत के राजा के रूप में राजतिलक किया गया। लेकिन कुछ सालों बाद राजा विक्रमादित्य सिंह अस्वस्थ्य रहने लगे। उनके दोनों पुत्र अमान सिंह और शेर सिंह अभी छोटे थे, अतः राज्य का सारा भार रानी अवंतीबाई लोधी के कन्धों पर आ गया। वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने वीरांगना झाँसी की रानी की तरह ही अपने पति विक्रमादित्य के अस्वस्थ होने पर ऐसी दशा में राज्य कार्य संभाल कर अपनी सुयोग्यता का परिचय दिया और अंग्रेजों की चूलें हिला कर रख दीं।

इस समय लॉर्ड डलहौजी भारत में ब्रिटिश राज का गवर्नर जनरल था, लॉर्ड डलहौजी का प्रशासन चलाने का तरीका साम्राज्यवाद से प्रेरित था। उसके काल मे राज्य विस्तार का काम अपने चरम पर था। भारत में लॉर्ड डलहौजी की साम्राज्यवादी नीतियों और उसकी राज्य हड़प नीति की वजह से देश की रियासतों में हल्ला मचा हुआ था। लॉर्ड डलहौजी की राज्य हड़प नीति के अन्तर्गत जिस रियासत का कोई स्वाभाविक बालिग उत्तराधिकारी नहीं होता था ब्रिटिश सरकार उसे अपने अधीन कर रियासत को ब्रिटिश साम्राज्य में उसका विलय कर लेती थी। इसके अलावा इस हड़प नीति के अंतर्गत डलहौजी ने यह निर्णय लिया कि जिन भारतीय शासकों ने कंपनी के साथ मित्रता की है अथवा जिन शासकों के राज्य ब्रिटिश सरकार के अधीन है और उन शासकों के यदि कोई पुत्र नहीं है तो वह बिना अंग्रेजी हुकूमत कि आज्ञा के किसी को गोद नहीं ले सकता। अपनी राज्य हड़प नीति के तहत डलहौजी कानपुर, झाँसी, नागपुर, सतारा, जैतपुर, सम्बलपुर, उदयपुर, करौली इत्यादि रियासतों को हड़प चुका था। रामगढ़ की इस राजनैतिक स्थिति का पता जब अंग्रेजी सरकार को लगा तो उन्होंने रामगढ़ रियासत को 'कोर्ट ऑफ वार्डस' के अधीन कर लिया और शासन प्रबन्ध के लिए एक तहसीलदार को नियुक्त कर दिया। रामगढ़ के राज परिवार को पेन्शन दे दी गई। इस घटना से रानी वीरांगना अवंतीबाई लोधी काफी दुखी हुई, परन्तु वह अपमान का घूँट पीकर रह गई। रानी उचित अवसर की तलाश करने लगी। मई 1857 में अस्वस्थता के कारण राजा विक्रमादित्य सिंह का स्वर्गवास हो गया।

सन 1857 में जब देश में स्वतंत्रता संग्राम छिड़ा तो क्रान्तिकारियों का सन्देश रामगढ़ भी पहुंचा। रानी तो अंग्रेजों से पहले से ही जली भुनी बैठी थीं क्योंकि उनका राज्य भी झाँसी और अन्य राज्यों की तरह कोर्ट कर लिया गया था और अंग्रेज रेजिमेंट उनके समस्त कार्यों पर निगाह रखे हुई थी।